THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 360 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.8 2079 बुधवार, 15 मार्च 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

भोपाल गैस पीड़ितों को अतिरिक्त मुआवजा नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र की याचिका खारिज की, कहा-पहले ही 6 गुना मुआवजा दिया जा चुका है

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भोपाल गैस पीड़ितों के लिए यूनियन कार्बाइड कॉर्पोरेशन और उसकी सहायक फर्मों से अतिरिक्त मुआवजा दिलाने की केंद्र सरकार की याचिका को खारिज कर दिया। केंद्र ने 2010 में क्यूरेटिव पिटीशन के जरिए डाउ कैमिकल्स से 7800 करोड़ का अतिरिक्त मुआवजा दिलाने की अपील की थी। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, 1984 में 2-3 दिसंबर की रात को हुए इस हादसे में 3700 लोग मारे गए थे। केंद्र सरकार ने इस राशि की मांग यूनियन कार्बाइड कॉरपोरेशन को खरीदने वाली फर्म डाउ कैमिकल्स से की थी। गैस कांड के बाद यूनियन कार्बाइड कॉर्पोरेशन ने पीड़ितों को 470 मिलियन डॉलर (715 करोड़ रुपये) का मुआवजा दिया था। केंद्र सरकार की क्यूरेटिव पिटीशन पर 12 जनवरी 2023 को सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। सरकार ने पक्ष रखते हुए कहा था, पीड़ितों को अधर में नहीं छोड़ सकते। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय किशन कौल, जस्टिस संजीव खन्ना, जस्टिस अभय एस ओक, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस जेके माहेश्वरी की बेंच ने कहा कि केस दोबारा खोलने पर पीड़ितों की मुश्किलें बढ़ेंगी। सुप्रीम कोर्ट ने यूनियन कार्बाइड कार्पोरेशन के पक्ष में फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि यूनियन कार्बाइड कार्पोरेशन पर और ज्यादा मुआवजे का बोझ नहीं डाला जा सकता। पीड़ितों को नुकसान की तुलना में करीब 6 गुना ज्यादा मुआवजा दिया जा चुका है।

कोर्ट ने कहा, केंद्र सरकार आरबीआई के पास रखे 50 करोड़ रुपये का इस्तेमाल पीड़ितों की जरूरत के मुताबिक करे। हम इस बात से निराश हैं कि सरकार ने दो दशक तक इस पर ध्यान नहीं दिया। सुप्रीम कोर्ट ने पहले अदालत को दिए गए अपने हलफनामे में पीड़ितों के लिए बीमा पॉलिसी नहीं तैयार करने के लिए भी केंद्र को फटकार लगाई। इसे घोर लापरवाही भी करार दिया। गैस पीड़ित पेंशनभोगी संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष बालकृष्ण नामदेव ने बताया था कि 1997 में मृत्यु के दावों के रजिस्ट्रेशन को रोकने के बाद सरकार सुप्रीम कोर्ट को बता रही है कि आपदा से केवल 5,295 लोग मारे गए। आधिकारिक रिकॉर्ड बताते हैं कि 1997 के बाद से आपदा के कारण होने वाली बीमारियों से हजारों लोग मरते रहे हैं। मौतों का असली आंकड़ा 25 हजार से ज्यादा है। भोपाल ग्रुप फॉर इंफॉर्मेशन एंड एक्शन की रचना ढींगरा के मुताबिक, यूनियन कर्बाइड को इसकी जानकारी थी कि गैस रिसाव की वजह से स्थायी नुकसान होगा। सरकार से भी यह बात छुपाई गई थी।

पीड़ितों की संख्या बढ़ी तो हर्जाना भी बढ़े

जनवरी में सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार ने अपनी याचिका में कहा था, सुप्रीम कोर्ट ने 1989 में एक लाख से ज्यादा पीड़ितों को ध्यान में रखकर हर्जाना तय किया था। लेकिन जैसे-जैसे समय बीतता गया, गैस पीड़ितों की संख्या ज्यादा हो चुकी है। ऐसे में हर्जाना भी बढ़ना चाहिए। 2-3 दिसंबर 1984 की दरमियानी रात गैस त्रासदी हुई। यूनियन कार्बाइड कारखाने के 610 नंबर के टैंक में खतरनाक मिथाइल आइसोसायनाइड रसायन था। टैंक में पानी पहुंच गया। तापमान 200 डिग्री तक पहुंच गया। धमाके के साथ टैंक का सेफ्टी वॉल्व उड़ गया। उस समय 42 टन जहरीली गैस का रिसाव हुआ था। उस वक्त एंडरसन यूनियन कार्बाइड का प्रमुख था। हादसे के चार दिन बाद वह अरेस्ट हुआ, लेकिन जमानत मिलने के बाद अमेरिका लौट गया।

फिर कभी भारतीय कानूनों के शिकंजे में नहीं आया। उसे भगोड़ा घोषित किया गया। अमेरिका से प्रत्यर्पण के प्रयास भी हुए, लेकिन कोशिशें नाकाम रहीं। 92 साल की उम्र में एंडरसन की मौत 29 सितंबर 2014 में अमेरिका के फ्लोरिडा में हो गई थी।

भारत दुनिया का आठवां सबसे प्रदूषित देश

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। भारत 2022 में दुनिया का आठवां सबसे प्रदूषित देश रहा। 2021 में हम पांचवे नंबर पर थे। हालांकि इस सुधार के बावजूद चिंता की बात यह है कि हमारे यहां हवा का पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) 2.5 का स्तर गिरकर 53.3 माइक्रोग्राम/घन मीटर हो गया है, जो अभी भी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की सेफ लाइन से 10 गुना ज्यादा है। हवा में प्रदूषण की जांच करने वाली स्विस एजेंसी आईक्यू एयर ने मंगलवार को वर्ल्ड एयर क्वालिटी रिपोर्ट जारी की। इसमें 131 देशों का डेटा 30,000 से अधिक ग्राउंड बेस मॉनिटरों से लिया गया है। इस रिपोर्ट में दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित 20 शहरों में 19 एशिया के हैं, जिसमें 14 भारतीय शहर हैं।

एक शहर अफ्रीकी देश का है। अब तक दिल्ली दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी थी। लेकिन इस साल आईक्यू एयर ने दिल्ली का दो हिस्सों में सर्वे किया। एक नई दिल्ली और दूसरे दिल्ली। सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों की सूची में दिल्ली चौथे और नई दिल्ली 9वे स्थान पर है। 8वे नंबर पर अफ्रीकन देश चाड की राजधानी अनजामेना है। अगर सर्वे एजेंसी ने दिल्ली को दो भागों में नहीं बांटा होता तो नई दिल्ली आज भी दुनिया की सबसे प्रदूषित राजधानी होती, लेकिन नई रिपोर्ट के अनुसार तकनीकी तौर पर नई दिल्ली अब दूसरे नंबर पर है। दिल्ली के साथ एनसीआर में शामिल शहर गुरुग्राम, नोएडा, गाजियाबाद और फरीदाबाद में प्रदूषण के स्तर में गिरावट देखी गई है। औसत पार्टिकुलेट मैटर 2.5 की तुलना में गुरुग्राम में 34 प्रतिशत, फरीदाबाद में 21 प्रतिशत तक सुधार हुआ। >14

पीएम सुरक्षा चूक में एक्शन की तैयारी

चंडीगढ़, 14 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले 5 जनवरी 2022 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फिरोजपुर रैली के दौरान उनकी सुरक्षा में चूक बरतने पर मान सरकार कार्रवाई की तैयारी में है। राज्य सरकार सुप्रीम कोर्ट के आदेशों पर बनाई गई (रिटायर्ड) जस्टिस इंदु मल्होत्रा कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर तत्कालीन पंजाब सरकार के 9 बड़े पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा सकती है।

चीफ सेक्रेटरी विजय कुमार जंजुआ ने बताया कि रिपोर्ट के आधार पर ड्यूटी पर लापरवाही करने वाले अधिकारियों को पहले नोटिस किया गया था। अगली कार्रवाई के लिए अब सीएम भगवंत मान को फाइल भेजी गई है। उन्होंने बताया कि मामले की गंभीरता भांपते हुए पंजाब सरकार पीएम मोदी की सुरक्षा में लापरवाही करने वालों को चार्जशीट करने की तैयारी में है।

20 मिनट हाईवे पर फंसे रहे थे मोदी

फरवरी 2022 में हुए पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले 5 जनवरी, 2022 को पीएम नरेंद्र मोदी पंजाब दौरे पर आए थे। मौसम खराब होने के कारण प्रधानमंत्री के काफिले को बठिंडा से फिरोजपुर सड़क मार्ग से भेजा गया। जब वह बठिंडा हवाई अड्डे से हुसैनीवाला जा रहे थे तो उनका काफिला फिरोजपुर के प्यारेआना गांव में 20 मिनट तक एक फ्लाईओवर पर फंसा रहा क्योंकि वहां से कुछ दूरी पर किसानों ने हाईवे बंद कर दिया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय और प्रधानमंत्री की सुरक्षा में तैनात रहने वाले स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) की ब्लू बुक के मुताबिक पीएम के कार्यक्रम और दौरे के बारे में पंजाब सरकार को पहले ही बता दिया गया था। ऐसे में नियमानुसार राज्य पुलिस को सुरक्षा के साथ-साथ अल्टरनेटिव रूट तैयार रखना चाहिए था। इमरजेंसी प्लान को देखते हुए पंजाब सरकार को सड़क मार्ग पर अतिरिक्त सुरक्षा तैनात करनी थी लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसी सुरक्षा चूक के बाद पीएम के काफिले ने बठिंडा एयरपोर्ट पर लौटने का फैसला किया।

बठिंडा एयरपोर्ट से दिल्ली जाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वहां मौजूद पंजाब के अफसरों से कहा था कि सीएम से थैंक्स कहना, मैं जिंदा लौट पाया। पीएम की सुरक्षा में हुई इसी चूक की जांच खुद सुप्रीम कोर्ट ने करवाई थी। >14

वरिष्ठ पत्रकार-विचारक डॉ. वेदप्रताप वैदिक का निधन

दिल्ली में बाथरूम में फिसले थे, अस्पताल पहुंचने से पहले हुई मौत

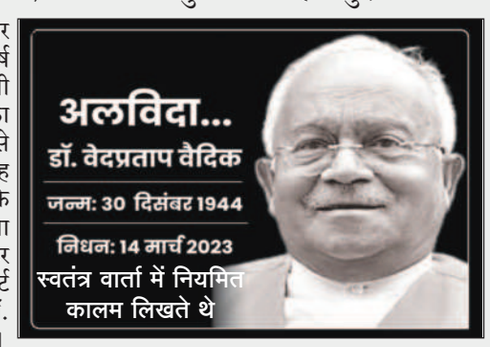

इंदौर, 14 मार्च (एजेंसियां)। वरिष्ठ पत्रकार डॉ. वेदप्रताप वैदिक का मंगलवार को 78 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने दिल्ली स्थित निवास पर अंतिम सांस ली। उनका अंतिम संस्कार इंदौर में होगा। परिवार से मिली जानकारी के अनुसार डॉ. वैदिक सुबह बाथरूम में फिसल कर गिर गए थे। इसके बाद उन्हें निकट के ही अस्पताल में ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि संभवत: हार्ट अटैक के चलते उनकी मौत हुई है। डॉ. वैदिक के परिवार में एक बेटा और बेटी हैं।

डॉ. वैदिक ने 1958 में अपने पत्रकारिता जीवन की शुरूआत की थी। उन्होंने अपनी पीएचडी के शोध कार्य के दौरान न्यूयॉर्क की कोलंबिया यूनिवर्सिटी, मॉस्को के 'इंस्तीतूते नरोदोव आजी', लंदन के 'स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडी' और अफगानिस्तान के 'काबुल विश्वविद्यालय' में अध्ययन और शोध किया। डॉ. वैदिक ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के 'स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडी' से अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में पीएचडी की उपाधि प्राप्त की। वे भारत के ऐसे पहले विद्वान हैं, जिन्होंने अपना अंतर्राष्ट्रीय राजनीति पर रिसर्च पेपर हिंदी में लिखा। इसी कारण जेएनयू से उनका निष्कासन हुआ था।

अहमदाबाद के 8 महीने के बच्चे की बची जान

टोटल रोबोटिक लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी

मुंबई 14 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई के ग्लोबल हॉस्पिटल में टोटल रोबोटिक लिवर ट्रांसप्लांट ऑपरेशन की मदद से अहमदाबाद के 8 महीने के बच्चे की जान बचाई गई. पश्चिमी भारत में इस तरह की यह पहली सर्जरी हुई है. अस्पताल अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि टोटल रोबोटिक सर्जिकल टीम का नेतृत्व गौरव चौबल ने किया है. उन्होनें बताया कि छोटा बच्चे मोहम्मद ए.के. जुफना, क्रिगलर नज्जर सिंड्रोम नामक एक दुर्लभ बीमारी से पीड़ित है. उसके बड़े भाई की पहले ही इसी बीमारी के कारण मौत हो गई थी. यह बच्चा पीलिया, दस्त, उल्टी, बार-बार बुखार से पीड़ित था और उसे तत्काल प्रत्यारोपण के लिए मुंबई के परेल स्थित ग्लोबल अस्पताल में ले जाया गया था. जिसके बाद उसकी सभी जांच की गई जिसमें बच्चे की मां ने अपने छोटे बेटे को बचाने के लिए अपने लीवर का एक हिस्सा दान करने का फैसला लिया साथ ही डाक्टर चौबल ने कहा कि यह एक पूर्ण रोबोटिक डोनर हेपेटेक्टोमी ने खुली सर्जरी में सामान्य उल्टे एल-आकार के कट के बजाय कमर के नीचे एक बहुत छोटे निशान जैसे लाभ की पेशकश की है.

'पीएम की हत्या कराना चाहती है कांग्रेस'

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह का बड़ा आरोप

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। बीजेपी सांसद गिरिराज सिंह ने कांग्रेस पार्टी पर बड़ा आरोप लगाया है. उन्होंने कहा, कांग्रेस पीएम मोदी की हत्या कराना चाहती है. पंजाब में प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक का हवाला देते हुए गिरिराज सिंह ने कहा, कांग्रेस के पास कोई मुद्दा नहीं है. उन्होंने कहा, अडाणी तो सिर्फ बहाना है, मोदी को गाली देना है. दस साल में इनकी सरकार विवादों में घिरी रही. 10 साल में मोदी की सरकार उम्मीदों से घिरी रही है. गिरिराज सिंह बोले, अब ये लोग कह रहे हैं कि मोदी का खात्मा होगा, तभी ये सरकार खत्म होगी. पहले तो ये गालियां देते रहे, मौत का सौदागर कहते रहे, मर जा मोदी कहते रहे. अब खात्मे की तैयारी कर रहे हैं.

'पंजाब में पीएम को बीच फ्लाईओवर पर रोका गया'

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा, पीएम मोदी जब कांग्रेस की सरकार में पंजाब गये थे तब उनको बीच फ्लाईओवर पर रोका गया था और उनको मारने की पूरी तैयारी कर ली गई थी. कांग्रेस अब उनकी मौत की बातें करने लगी है. उनके नेता अब प्रधानमंत्री के खात्मे की बातें करने लगे हैं.

राहुल गांधी पर लगाया भारत के अपमान का आरोप

इसके अलावा सोमवार को भी केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह कांग्रेस और राहुल गांधी पर हमलावर दिखे थे. उन्होंने राहुल गांधी पर विदेश जाकर भारत का अपमान करने का आरोप लगाते हुए उनके खिलाफ देशद्रोह का मुकदमा दर्ज करने की मांग की. उन्होंने कहा, राहुल गांधी ने विदेशी धरती पर लंदन जाकर भारत, भारतीय लोकतंत्र और भारत की संसद को अपमानित किया है. उन्होंने आगे कहा कि सदन में झूठे आरोप लगाने वाले राहुल ने विदेशी धरती पर जाकर भारत की संसद का भी अपमान किया है. वह संसद के इस सत्र में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से राहुल गांधी के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हैं.

पिता को छोड़ने के लिए दरोगा मांग रहा था रिश्वत, सीबीआई ने रंगे हाथों किया गिरफ्तार

अकोला, 14 मार्च (एजेंसियां)। देश में भ्रष्टाचार करने वालों की खैर नहीं. मंगलवार को आरपीएफ पुलिस स्टेशन अकोला महाराष्ट्र से सीबीआई ने आरपीएफ के एक दरोगा को रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है. सीबीआई ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के एक निरीक्षक मुकेश कुमार मीणा को एक पीड़ित से एक लाख रुपये की रिश्वत मांगने और उसको स्वीकार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है. आरोपी दरोगा शिकायतकर्ता के पिता के खिलाफ आरपीएफ पुलिस स्टेशन, अकोला में दर्ज मामलों से छुटाने के लिए और उसको पुलिस स्टेशन से ही जमानत देने के लिए 3 लाख रुपए रिश्वत की मांग की थी. ऐसे आरोपी के खिलाफ सीबीआई ने जाल बिछाया और रिश्वत की पहली किस्त की मांग करते हुए आरोपी मुकेश कुमार मीणा को रंगे हाथों पकड़ लिया. शिकायतकर्ता से एक लाख रुपए रिश्वत लेने के मामले में गिरफ्तार किए जाने के बाद आरोपी मुकेश मीणा के कार्यालय और आवासीय परिसरों में तलाशी ली गई थी जिसमें संपत्ति आदि से संबंधित दस्तावेज बरामद हुए थे. पुलिस ने गिरफ्तार आरोपी को अमरावती की अदालत में सीबीआई मामलों के विशेष न्यायाधीश के सामने पेश किया था और उसे 14 मार्च तक के लिए सीबीआई कस्टडी में भेज दिया था.

'नाबालिग के सिर और पीठ पर हाथ फेरना गलत नहीं

बॉम्बे हाईकोर्ट ने पलटा लोअर कोर्ट का फैसला

बंबई, 14 मार्च (एजेंसियां)। हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने 2012 के मामले में आदेश सुनाते हुए 28 साल के व्यक्ति की दोषसिद्धि को रद्द कर दिया. इसके साथ ही बेंच ने कहा कि किसी गलत नीयत के बिना नाबालिग लड़की की पीठ और सिर पर हाथ फेर देने से उसकी लज्जा भंग नहीं होती है. जानकारी के मुताबिक मामला 2012 का है. जिसमें 18 साल के शख्स पर 12 साल की एक लड़की की लज्जा भंग करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था. पीड़िता के मुताबिक आरोपी ने उसकी पीठ और सिर पर हाथ फेरते हुए कहा था कि वह बड़ी हो गई है. अदालत ने 10 फरवरी को मामले में फैसला सुनाया था, जिसकी कॉपी कल यानी 13 मार्च को आई. जस्टिस भारती डांगरे की बेंच ने फैसला सुनाते हुए कहा कि ऐसा बिल्कुल नहीं लग रहा है कि दोषी का कोई गलत इरादा था. उन्होंने कहा कि उसकी बात से लगता है कि वह पीड़िता को बच्ची के तौर पर ही देख रहा था.

'उस तरह की मंशा रखना है महत्वपूर्ण'

जस्टिस भारती डांगरे ने कहा कि किसी भी महिला की लज्जा भंग करने के लिए उस तरह की मंशा रखना महत्वपूर्ण है. उन्होंने कहा कि पीड़िता ने भी व्यक्ति के किसी गलत इरादे का उल्लेख नहीं किया है, उसने बस यह कहा कि उसे कुछ गलत हरकतों की वजह से असहज महसूस हुआ. अदालत ने कहा कि प्रॉसिक्यूटर यह साबित नहीं कर पाया कि अपीलकर्ता का इरादा लड़की की लज्जा भंग करने का था. प्रॉसिक्यूटर से मिली जानकारी के मुताबिक 15 मार्च 2012 को अपीलकर्ता 18 वर्ष का था और वह कुछ डॉक्यूमेंट देने लड़की के घर गया था. लड़की उस समय घर अकेली थी. उसने लड़की के सिर और पीठ पर हाथ फेरा जिससे वह घबराकर मदद के लिए चिल्लाने लगी. लोअर कोर्ट ने इस मामले में व्यक्ति को दोषी ठहरा दिया था. जिसके बाद व्यक्ति ने हाई कोर्ट का रुख किया था. हाई कोर्ट ने अपने फैसला में यह कहा कि लोअर कोर्ट का फैसला सही नहीं है.

नंदा गौरा योजना में फर्जीवाड़े के आरोपी 193 लोगों पर मुकदमा दर्ज

मंत्री के आदेश पर हुई कार्रवाई

देहरादून, 14 मार्च (एजेंसियां)। उत्तराखंड में नंदा गौरा योजना में धांधली के आरोपी 193 लोगों के खिलाफ मंगलवार को मुकदमा दर्ज किया गया है। आरोपियों पर 420 सहित विभिन्न धाराएं लगाई गई हैं। पुलिस ने ये कार्रवाई विभागीय मंत्री रेखा आर्य के निर्देश के बाद की। मंत्री रेखा आर्य ने हाल ही में मामले की जांच कर अपात्र लाभार्थियों और दोषी अधिकारियों, कर्मचारियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए थे। उन्होंने कहा था कि योजना का लाभ लेने वाली सभी बालिकाओं के प्रमाण पत्रों की भी जांच की जाए, ताकि कोई अपात्र पात्र बालिका का हक छीनकर योजना का लाभ न ले सके। हरिद्वार जिले में वित्तीय वर्ष 2022-23 में नंदा गौरा योजना का लाभ लेने के लिए आय प्रमाण पत्रों से छेड़छाड़ कर फर्जीवाड़ा करने का मामला सामने आया था। इसमें वित्तीय वर्ष 2022-23 में जन्म के आधार पर योजना का लाभ प्राप्त करने वाले कुल 1328 आवेदनों में से 70 एवं 12वीं पास के आधार पर लाभ लेने के लिए कुल 4174 आवेदनों में से 123 कुल 193 आवेदनों में आय प्रमाण पत्रों से छेड़छाड़ की गई। प्रमाण पत्रों में की गई छेड़छाड़ पर मुख्य विकास अधिकारी हरिद्वार इन आवेदनों को रद्द कर चुके हैं। प्रदेश सरकार की ओर से नंदा गौरा देवी कन्याधन योजना के तहत बालिकाओं के जन्म के समय 11 हजार रुपये माता-पिता को दिए जाते हैं।

डार्क नेट के जरिए बदमाश बेच रहे अवैध हथियार

इंदौर, 14 मार्च (एजेंसियां)। सिकलीगर तमाम सख्ती के बाद भी हथियार बनाकर बेचने के काम में लगातार सक्रिय हैं. सोशल मीडिया के साथ ही अब डार्क नेट के जरिए भी हथियार बेचा जा रहा है. देशभर में इंदौर और आसपास के जिलों से हथियार सप्लाई हो रहा है. पुलिस का दावा है कि बदमाश और सिकलीगर पर नजर रखी जा रही है. यही कारण है कि एक साल में 300 हथियार जब्त किए जा चुके हैं. पंजाब के गायक सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद चर्चा में आए विश्नोई गैंग के बदमाश कुछ समय पहले बड़वानी के सिकलीगरों से हथियार लेकर गए थे. वहां से आई पुलिस ने यहां आकर छानबीन भी की थी. इस मामले के बाद पुलिस ने बड़वानी, धार, झाबुआ समेत कई क्षेत्रों के सिकलीगर व बदमाशों पर नजर रखना शुरू कर दिया है. छानबीन में पता चला कि सिकलीगर स्थानीय बदमाशों की मदद से पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान में हथियार की सप्लाई कर रहे हैं. सोशल मीडिया पर बदमाशों को हथियारों के फोटो भेजने के बाद ऑर्डर लिए जाते थे. इस आधार पर पुलिस ने कार्रवाई कर करीब 30 सिकलीगर व हथियार जब्त किए. पता चला कि बदमाश अब कारतूस भी बना रहे हैं. बड़वानी के सिकलीगर भमौरी की लैथ मशीन में पिस्टल के लिए मैग्जीन भी बनवा रहे थे. पुलिस ने मशीन संचालक को भी गिरफ्तार किया है. पुलिस ने अन्य मामलों में सोशल मीडिया पर निगरानी बढ़ाई तो पता चला कि हथियार का कारोबार बदमाश अनैतिक कामों का अड्डा बने डार्क नेट पर भी कर रहे हैं. चूंकि, आसपास के सिकलीगर द्वारा बनाए हथियार अच्छी क्वालिटी के होते हैं, इसलिए देश में इनकी मांग है. इसे देखते हुए डार्क नेट के जरिए बिक्री शुरू कर दी है.

पानीपत में चाकू की नोंक पर युवक को लूटा

पानीपत, 14 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के पानीपत शहर में बलजीत नगर नाका के पास नाले की पुलिया पर स्कूटी सवार 2 बदमाशों ने चाकू की नोंक पर कार चालक को लूट लिया। बदमाशों ने धमकाते हुए करनाल निवासी जागरण पार्टी संचालक की सोने की चेन, कैश और कार की चाबी लूटी व मौके से फरार हो गए। जिसकी शिकायत पीड़ित ने पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लिया है। चांदनीबाग थाना पुलिस को दी शिकायत में ब्रिजेश ने बताया कि वह धर्मबीर कॉलोनी, अनाज मंडी, घरौंडा, करनाल का रहने वाला है। 13 मार्च को वह अपनी ससुराल धूप सिंह नगर, पानीपत में आयोजित एक शादी समारोह में आया था।

सीजेआई चंद्रचूड़ की मंजूरी लिए बगैर सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने दूसरी को असाइन किया केस

जस्टिस ने नाखुशी जता पलट दिया फैसला

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में एक नए तरह का विवाद सामने आया है। एक बेंच ने एक मामले को दूसरी बेंच को असाइन करने का आदेश दे डाला। जिस बेंच को केस असाइन किया गया था वो इस फैसले से बिफर गई। जज ने ओपन कोर्ट में फैसले पर नाखुशी जताकर रजिस्ट्री को फरमान जारी कर दिया कि केस को पहले सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के सामने रखा जाए। वो मास्टर ऑफ रोस्टर हैं। वो आदेश जारी करेंगे तभी हम मामले की सुनवाई करेंगे। दरअसल जस्टिस एमआर शाह और सीटी रवि कुमार की बेंच ने एक मामला सीधे जस्टिस बीआर गवई और विक्रम नाथ की बेंच को असाइन कर दिया। सुप्रीम कोर्ट की तय परंपरा के

मुताबिक सीजेआई मास्टर ऑफ रोस्टर होता है। रजिस्ट्री का काम होता है कि वो लिस्ट होने वाले केसों को सीजेआई के सामने रखे। उसके बाद सीजेआई तय करते हैं कि कौन सी बेंच कौन से केस की सुनवाई करेगी।

जस्टिस शाह ने जस्टिस गवई की बेंच को सीधे भेजा था केस

मौजूदा मामले में फरवरी में जस्टिस एमआर शाह और सीटी रवि कुमार की बेंच ने एक मामला सीधे जस्टिस बीआर गवई और विक्रम नाथ की बेंच के पास सुनवाई के लिए भेजस दिया। जस्टिस शाह का तर्क था कि जस्टिस गवई पहले भी इस मामले की सुनवाई एक बार कर चुके हैं। लिहाजा वो इस केस को बेहतर तरीके से समझकर फैसला दे सकते हैं। आदेश फरवरी में जारी हुआ था लेकिन जस्टिस गवई के बेंच के सामने ये केस आज गया। जस्टिस गवई ने जस्टिस शाह के फरमान से नाखुशी जताते हुए कहा कि अगर किसी बेंच को लगता है कि मामला किसी दूसरी बेंच को असाइन किया जाना चाहिए तो इसके लिए केस को सबसे पहले सीजेआई के पास भेजा जाना चाहिए। ओपन कोर्ट में जस्टिस गवई ने जस्टिस शाह के फैसले पर एतराज दर्ज कराते हुए कहा कि उन्होंने इस मामले की सुनवाई सितंबर 2022 में की थी। उस समय कोई भी फैसला नहीं दिया जा सका था।

जस्टिस गवई ने जस्टिस सीटी रविकुमार के पाले में डाली गेंद, बोले- पहले सीजेआई से लो मंजूरी

जस्टिस गवई ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की आम परंपरा है कि अगर मामले में किसी जज ने आदेश जारी किया था तो केस उसे भेजा जाए। इस मामले में आदेश जस्टिस सीटी रविकुमार और जस्टिस एएम खानविलकर की बेंच ने जारी किया था। लिहाजा ये मामला सीटी रविकुमार के पास भेजा जाए। लेकिन रजिस्ट्री इसके लिए सबसे पहले सीजेआई की मंजूरी हासिल करे। सीजेआई की सहमति के बगैर केस यूं ही असाइन नहीं किया जा सकता।

शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों से वसूला 5.09 करोड़ रुपए जुर्माना

चेन्नई, 14 मार्च (एजेंसियां)। ग्रेटर चेन्नई ट्रेफिक पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों पर कार्रवाई तेज कर दी गई है. पिछले डेढ़ महीने में 4922 मामलों का निपटारा कर नशे में गाड़ी चलाने वालों पर 5,09,16,000 रुपए का जुर्माना लगाया गया है. जुर्माने की इस कार्रवाई के बाद शराब पीकर गाड़ी चलाने वालों में हडक़ंप मच गया है. अकेले चेन्नई महानगर में ही यह कार्रवाई की गई है. हालांकि पुलिस ने डेढ़ महीने में नशे में वाहन चलाने वाले 5738 लोगों पर मामले दर्ज किए हैं जिनसे 5,93,78,500 जुर्माना वसूल किया जाना है. पुलिस ने चालानी कार्रवाई के साथ ही वाहन चालकों से अपील भी की है. पुलिस ने कहा है कि शहर की यातायात व्यवस्था को सुगम व सुरक्षित बनाने में यातायात पुलिस का सहयोग करें.

जज ने लगाया 25 हजार का जुर्माना तो आरोपी बोला- मैंने गूगल किया है, बनते हैं सिर्फ 250

मुंबई, 14 मार्च (एजेंसियां)। एयर इंडिया के विमान में कथित तौर पर अभद्र व्यवहार और धूम्रपान करने के आरोप में एक व्यक्ति को अदालत ने जेल भेजने का आदेश दिया है। बता दें कि आरोपी ने इस मामले में जमानत के लिए 25,000 रुपये का भुगतान करने से इनकार कर दिया है। आरोपी ने कहा कि उसने गूगल करके पता लगाया था कि आईपीसी की धारा के तहत देय जुर्माना 250 रुपये है। इसके लिए वह 25,000 रुपये का भुगतान नहीं करेगा। इससे पहले, कोर्ट ने आरोपी रत्नाकर द्विवेदी को नकद जमानत दी थी, लेकिन उसने राशि देने से इनकार कर दिया और 13 मार्च को कोर्ट से कहा कि वह जेल जाने के लिए तैयार है। गौरतलब है कि आरोपी 10 मार्च को एयर इंडिया की लंदन-मुंबई फ्लाइट के बाथरूम में धूम्रपान और अनियंत्रित व्यवहार करते हुए पकड़ा गया था। उसपर भारतीय दंड संहिता की धारा 336 (दूसरों के जीवन या व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डालने का कार्य) के तहत मामला दर्ज किया गया था। आरोपी ने अपना पक्ष रखते हुए अदालत को बताया कि उसने ऑनलाइन पढ़ा था कि आईपीसी की धारा 336 के तहत देय जुर्माना 250 रुपये है, जिसे वह देने को तैयार है, लेकिन जमानत राशि 25 हजार नहीं देगा। इसके बाद अंधेरी मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने 13 मार्च को आरोपी को जेल भेजने का आदेश दिया। मुंबई पुलिस के अनुसार, आरोपी ने विमान में गड़बड़ी की थी और सभी यात्रियों के जीवन को खतरे में डाला था

'लव जिहाद झूठ है, ऐसा कुछ नहीं होता है', नितेश राणे ने कबूल किया अबू आजमी का चैलेंज

मुंबई, 14 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में 'लव जिहाद' का मुद्दा दिन-ब-दिन जोर पकड़ता जा रहा है और इसे लेकर नेताओं के बीच तीखी बयानबाजी भी देखने को मिल रही है। ताजा बयानबाजी भारतीय जनता पार्टी के विधायक नितेश राणे और समाजवादी पार्टी के विधायक अबू आसिम आजमी के बीच हुई है। दरअसल, आज विधानभवन परिसर में नितेश राणे 'लव जिहाद' के मुद्दे पर इंटरव्यू दे रहे थे। वह अपने इंटरव्यू में कह रहे थे कि उनके पास 'लव जिहाद' के सबूत हैं, और तभी अबू आजमी नितेश के बगल से गुजरे और दोनों नेताओं में बातचीत शुरू हो गई। अबू आजमी ने पास से गुजरते हुए नितेश राणे से कहा कि 'लव जिहाद' झूठ है, ऐसा कुछ नहीं होता है। आजमी ने कहा, 'राजा सिंह बोलते हैं कि यहां पर रहने नहीं देंगे, मस्जिदों को बंद कर देंगे। वह कहते हैं कि मुसलमानों से लेन-देन बंद कर दो।' इस पर नितेश राणे ने कहा चांदीवली में ग्रीन जोन के ऊपर 3 फ्लोर का मदरसा बना दिया गया है, जिस पर अबू आजमी कहते हैं कि उसे तोड़ दीजिए, कौन रोक रहा है। नितेश राणे फिर कहते हैं कि तोड़ने के वक्त ये लोग कैसे हथियार लेकर आते हैं, जिसपर अबू आजमी उन्हें कुछ समझाते हुए नजर आते हैं। अबू आजमी ने फिर राणे को 'लव जिहाद' साबित करने का चैलेंज दिया, जिसे बीजेपी नेता ने स्वीकार कर लिया। नितेश ने अबू आजमी से कहा कि आप तारीख और वक्त बताइए, मैं आपको खुद साथ ले चलूंगा, और तब आपको मनना पड़ेगा कि लव जिहाद होता है। जब अबू आजमी ने कहा कि मैं आपको 50 जगह पर ले चलता हूं, तो नितेश राणे आगे बढ़कर कहते हैं कि 'मैं आपको 10 हजार जगह' ले चलता हूं। इसके बाद अबू आजमी नितेश राणे से मशहूर शेर 'हवेली झोपड़ी सब का मुकद्दर टूट जाएगा, अगर यह साथ हिंदू-मुस्लिम का छूट जाएगा। दुआ कीजिए कि हममें प्यार के रिश्ते रहें कायम, यह रिश्ते टूट जाएंगे तो भारत टूट जाएगा।' कहते हैं। बता दें कि महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों में लव जिहाद एक बड़ा मुद्दा बनता जा रहा है।

मां ने दो बच्चों की हत्या के बाद की खुदकुशी

नमक्कल, 14 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु के नमक्कल जिले में आत्महत्या का हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है. यहां 30 साल की महिला ने पारिवारिक विवाद के चलते पहले दो मासूम बेटों की हत्या की उसके बाद खुद भी आत्महत्या कर ली. पड़ोसियों सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. सूचना के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है. जानकारी के मुताबिक गोपी नमक्कल के मोगनूर न्यू स्ट्रीट के रहने नाला हैं. गोपी मोहनुर पुडु स्ट्रीट इलाके में चाय की दुकान चलाता है. उसके परिवार में उनकी पत्नी गुणावती और दो बच्चे प्रणेश (5) और सुषित (2) थे. बीती रात गुणावती और उसके पिता केसवन के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया.

'महाराष्ट्र की सत्ता पर बेईमान और चोर'

संजय राउत बोले- हमें सुप्रीम कोर्ट से मिलेगा इंसाफ

मुंबई, 14 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में जारी राजनीतिक खींचतान के बीच एक बार फिर से उद्धव गुट के नेता संजय राउत ने शिंदे गुट पर हमला बोला है. उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में कोई सत्ता संघर्ष नहीं है. महाराष्ट्र की सत्ता पर जिस तरह से बेईमान और चोर बैठे हैं उनके खिलाफ शिवसेना कोर्ट में गई है. सुप्रीम कोर्ट में मामला चल रहा है. उन्होंने विश्वास जताया है कि जिस तरह से सुनवाई चल रही है उन्हें न्याय मिलेगा. दरअसल, महाराष्ट्र में उद्धव और शिंदे गुट के बीच तमाम मुद्दों को लेकर तकरार जारी है. शिवसेना का नाम और चुनाव चिह्न हाथ से जाने के बाद महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे को सोमवार को एक और बड़ा झटका लगा. उनके करीबी और ठाकरे (यूबीटी) गुट के वरिष्ठ नेता सुभाष देसाई के बेटे भूषण देसाई मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की शिवसेना में शामिल हो गए हैं.

नाम और सिंबल की लड़ाई

इससे पहले उद्धव गुट ने चुनाव आयोग के फैसले का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था. हालांकि, कोर्ट से इस मामले में किसी तरह की कोई राहत नहीं मिली. सुप्रीम कोर्ट ने मामले की सुनवाई करते हुए शिंदे के नेतृत्व वाले गुट को असली शिवसेना मानने और पार्टी का नाम और सिंबल आवंटित करने के चुनाव आयोग के आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था.

राहुल कुल के खिलाफ उठाई थी जांच की मांग

इससे पहले शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को पत्र लिखकर बीजेपी विधायक राहुल कुल के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) से जांच कराने की मांग की थी.

रोहतक में महिला फांसी पर लटकी मिली

रोहतक, 14 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में रोहतक के गांव सांघी में 2 बच्चों की मां फांसी पर लटकी हुई मिली। मृतका के पिता ने आरोप लगाया कि ससुराल वालों ने पैसों के लिए बेटी की हत्या कर शव को फांसी पर लटकाया है। महिला का 4 साल से दहेज का केस भी चल रहा था। अब मृतका के पिता ने प्लाट व घर बेचकर बेटी को 30 लाख रुपए दिए थे, जिसके कारण उसका मर्डर करने का आरोप लगाया है। गांव हुमायूंपुर निवासी जगबीर ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके 3 बच्चे हैं। बड़ी लड़की पूजा, दूसरे नंबर का लड़का संदीप व छोटी लड़की आरती। उसने अपने बेटी करीब पूजा (29) की शादी 25 नवंबर 2013 को गांव सांघी निवासी सेवा सिंह के साथ हिंदू रिती-रिवाज के साथ की थी।

पत्नी की हत्या कर पहुंच गया ऑफिस

शिफ्ट पूरी करने के बाद पुलिस स्टेशन जाकर किया सरेंडर

पालघर, 14 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर में हत्या का एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया है. पालघर जिले के नालासोपारा में अपनी पत्नी का गला घोंट हत्या करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया. पालघर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि शख्स को अपनी पत्नी के चरित्र पर शक था. इसी कारण उसने पत्नी की हत्या कर दी. अधिकारी ने बताया कि शख्स ने सुबह अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी. इसके बाद उसने अपने अपराध का छिपाने की कोशिश नहीं की. वह पत्नी के शव को घर में ही छोड़कर ऑफिस चला गया. हैरान करने वाली बात यह है कि ऑफिस पहुंचकर इस शख्स ने पूरे दिन काम किया. इस दौरान ऑफिस में इस शख्स ने अपने सहकर्मियों को हत्या के बारे में कुछ नहीं बताया. ऑफिस से छुट्टी होने के बाद ये शख्स पुलिस स्टेशन गया और बताया कि उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी है. इस शख्स के हत्या करने के बाद ऑफिस जाने की बात से पुलिस भी हैरान है. हालांकि, ऐसा लगता है कि ये शख्स शायद बेहद मानसिक तनाव की स्थिति से गुजर रहा होगा. पुलिस ने इस मामले में हत्या कर केस दायर कर जांच शुरू कर दी है. पुलिस का कहना है कि वह कई एंगल से जांच कर रही है.

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

सु वि चा र

जिसके पास जीवन का सौन्दर्य है, उसे कभी भी शरीर का सौन्दर्य नहीं लुभाता ।

दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज पर पार्किंग करने पर देना पड़ सकता 2 हजार रुपये जुर्माना

मनाही के बाद भी लोग वाहनों को खड़ा कर ले रहे है सेल्फी

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज पर पार्किंग करने पर देना 2 हजार रुपये जुर्माना चुकाना पड़ सकता है। रोमांच चाहने वालों और फोटोग्राफी के शौकीनों के लिए आश्चर्यजनक दुर्गम चेरुवु केबल ब्रिज एक बेहतरीन फोटो दे सकता है।

लेकिन अपने दो व चार पहिया वाहनों के साथ वहां जाने से पहले लोगों को पुलिस की चेतावनी पर ध्यान देना चाहिए। हाल के महीनों में, संबंधित अधिकारियों के अलर्ट के बावजूद, कई आगंतुक संभावित परिणामों से अनजान, विशेष रूप से सूर्यास्त के बाद पुल पर अपने वाहनों को रोक रहे हैं और पार्क कर रहे हैं। जबकि कुछ इस प्रतिष्ठित स्थान पर सेल्फी लेने के लिए आते हैं, अन्य लोग इसे समय बिताने के लिए एक प्रमुख स्थान के रूप में उपयोग करते हैं। जो लोग तैयार होने पर अपने कैमरा फोन के साथ आते हैं, अपनी कार पार्क करते हैं, बाहर निकलते हैं और जीवन और अंगों को खतरे में डालते हुए किनारे पर झुक कर तस्वीरें खींचना शुरू कर देते हैं।

लेकिन क्या वे जानते हैं कि वे अकेले नहीं देख रहे हैं। इस मौके पर भी पुलिस की नजर है और जो भी नियमों की अवहेलना करेगा उसका चालान काट देंगे। अगर आपको लगता है कि पुलिस इसे सिर्फ इसलिए जाने देगी क्योंकि अंधेरा है, तो फिर से सोचें क्योंकि उनके पास रात में पुल की निगरानी के लिए विशेष कैमरे हैं। पुल पर पार्किंग के लिए जुर्माना 200 रुपये से लेकर 2,000 रुपये तक हो सकता है, कुछ तस्वीरों के लिए भुगतान करने की भारी कीमत, जन्मदिन का जश्न या बस दोस्तों के साथ घूमने के लिए है। यह जरूरी है कि लोग पुल पर अपने वाहन पार्क करने के खतरों को समझें। माधापुर यातायात पुलिस के एक अधिकारी का कहना है कि पुल का उपयोग करने वाले आगंतुकों और यात्रियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और लापरवाह व्यवहार बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। पुल पर पार्किंग पर प्रतिबंध को लागू करने के लिए पुलिस ने अपने प्रयास तेज कर दिए हैं। विशेष रूप से देर रात के दौरान गश्त बढ़ा दी गई है, और कैमरे 24 घंटे क्षेत्र की निगरानी कर रहे हैं। 'हम पुल पर सभी आगंतुकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना चाहते हैं। लेकिन ऐसा करने के लिए हमें जनता के सहयोग की जरूरत है।'

महिला आयोग में बंड़ी 18 को होंगे पेश

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य महिला आयोग से 15 मार्च को पेश होने के लिए 13 मार्च को प्राप्त पत्र का जवाब देते हुए, राज्य भाजपा अध्यक्ष बंदी संजय कुमार ने आयोग को पत्र लिखकर सूचित किया कि वह एक सांसद के रूप में संसद में रहेंगे। नई दिल्ली में बजट सत्र के दौरान उनकी उपस्थिति आवश्यक थी और वह दी गई तारीख और समय पर आयोग के समक्ष उपस्थित नहीं हो पाएंगे। उन्होंने कहा कि वह 18 मार्च को आयोग के समक्ष पेश होंगे। करीमनगर के सांसद ने आयोग से उनके पेश होने की तिथि से पहले आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने का भी अनुरोध किया, ताकि यदि कोई हो, तो वह अपना स्पष्टीकरण देने की स्थिति में हों।

बीजेपी की केटीआर के संपत्ति की न्यायिक जांच की मांग

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य भाजपा ने आज राज्य के मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के मंत्री पुत्र केटीआर की आय से अधिक संपत्ति की जांच उच्च न्यायालय के मौजूदा न्यायाधीश से कराने की मांग की, जिन्होंने कथित रूप से अपनी आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति अर्जित की। यहां राज्य पार्टी कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, पार्टी उपाध्यक्ष और पूर्व विधायक एनवीएसएस प्रभाकर ने कहा कि तत्कालीन टीआरएस द्वारा सरकार बनाने के बाद से, केटीआर राजनीति में हैं और मंत्री के रूप में काम कर रहे हैं। उन्होंने केटीआर पर अवैध रूप से संपत्ति अर्जित करने में सत्ता का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

केटीआर ने 2004 में अपनी आय केवल 4,30,52040 रुपये के रूप में दिखाई थी, जो 2018 में बढ़कर 41 करोड़ रुपये हो गई है, प्रभाकर ने दावा किया और केटीआर की आय के स्रोतों पर सवाल उठाया, जो अब नगरपालिका प्रशासन और उद्योग विभाग रखते हैं। जिस तरह से केटीआर ने संपत्ति अर्जित की है,

उससे साफ पता चलता है कि वह सत्ता के दुरुपयोग में लिप्त है। प्रभाकर ने आगे आरोप लगाया कि ऐसी खबरें थीं कि केटीआर राज्य में सभी प्रकार की अनुमति को मंजूरी देने के लिए एक उद्योग स्थापित करने के लिए आगे आने वाले प्रत्येक उद्योगपति से हिस्सा मांग रहे है। भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर का पूरा परिवार भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहा है और परियोजनाओं से कमीशन प्राप्त करने, राज्य में आने वाले निवेश और ठेकेदारों से कमीशन लेने में लिप्त है। राजनीति के स्तर को कम करने के लिए मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव की कड़ी आलोचना करते हुए प्रभाकर ने कहा कि केसीआर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ भी भाजपा नेताओं के खिलाफ अपमानजनक और अत्यधिक आपत्तिजनक टिप्पणियां की हैं। केसीआर ने हमारी पार्टी की महिला उपाध्यक्ष डी अरुणा को भी नहीं छोड़ा और निंदनीय शब्दों का इस्तेमाल किया। उन्होंने कहा कि कोई भी मुख्यमंत्री और पार्टी अध्यक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और एमपी और बीसी नेता डॉ के लक्ष्मण, केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी और विवेक जैसे हमारे राज्य के पार्टी नेताओं के खिलाफ बेहद आपत्तिजनक और असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल करने के लिए इस स्तर तक नहीं गिरेगा। प्रभाकर ने कहा कि अगर राज्य महिला आयोग, बीसी और एसटी आयोग और मानवाधिकार आयोग स्वतंत्र रूप से काम कर रहे हैं और उनके पास स्वायत्तता है तो उन्हें हमारी पार्टी के नेताओं के खिलाफ सीएम केसीआर की टिप्पणियों पर स्वत: संज्ञान लेना चाहिए और उन्हें नोटिस जारी करना चाहिए। पार्टी अध्यक्ष बंदी संजय कुमार की हालिया टिप्पणी पर प्रभाकर ने कहा कि पूरे प्रदेश की पार्टी बंडी संजय के पीछे है। संजय की टिप्पणी पर मतभेद के सवाल पर प्रभाकर ने कहा कि केंद्रीय नेतृत्व पहले ही इस मामले को देख चुका है।

पीआरएसआई ने केवी राजगोपाल को दी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पब्लिक रिलेशंस सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीआरएसआई) ने एक बहु-प्रतिभाशाली पूर्व भारतीय रेलवे सेवा अधिकारी केवी राजगोपाल को श्रद्धांजलि अर्पित की। उनका 10 मार्च को बैंगलोर में 97 वर्ष की आयु में निधन हो गया। पीआरएसआई-हैदराबाद चैप्टर द्वारा आयोजित शोक सभा को संबोधित करते हुए पीआरएसआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अजीत पाठक ने कहा कि राजगोपाल के निधन से रेलवे, पीआर पेशे और खेल क्षेत्र ने एक आभूषण खो दिया है। पाठक ने 1983 से 85 तक तत्कालीन आंध्र प्रदेश के अध्यक्ष के रूप में पीआरएसआई में केवी राजगोपाल के योगदान को याद करते हुए कहा, "उन्होंने एक संपूर्ण पेशेवर और एक सुपर इंसान के रूप में खुद के लिए एक जगह बनाई।" दक्षिण-मध्य रेलवे का प्रतिनिधित्व करते हुए, सीनियर पीआरओ, एससीआर, आरएलडीए/एससी में डिप्टी जीएम के रूप में प्रतिनियुक्ति पर आए शकील अहमद ने कहा कि राजगोपाल संगठन में हर कर्मचारी के प्रति अपने प्यार और स्नेह को साझा करने के लिए जाने जाते थे। हम उनके जैसे अधिकारियों को

नहीं भूल सकते। राजेश कल्याण, रेलवे पीआरओ और पीआरएसआई ईसी सदस्यों में से एक ने राजगोपाल द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान एक अधिकारी के रूप में बनाए गए चिरस्थायी प्रभाव के बारे में बात की।

उन्होंने कहा, "आज तक, रेलवे एथलीट उन्हें उनके द्वारा दिए गए उत्कृष्ट समर्थन के लिए याद करते हैं।" राजगोपाल की बेटी प्रिया श्रीनिवासन ने कहा कि पीआरएसआई का उनके पिता के दिल में विशेष स्थान है। पीआरएसआई-हैदराबाद चैप्टर के अध्यक्ष डॉ एस रामू ने पीआरएसआई एपी अध्यक्ष के रूप में राजगोपाल की उपलब्धियों को सूचीबद्ध किया। पीआरएसआई के महासचिव वाई. बाबजी, अमरावती के अध्यक्ष वीएसआर नायडू, हैदराबाद महिला विंग की संयोजक डॉ. के. अनीता और अन्य ने भी बात की। प्रतिभागियों ने दिवंगत आत्मा के सम्मान में दो मिनट का मौन रखा। 16 सितंबर 1926 को बेरहामपुर गंजम में जन्मे, जो तत्कालीन मद्रास प्रेसीडेंसी का हिस्सा था, लेकिन अब ओडिशा में है, राजगोपाल ने यूपीएससी के माध्यम से सिविल सेवा के लिए अर्हता प्राप्त की और भारतीय रेलवे यातायात सेवा में शामिल हो गए। उन्होंने असम, पश्चिम बंगाल बिहार और नई दिल्ली में भारतीय रेलवे में विभिन्न क्षमताओं में काम किया, जहां उन्होंने रेल मंत्रालय में संयुक्त निदेशक के रूप में सेना मुख्यालय में संयुक्त निदेशक, सैन्य आंदोलनों के रूप में कार्य किया। इस अवधि के दौरान, उन्हें परिवहन मूल्य निर्धारण के अध्ययन के लिए संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के तहत 6 महीने की फैलोशिप के लिए यूएसए में प्रतिनियुक्त किया गया था। बाद में उन्हें दक्षिण मध्य रेलवे, सिकंदराबाद में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां से वे 1984 में मुख्य यातायात योजना प्रबंधक के रूप में सेवानिवृत्त हुए।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस को लेकर जीएचएमसी में खेल प्रतियोगिताएं

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में, महिला कर्मचारियों, महिला सफाई कर्मचारियों, स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों और गैर सरकारी संगठनों ने मंगलवार को जीएचएमसी के सभी क्षेत्रों और मंडलों में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया और सफल रहीं। विक्टोरिया प्ले ग्राउंड में खैरताबाद जोन से जुड़े खेलों का आयोजन किया गया। अपर आयुक्त खेल विजयलक्ष्मी एवं

खेल निदेशक भाषा ने कार्यक्रम में भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किये। अंचल आयुक्त ममता ने कुक्टपल्ली अंचल में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में भाग लिया और विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए. चंदानगर, एलबीनगर जोन, चारमीनार जोन और सिकंदराबाद में आयोजित खेल प्रतियोगिताओं में जीत हासिल करने वाली महिलाओं को पुरस्कार प्रदान किए गए।

सिकंदराबाद-दानापुर के बीच विशेष गाड़ियां

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए दक्षिण मध्य रेलवे ने सिकंदराबाद-दानापुर- सिकंदराबाद के बीच विशेष गाड़ियाँ चलाएगा। दमरे के अनुसार ट्रेन नंबर 03226 सिकंदराबाद-दानापुर 19 व 26 मार्च रविवार को सुबह 10 बजे रवाना होकर सोमवार को शाम 7 बजे दानापुर पहुंचेगी। इसी क्रम में ट्रेन नंबर 03225 दानापुर-सिकंदराबाद 16 और 23 मार्च गुरुवार को रात 8.50 बजे दानापुर से रवाना होकर शनिवार भोर में 4.40 बजे भोर में सिकंदराबाद पहुंचेगी। ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में काजीपेट, पेड्डापल्ली, रामागुंडम, बेलमपल्ली, सिरपुर कागजनगर, बल्हारशाह, नागपुर, इटारसी, जबलपुर, कटनी, सतना, मानिकपुर, प्रयागराज छेवकी, पंडित डीडी उपाध्याय, बक्सर और आरा स्टेशनों पर रुकेंगी। इन विशेष ट्रेनों में एसी II टियर, एसी III टियर, स्लीपर और सामान्य द्वितीय श्रेणी के डिब्बे शामिल हैं

मानू ने व्हाइट नाइल यूनिवर्सिटी, सूडान के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

maanu

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मौलाना आज़ाद नेशनल उर्दू यूनिवर्सिटी (मानू) ने आज व्हाइट नाइल यूनिवर्सिटी (डब्लूएनयू), कोस्ती, सूडान के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी शैक्षणिक, अनुसंधान और विकासात्मक गतिविधियों को मजबूत करने, बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए एक समझौता ज्ञापन में प्रवेश किया। व्हाइट नाइल विश्वविद्यालय, 1999 में स्थापित, एक उच्च शिक्षा संस्थान जिसे आधिकारिक तौर पर सूडान के उच्च शिक्षा और वैज्ञानिक अनुसंधान मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त है। एमओयू पर प्रो सिद्दीकी मोहम्मद ने महमूद, ओएसडी II और रजिस्ट्रार प्रभारी, एमएएनयूयू और प्रोफेसर समानी अब्देलमुतालिब अहमद, न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष, डब्ल्यूएनयू, प्रोफेसर एल्शज़ाली ईसा हमद, कुलपति, डब्ल्यूएनयू और प्रोफेसर शुगुफ्ता शाहीन, ओएसडी-I की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए। प्रो ईसा हमद और प्रो सिद्दीकी मोहम्मद महमूद ने इस अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त की और एमओयू के लिए एमएएनयूयू के कुलपति प्रोफेसर सैयद ऐनुल हसन को धन्यवाद दिया। प्रोफेसर सैयद अलीम अशरफ जायसी, डीन, छात्र कल्याण ने उपस्थित लोगों का स्वागत किया। समझौता ज्ञापन पांच साल की अवधि के लिए लागू रहेगा। दोनों विश्वविद्यालय आपसी हित के क्षेत्रों में शिक्षण और अनुसंधान की गतिविधियों, ऑनलाइन कार्यक्रमों, संयुक्त पर्यवेक्षणों को बढ़ावा देने, संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं, सम्मेलनों और अध्ययन के संयुक्त पाठ्यक्रमों से संबंधित संकाय और छात्रों के आदान-प्रदान पर सहमत हुए। प्रो. फरीदा सिद्दीकी, डीन, स्कूल ऑफ आर्ट्स एंड सोशल साइसेज, प्रो. बदीउद्दीन अहमद, डीन, स्कूल ऑफ कॉमर्स एंड बिजनेस मैनेजमेंट, प्रो. मोहम्मद फरियाद, डीन, स्कूल ऑफ एमसीजे, प्रो. शकील अहमद, स्कूल ऑफ साइंसेज और डीएसडब्ल्यू टीम प्रोफेसर मोहम्मद अब्दुल सामी सिद्दीकी, संयुक्त डीन, डॉ जमील अहमद और सुश्री इस्मत फातिमा, सहायक डीन, हक मोहम्मद, दुबई में डब्ल्यूएनयू के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

वाईएसआरटीपी प्रमुख वाईएस शर्मिला को दिल्ली में गिरफ्तार किया गया

नई दिल्ली, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआरटीपी प्रमुख वाईएस शर्मिला को मंगलवार को पुलिस ने जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकालने की कोशिश के बाद गिरफ्तार कर लिया और दिल्ली के संसद थाने ले जाया गया। हिरासत में लिए जाने से पहले शर्मिला ने पार्टी नेताओं के साथ धरना दिया और केसीआर और बीआरएस सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। अपने विरोध प्रदर्शन के दौरान, वाईएस शर्मिला ने मांग की कि कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना में बीआरएस सरकार द्वारा कथित भ्रष्टाचार की स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए तेलंगाना में राष्ट्रपति शासन लगाया जाए। शर्मिला ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को संसद और जनता के ध्यान में लाने के लिए दिल्ली की यात्रा की क्योंकि परियोजना का वित्तपोषण केंद्रीय एजेंसियों द्वारा प्रदान किए गए ऋण से आया था, और इसमें भारतीय नागरिकों का पैसा शामिल था। शर्मिला ने यह भी आरोप लगाया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर ने परियोजना की लागत को 46,000 करोड़ रुपये के मूल अनुमान से तीन गुना कर दिया, जब उनके दिवंगत पिता वाईएस राजशेखर रेड्डी संयुक्त आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 18 लाख एकड़ में सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कालसेवरम परियोजना का निर्माण किया, लेकिन केवल 1.5 लाख एकड़ में ही पानी उपलब्ध कराया।

पुलिस ने किशोर के माता-पिता का पता लगाने के प्रयास शुरू किए

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में सरकारी बाल गृह में रह रहा है हैदराबाद का किशोर

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर प्रदेश के लखनऊ में सरकारी बाल गृह में रह रहे एक किशोर के माता-पिता का पता लगाने के लिए हैदराबाद पुलिस ने पूरे प्रयास शुरू कर दिए हैं। फैयाज (14) कथित तौर पर करीब आठ से दस साल पहले अपना घर छोड़कर हैदराबाद के एक रेलवे स्टेशन से ट्रेन में चढ़ा और किसी तरह लखनऊ पहुंचा।

पुलिस का कहना है कि लड़का लखनऊ शहर से अपरिचित था और इधर-उधर भटक रहा था, हमें संदेह है कि या तो स्थानीय पुलिस या किसी अच्छे संस्था ने उसे सरकारी आश्रय में स्थानांतरित कर दिया होगा और तब से बच्चा वहीं रह रहा था।" बच्चा याद कर बता रहा है कि वह हैदराबाद में रेलवे ट्रैक के पास स्थित एक घर में रहता था और पास में एक बड़ा नाला था। उनके पिता हाशम मोबाइल फोन की बिक्री और मरम्मत का काम करते थे। हमें लगता है कि लड़का लगभग पाँच या छह साल का था जब वह लापता हो गया था। साथ ही हम किशोर के माता-पिता का पता लगाने और उन्हें उनके साथ फिर से मिलाने के लिए पिछले वर्षों में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट/शिकायतों की जाँच कर रहे हैं।

लखनऊ में सरकारी बाल गृह के अधिकारियों ने हैदराबाद पुलिस को सूचित किया और लड़के द्वारा प्रदान की गई जानकारी साझा की। जानकारी के आधार पर पुलिस माता-पिता का पता लगाने का प्रयास कर रही है। पुलिस को संदेह है कि बच्चा शहर में रेलवे स्टेशनों के दोनों ओर स्थित कॉलोनियों का निवासी हो सकता है।

एसएटीएस की समीक्षा बैठक में कई मामलों पर चर्चा

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य खेल प्राधिकरण (एसएटीएस) द्वारा डॉ. आंजनेय गौड़ की अध्यक्षता में की जा रही विभिन्न गतिविधियों पर आज एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। स्पोर्ट्स अथॉरिटी कांफ्रेंस हॉल एलबी स्टेडियम में आयोजित इस कार्यक्रम में संदीप कुमार सुल्तानिया, प्रमुख सचिव, खेल, युवा विकास, पर्यटन, उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक और अन्य अधिकारी शामिल हुए। इस बैठक में खेल प्राधिकरण के अधिकार क्षेत्र में आने वाले स्टेडियमों, उनके प्रबंधन, जिला युवा विकास एवं खेल कल्याण अधिकारियों की कार्यशैली, जिलों में चलाये जाने वाले खेल विकास कार्यक्रमों, खेल विद्यालयों एवं अकादमियों में किये जाने वाले विभिन्न कार्यक्रमों पर चर्चा की गयी. इस समीक्षा बैठक में खेल मंत्री वी. बैठक में श्रीनिवास गौड के मार्गदर्शन में खेलों के कल्याण के लिए चलाए जाने वाले कार्यक्रमों पर चर्चा की गई। इस समीक्षा बैठक में आगामी ग्रीष्मकाल में आयोजित होने वाले खेल प्रशिक्षण शिविरों, खेल प्रशिक्षकों एवं खिलाड़ियों के लिए विभिन्न सुविधाओं के प्रावधान पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में उप निदेशक सुजाता, धनलक्ष्मी, अनुराधा, चंद्र रेड्डी, स्टेडियम प्रशासक, जी रविंदर, सुधाकर राव, वेंकटेश्वर राव, गोकुल, रवि, सत्यवानी और अन्य ने भाग लिया।

पुलिस कांस्टेबल लापता

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के निर्मल जिले में खानापुर थाने में कार्यरत एक सिपाही 9 फरवरी से लापता बताया जा रहा है। खानापुर के सब-इंस्पेक्टर आर शंकर ने कहा कि खानापुर पुलिस स्टेशन के एक कोर्ट ड्यूटी अधिकारी कांस्टेबल जी भीमेश 9 फरवरी को निर्मल में कोर्ट ड्यूटी में शामिल होने के बाद से घर नहीं लौटे। उसके परिजनों ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। गुमशुदगी का मामला दर्ज किया गया था। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि उसके मोबाइल फोन को ट्रैक किया जा रहा है।

दिल्ली में महिला आरक्षण विधेयक पर भारत जागृति गोलमेज आज

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। संसद के आगामी सत्र में महिला आरक्षण विधेयक पेश करने की मांग को लेकर जंतर-मंतर पर विरोध प्रदर्शन के बाद भारत जागृति बुधवार को नई दिल्ली में एक गोलमेज वार्ता आयोजित करेगी। गोलमेज सम्मेलन की अध्यक्षता बीआरएस एमएलसी करेंगी। दोपहर 3 से 5 बजे के बीच नई दिल्ली के होटल ले मेरिडियन में के कविता द्वारा विभिन्न राजनीतिक दलों, नागरिक समाजों, महिला संगठनों और अन्य राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की जाएगी। लंबे समय से लंबित महिला आरक्षण विधेयक को पारित कराने की मांग को लेकर देश का ध्यान आकर्षित करने के लिए भारत जागृति ने 10 मार्च को जंतर-मंतर पर एक विशाल दिन भर की भूख हड़ताल का आयोजन किया था। नागरिक और महिला संगठनों के साथ लगभग 12 विपक्षी दलों ने इस कारण के लिए अपना समर्थन दिया। उन्होंने महिला आरक्षण विधेयक को साकार करने के लिए मिलकर लड़ने की कसम खाई।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, NILOUFER BANU, R/o, 18-1-417/3/9, Phool Bagh, Bandlaguda, Chandrayangutta, Hyd-05, changed name as NILOFER BANU W/o MOHAMMED GHOUSE UDDIN

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

सूर्यान्श सिंह
माता : दीपिका सिंह
पिता : नंन्द किशोर सिंह

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया Union Bank of India
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking
क्षेत्रीय कार्यालय-कोल्लम
द्वितीय तल, बीएसएनएल टेलिफोन एक्स्चेंज, चिन्नक्कडा, कोल्लम -691001
15.03.2023
पट्टे के आधार पर परिसर की आवश्यकता
यूनियन बैंक ऑफ इंडिया को पट्टे के आधार पर **कोल्लम शहर के चिन्नकडा** में **1500 वर्ग क्षेत्र** में **± 10% कार्पेट क्षेत्र** के साथ अच्छी तरह से निर्मित वाणिज्यिक परिसर,अधिमानतः **चिन्नकडा ट्राफिक सर्कल से 2 किलोमीटर के अंदर न्यूनतम 4 कार पार्किंग के साथ तैयार / निर्माणाधीन परिसर** की आवश्यकता है । परिसर में बैंक नीतियों के अनुसार भूस्वामि द्वारा आवश्यक सिविल कार्य करके देने की आवश्यकता है। अधिक जानकारी हेतु कृपया बैंक के वेबसाईट www.unionbankofindia.com/ e-Procurement portal etenders.gov.in/. देखें। निर्धारित फार्मेट में बोलियों की प्रस्तुति हेतु अंतिम तारीख **04.04.2023 अपराह्न 3.00 बजे** तक हैं।
बैंक बिना कोई कारण बताए प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।
सहायक महा प्रबंधक

इधर लालू परिवार के यहां ईडी का छापा, उधर दिल्ली मिशन के लिए नीतीश बना रहे दूसरा प्लान!

पटना, 14 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में इन दिनों सियासी घमासान मचा हुआ है. आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के रेल मंत्री रहते हुए नौकरी के बदले जमीन लेने के मामले में एक तरफ ईडी और सीबीआई जांच कर रही है तो वहीं दूसरी ओर तेजस्वी यादव को बिहार का मुख्यमंत्री बनाने का एजेंडा भी ठंडे बस्ते में चला गया है. दूसरी ओर नीतीश कुमार की पार्टी दिल्ली के मिशन को पूरा करने में जुटी है. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने बयान दिया है कि साल 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में उनकी पार्टी यूपी में समाजवादी पार्टी (सपा) के साथ गठबंधन कर मैदान में उतरेगी. ऐसे में चर्चा है कि क्या नीतीश कुमार दिल्ली के लिए हर तरह के प्लान बनाने में जुटे हैं. पॉलिटिकल एक्सपर्ट और बयानों से मायने समझें. जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह रविवार को उत्तर प्रदेश के लखनऊ में अपनी राजनीति चमकाते दिखे. ललन सिंह महिला दिवस और होली मिलन के संयुक्त समारोह के कार्यक्रम में पहुंचे थे. उन्होंने अपने भाषण के दौरान कहा कि आगामी 2024 के लोकसभा चुनाव में जेडीयू उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ेगी. हालांकि उत्तर प्रदेश में अभी तक जेडीयू का खाता भी नहीं खुला है लेकिन उत्तर प्रदेश में पिछड़ा समाज की बात करें तो लगभग छह फीसद कुर्मी जाति है. नीतीश कुमार कुर्मी समाज के बड़े नेता माने जाते हैं. ऐसे में ललन सिंह ने एक पासा फेंका है हालांकि इस पर समाजवादी पार्टी की ओर से कोई बयान नहीं आया है.

नीतीश कुमार ने छापेमारी पर क्या कहा?

दिल्ली में जब लालू परिवार के यहां ईडी की छापेमारी हो रही थी तो बीते शनिवार को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार में बयान दे रहे थे. हालांकि शुरुआत में उनका कोई बयान नहीं आ रहा था. इसको लेकर भी तरह-तरह की चर्चा हो रही थी. ऐसे में जब मीडिया ने सवाल किया तो नीतीश कुमार ने कहा कि यह छापा तो पहले से होता आ रहा है. 2017 में जब आरजेडी के साथ वह गए उस वक्त भी छापेमारी हुई थी. अब पांच साल बाद इनके साथ आया हूं तो छापेमारी हो रही है. क्या कुछ होता है यह देखिएगा. यह लोग भी अपना जवाब दे रहे हैं.

छापेमारी से खुश हैं नीतीश कुमारः सुशील मोदी

बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने शनिवार को ही बयान दिया था कि लालू परिवार के यहां छापे से मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बहुत खुश हैं. ताजा कार्रवाई से तेजस्वी यादव को सीएम बनाने का दबाव टल चुका है. ललन सिंह जांच में तेजी और जल्द सजा दिलाना चाहते हैं. अगर आरजेडी नेताओं को सजा हुई तो 2025 तक नीतीश कुमार राज करेंगे.

जानिए क्या कहते हैं राजनीतिक जानकार

लालू परिवार के घर ईडी की छापेमारी और राजनीतिक चर्चाओं के बीच जेडीयू का बदला-बदला रुख क्या संकेत दे रहा है? ललन सिंह के यूपी में दिए गए बयान के क्या मायने हैं? ऐसे तमाम सवालों को लेकर बिहार की राजनीति के जानकार और वरिष्ठ पत्रकार अरुण पांडेय कहते हैं कि बात सही है कि जिस तरह तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने का दबाव चल रहा था उस पर अब विराम लग गया है लेकिन अभी आरजेडी और जेडीयू दोनों मजबूरी में है. क्योंकि नौकरी के बदले जमीन मामले में सीबीआई को कागजात ललन सिंह और शरद यादव ने ही सौंपा था. अरुण पांडेय कहते हैं कि 2017 में नीतीश कुमार अपराध पर जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं और उसी पर 2017 में आरजेडी से अलग हुए थे. अब फिर ईडी कार्रवाई कर रही है तो नीतीश कुमार ने यह तो कहा कि जब जब हम आते हैं तो छापेमारी होती है पहले क्यों नहीं हो रही थी लेकिन उन्होंने यह नहीं कहा कि यह गलत हो रहा है और आरजेडी को फंसाया जा रहा है. नीतीश कुमार की मजबूरी है आरजेडी के साथ रहने की और आरजेडी की भी मजबूरी है क्योंकि सिर पर लोकसभा का चुनाव है.

ललन सिंह के बयान का बहुत मतलब नहीं

जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह के उत्तर प्रदेश में सपा से गठबंधन करने की बात पर अरुण पांडेय ने कहा कि यह कोई बड़ी बात नहीं है. ललन सिंह के बयान के बहुत मतलब नहीं निकाले जा सकते हैं. बिहार में उन्होंने कहा था कि हम गंगा नदी के रास्ते क्रूज को नहीं आने देंगे लेकिन बिहार में आया और उस पर जो कार्यक्रम हुआ उसमें तेजस्वी यादव ने अतिथि के रूप में भाग भी लिया. सबसे बड़ी बात है कि जेडीयू बाकी राज्यों में कमजोर हो रही है. तीन राज्यों के चुनाव में नागालैंड में एक सीट जीत कर पार्टी आई लेकिन वह भी बाद में बीजेपी के समर्थन में चले गए. उत्तर प्रदेश में साथ में चुनाव लड़ती भी पार्टी तो 1-2 सीट आ सकती है. अरुण पांडेय ने कहा कि सबसे बड़ी बात है कि अखिलेश यादव पहले ही अकेले चुनाव लड़ने की बात कर चुके हैं. उन्होंने साफ तौर पर कहा है कि हम कांग्रेस के साथ चुनाव नहीं लड़ेंगे. पहले भी समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में अकेले चुनाव लड़ी है लेकिन कांग्रेस के लिए अमेठी और रायबरेली की सीट गांधी परिवार के लिए छोड़ दिया था लेकिन इस बार अखिलेश यादव ने यह भी एलान किया है कि उन दोनों सीटों पर चुनाव लड़ेगी. अब सवाल उठता है कि जेडीयू बिहार में कांग्रेस के साथ महागठबंधन में है और यूपी में समाजवादी पार्टी कांग्रेस से दूरी बनाकर है.

तो क्या बिहार में कांग्रेस से अलग होकर जेडीयू चुनाव लड़ेगी? नीतीश कुमार बीजेपी के खिलाफ अलग फ्रंट बनाना चाहते हैं जो बिना कांग्रेस के संभव नहीं है. ऐसे में उत्तर प्रदेश में समाजवादी के साथ गठबंधन अगर जेडीयू करती है तो बिहार में क्या करेगी यह बड़ा सवाल है.

सड़क पर चलती महिलाओं-लड़कियों में 'सीरियल किसर' का खौफ! वो अचानक आता है और चूमकर हो जाता है फरार

जमुई, 14 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के जमुई में सड़क पर चलने वाली महिलाओं और लड़कियों को एक डर सता रहा है। यह डर उस 'सीरियल किसर' का है, जिसने आतंक मचा रहा है। यह 'सीरियल किसर' जैसे सड़क पर अंजान महिलाओं और लड़कियों को देखता है, चूमकर फरार हो जाता है। बिहार की जमुई पुलिस 'सीरियल किसर' की तलाश में जुटी हुई है, लेकिन अब तक उसे पकड़ा नहीं जा सका है। ऐसी ही एक घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई, जब एक महिला सदर अस्पताल परिसर के अंदर सेल फोन पर बात कर रही थी और 'सीरियल किसर' पीछे से आया, उसे जबरन चूमा और फरार हो गया।

यूपी में एच3एन2 के मामले बढ़े

स्वास्थ्य विभाग ने जारी की गाइडलाइन

लखनऊ, 14 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में एच3एन2 वायरस के लगातार बढ़ते मामलों के देखते हुए योगी आदित्यनाथ सरकार अलर्ट हो गई है. राज्य सरकार ने जिला अधिकारियों से इन्फ्लूएंजा जैसी बीमारी को लेकर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं. राज्य में बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार के ओर से गाइडलाइन भी जारी की गई है. एच3एन2 इन्फ्लूएंजा के बढ़ते मामलों को देखते हुए प्रदेश में स्वास्थ्य विभाग ने अलर्ट जारी कर दिया है. हर जिले में इसके लिए अलग नोडल अधिकारी नामित किया जाएगा. हर जिला अस्पताल में 10 बेड का आइसोलेशन वार्ड बनेगा. ओपीडी में भी इन्फ्लूएंजा के संदिग्ध मरीजों के लिए अलग कक्ष होगा, ताकि उन्हें अन्य रोगियों के संपर्क में आने से रोका जा सके. बच्चों, बुजुर्गों और गंभीर बीमारी वालों को लेकर विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया है.

इन जिलों में बढ़ रहे मामले

वहीं राज्य में वायरस से संक्रमितों की संख्या अब बढ़ने लगी है. कानपुर में बच्चों पर फ्लू का काफी असर देखा जा रहा है. बीते 24 घंटों में न्यूमोनाइटिस के शिकार आठ बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है.

एलएलबी की पढ़ाई कर रही यूपी की इस लड़की ने की भगवान कृष्ण से शादी

माता-पिता ने किया कन्यादान

औरैया, 14 मार्च (एजेंसियां)। (उत्तर प्रदेश): एक अनोखे विवाह समारोह में औरैया जिले में एक युवती भगवान श्रीकृष्ण के साथ परिणय सूत्र में बंध गई। रिटायर्ड टीचर रंजीत सिंह सोलंकी की बेटी 30 वर्षीया

रक्षा ने स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी कर ली है और एलएलबी कर रही है। रक्षा ने भगवान कृष्ण की मूर्ति के साथ गांठ बांधकर जीवन भर कान्हा से जुड़ी रहने का फैसला किया। भगवान कृष्ण से विवाह करने की उसकी इच्छा को पूरा करते हुए, उसके पिता ने समारोह की व्यवस्था की थी। औरैया के बिधूना कस्बा के भरथना रोड स्थित आवास पर एक ऐसा विवाह संपन्न हुआ, जिसको देखकर हर कोई हैरान रह गया।

ईडी की कार्रवाई पर बोले तेजस्वी

गिरिराज सिंह के घर से जितना रुपया मिला था, उतना भी 24 ठिकानों से नहीं मिला

पटना, 14 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने कहा कि वह भाजपा और केंद्र सरकार की साजिशों के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार हैं। भाजपा अदाणी मामले से सबका ध्यान हटाने के लिए विपक्षी नेताओं के खिलाफ केंद्रीय जांच एजेंसियों को हमारे पीछे लगा रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग से कुछ नहीं होगा, हम लड़ेंगे और जीतेंगे। भाजपाइयों के झूठ, अफवाह और फर्जी राजनीतिक मुकदमों से लड़ने के लिए जिगर चाहिए। हमारे पास राजनीतिक जमीन, जिगर और जमीर है। आपके पास छलबल और धनबल है तो हमारे पास जनबल है। तेजस्वी यादव ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि भाजपा के पास राज्य में राजनीतिक जमीन, चेहरा और वोट नहीं है। इसलिए वो संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग कर रहे है। हम फर्जी इंटायर पॉलिटिकल साइंस वाले नहीं हैं। रियल पब्लिक साइंस वाले समाजवादी लोग हैं, जिस दिन हमारी सरकार बनी, हमने कह दिया था कि अब उनकी छापेमारी चलेगी। तेजस्वी ने कहा कि महागठबंधन की पूर्णिया रैली के बाद से भाजपा की नींद हराम हो चुकी है। उसके बाद ही हमसे जुड़ी 24 जगहों पर छापेमारी की गई। अकेले केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह के घर पर जितना रुपया बरामद हुआ था, उतना भी 24 स्थानों पर नहीं मिला। कर्नाटक के भाजपा विधायक के घर आठ करोड़ रुपये मिले। आयकर, सीबीआई और इडी की टीम अभी तक वहां नहीं पहुंची है। तेजस्वी ने कहा कि घर में मां-बहन, बेटी मंगलसूत्र, कंगन एवं अन्य आभूषण नहीं पहनती हैं क्या? मेरी जिन बहनों के घर छापेमारी हुई, उनकी शादी आज से 12-15 साल पहले हुई है। उनके घरों में प्रयोग किए गए आभूषणों की फोटो मीडिया को दे रहे है। अपनी मां-बहनों और बेटियों के साथ भी ये लोग ऐसा ही करते है क्या?

अकाल तख्त एक्सप्रेस ट्रेन में टीटी ने महिला यात्री के सिर पर किया पेशाब

लखनऊ, 14 मार्च (एजेंसियां)। पिछले कुछ दिनों में ट्रेन और हवाई यात्राओं के दौरान यात्रियों के साथ बदसलूकी की कई घटनाएं सामने आईं। मंगलवार को भी इसी तरह का एक मामला सामने आया लेकिन यहां बदसलूकी किसी सहयात्री द्वारा नहीं बल्कि ट्रेन के ही टीटी द्वारा की गई। घटना अमृतसर से कोलकाता जा रही अकाल तख्त एक्सप्रेस की है। ट्रेन में मौजूद टीटी ने एक महिला के सिर पर पेशाब कर दिया, जिसके बाद जमकर हंगामा हुआ। लखनऊ जीआरपी एसएचओ के अनुसार राजेश अपनी पत्नी के साथ ए-1 कोच में सफर कर रहे थे। रात के करीब 12 बजे लगभग सभी यात्री सो गए थे, राजेश की पत्नी भी अपनी सीट पर सो रही थीं, आरोप है कि तभी टीटी मुन्ना कुमार ने उनके ऊपर पेशाब कर दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, टीटी मुन्ना कुमार, बिहार का है, जिसे महिला की शिकायत के बाद गिरफ्तार कर लिया गया है।

रणदीप सुरजेवाला के खिलाफ गैर जमानती गिरफ्तारी वारंट जारी

मुकदमे में हाजिर न होने पर कोर्ट ने अपनाया सख्त रुख

वाराणसी, 14 मार्च (एजेंसियां)। आयुक्त कार्यालय में विरोध प्रदर्शन और सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने के 23 साल पुराने मामले में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रणदीप सुरजेवाला के खिलाफ कोर्ट ने सख्त रुख अपना लिया है। विशेष न्यायाधीश (एमपी-एमएलए) अवनीश गौतम की अदालत ने मुकदमे की सुनवाई में उपस्थित न होने पर सोमवार को उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी कर दिया। साथ ही अन्य आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करते हुए मुकदमे की सुनवाई के

लिए 18 मार्च की तारीख तय की है। बहुचर्चित संवासिनी कांड में कांग्रेस नेताओं को फर्जी ढंग से आरोपित बनाए जाने के विरोध में 21 अगस्त 2000 को भारतीय युवा कांग्रेस के तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष रणदीप सुरजेवाला, प्रदेश अध्यक्ष एसपी गोस्वामी के नेतृत्व में पार्टी कार्यकर्ताओं ने आयुक्त कार्यालय परिसर में जबरदस्ती घुसकर तोड़फोड़ और हंगामा किया था। पुलिस ने मौके से सुरजेवाला, गोस्वामी आदि को गिरफ्तार किया था। मामले में सोमवार को आरोप तय किए जाने को लेकर सुनवाई होनी थी। सुरजेवाला की ओर से संसद की कार्यवाही का हवाला देते हुए कोर्ट से कोई अन्य तारीख देने की अपील की गई। अदालत ने उनके प्रार्थना पत्र को निरस्त करते हुए कहा कि आरोपितों को व्यक्तिगत उपस्थिति का अंतिम अवसर प्रदान किया जा चुका है।

राम मंदिर के लिए नकद चंदे में तीन गुना वृद्धि

अयोध्या, 14 मार्च (एजेंसियां)। अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण के लिए दिए जाने वाले नकद चंदे में तीन गुना वृद्धि हुई है. श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. उन्होंने बताया कि राम जन्मभूमि आ रहे श्रद्धालु भारी मात्रा में नकद दान दे रहे हैं. ट्रस्ट के कार्यालय प्रभारी प्रकाश गुप्ता ने बताया कि दानपात्र से निकलने वाले करेंसी नोट की गिनती और उन्हें जमा करने के लिए नियुक्त किए गए बैंक अधिकारियों ने ट्रस्ट को बताया है कि दान की राशि में पहले के मुकाबले तीन गुना वृद्धि हुई है. उन्होंने बताया कि अब एक बार में दानपात्र से निकाली जाने वाली धनराशि की गिनती करने में 15 दिन लगते हैं.

बिहार में बूंदाबांदी के आसार

पटना, 14 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के मौसम में बदलाव होने वाला है. कहीं बूंदाबांदी के आसार दिख रहे हैं तो कहीं बादल छाए रहेंगे. मौसम विभाग की ओर से इस संबंध में जानकारी दी गई है. बूंदाबांदी के साथ ही कुछ जिलों में बिजली भी चमक सकती है. इसको लेकर सतर्क रहने के लिए कहा गया है.

राजधानी पटना समेत प्रदेश के मौसम में अगले पांच दिनों तक बदलाव देखने को मिलेगा. प्रदेश में पछुआ हवा की गति में कमी आने के साथ एक पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से मौसम में बदलाव की स्थिति बनी रहेगी. जानिए राज्य में कैसा रहने वाला है मौसम.

बुधवार को बिहार के कई जिलों में मौसम बदला-बदला सा दिख सकता है. कई जिलों में बूंदाबांदी के आसार हैं. बिजली चमक सकती है. प्रदेश के उत्तर पूर्व भागों के सुपौल, मधेपुरा, किशनगंज, अररिया, सहरसा, पूर्णिया, कटिहार और दक्षिण पूर्व भागों के भागलपुर, बांका, जमुई, मुंगेर, खगड़िया में बिजली चमकने के साथ हल्की बारिश की संभावना है. इसके अलावा बुधवार से शुक्रवार तक के मौसम की बात करें तो पटना समेत गया, नालंदा, शेखपुरा, नवादा, जहानाबाद, लखीसराय, बेगूसराय में हल्की वर्षा की संभावना है.

सपा गठबंधन में कितनी एकता

अलग संकेत दे रहे हैं जयंत चौधरी और अखिलेश यादव के बयान, क्या होगी बीजेपी की चुनौती?

लखनऊ, 14 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव में अभी करीब एक साल का वक्त बाकी है लेकिन इससे पहले राज्य में गठबंधन को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है. बीजेपी समाजवादी पार्टी और बीएसपी को लेकर चुनाव से पहले गठबंधन की तमाम चर्चाएं चल रही हैं. लेकिन इस बीच अखिलेश यादव और जंयत चौधरी के बयान ने राज्य में सियासी हलचलों को तेज कर दिया है. बीते दिनों अखिलेश यादव ने अपने बयान में कहा था, अब सपा यूपी में लोकसभा चुनाव से पहले किसी और दल के साथ गठबंधन नहीं करेगी.

इसके कुछ दिन बाद उन्होंने फिर अपने बयान में कहा, समाजवादी पार्टी और गठबंधन मिलकर 80 की 80 सीटे लड़ेगा. अभी बीजेपी ने हार देखी है मैनपुरी में जिसका आकलन नहीं कर पाए हैं. लेकिन अब आरएलडी प्रमुख जयंत चौधरी ने एक ऐसा बयान दिया जिसके बाद सपा गठबंधन की

एकता पर सवाल खड़े हो गए.

क्या बोले आरएलडी प्रमुख?

दरअसल, जयंत चौधरी ने कहा है, यूपी में बीजेपी के खिलाफ गठबंधन में हमारी कोशिश रहेगी कि कुछ और दल साथ जुड़ें. कांग्रेस के साथ गठबंधन पर आरएलडी प्रमुख ने कहा, देश भर में विपक्षी एकता होनी चाहिए. यूपी में बीजेपी को हराने के लिए ब्लू प्रिंट भी है और जमीन पर भी हमारी रणनीति है. जब उनसे सीटों को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, अभी सीट को लेकर कोई बात नहीं हुई है. सभी सीटों पर हमारा गठबंधन है. हालांकि ये पहला मौका नहीं था, इससे पहले जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने भी यूपी में गठबंधन के संकेत दिए थे. उन्होंने कहा था कि यूपी में सपा के साथ गठबंधन हो सकता है. ऐसे में सवाल उठने लगा है कि जयंत चौधरी और अखिलेश यादव के बयान क्या संकेत दे रहे हैं? ऐसे में बीजेपी के खिलाफ राज्य में गठबंधन को लेकर कई कयास अभी भी लगाए जा रहे हैं.

पंजाब की कंपनी में हुआ विस्फोट

पूर्णिया के 2 मजदूर की मौत एक घायल

पूर्णिया, 14 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के पूर्णिया के तीन मजदूर पंजाब में हादसे का शिकार हो गए हैं. पंजाब के गोविंदपुर में एक कंपनी में अचानक हुए विस्फोट की चपेट में आने से पूर्णिया के 2 मजदूर की मौत हो गई वहीं एक मजदूर बुरी तरह जख्मी हो गया है. मृतक की पहचान रुपौली थाना क्षेत्र के टीकापट्टी पांचू टोला निवासी चंदन शर्मा के रूप में हुई है. वहीं दूसरे मृतक का नाम मोधी मंडल है. जैसे ही इनके मौत की खबर मिली, पूरे इलाके में मातम छा गया. मृतक के परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है. पूर्णिया के दर्जनों मजदूर पंजाब में कर रहे मजदूरी घटना की जानकारी हादसे में झुलसे मनजीत मंडल की पत्नी अलका देवी ने फोन से

परिजनों को दी. बताया जा रहा है कि पूर्णिया के रूपौली थाना क्षेत्र के दर्जनों मजदूर पंजाब में मजदूरी करते हैं. मृतक चंद्र शर्मा के पिता मंत्र लाल मंडल को जैसे ही पुत्र की मौत की जानकारी मिली परिजनों पर कहर टूट पड़ा. चंदन अपने परिवार का इकलौता पुत्र था जो प्रदेश में मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण कर रहा था. बेटे के शव के आने का इंतजार घटना की जानकारी मिलते हैं इलाके के लोग मृतक के घर पहुंच कर परिवार वाले को सांतवना देते दिखे.

वहीं मृतक मोधी मंडल के भाई भी उसी फैक्ट्री में काम करते थे जिनका दूसरा शिफ्ट था, जिस वजह से वो घर पर ही थे. अगर साथ में दोनों की ड्यूटी होती तो परिवार वालों का कोई सहारा नहीं बचता और एक ही आंगन से दो भाई का अर्थी उठती. घटना के बाद से मृतक के परिवार का रो-रो कर बुरा हाल है. परिजन अपने बेटे के शव के आने का इंतजार कर रहे हैं. विस्फोट किस वजह से हुई है इसका अभी कुछ पता नहीं चल सका है.

राजू पाल हत्याकांड में गवाह सपा विधायक को मिलेगी स्थाई सुरक्षा

सीबीआई कोर्ट ने दिए निर्देश

लखनऊ, 14 मार्च (एजेंसियां)। हत्याकांड समाजवादी पार्टी की विधायक पूजा पाल को सीबीआई कोर्ट ने स्थाई सुरक्षा देने के निर्देश दिए हैं. पूजा पाल ने अपनी सुरक्षा को लेकर सीबीआई कोर्ट में अर्जी लगाई थी. राजू पाल हत्याकांड में पूजा गवाह हैं. कोर्ट ने अफसरों से गवाहों की सुरक्षा को लेकर जवाब तलब किया है. अदालत ने उनकी सुरक्षा की मांग वाली अर्जी मंजूर कर ली. उनको सुरक्षा नहीं देने पर कोर्ट ने नाराजगी जताई है और पुलिस से जवाब तलब किया है. बता दें कि पूजा पाल, राजू पाल की पत्नी हैं. उनकी अर्जी पर सीबीआई की विशेष न्यायधीश कविता मिश्रा ने यह आदेश दिया है. उन्होंने कहा कि पूजा को पूरी सुरक्षा दी जाए. वहीं मामले की अगली सुनवाई 17 मार्च को होनी है. सुनवाई के दौरान पर्याप्त सुरक्षा नहीं होने की वजह से एक गवाह कोर्ट में पेश नहीं हो सका. कोर्ट ने कहा कि गवाहों की सुरक्षा के लिए पहले भी पत्र लिखकर कहा गया है. पूजा पाल की सुरक्षा के लिए दी गयी अर्जी में वकील ने बताया कि पूजा मुकदमे की पैरवी कर रही हैं, इसलिए उन्हें आरोपियों से जान का खतरा है. उन्होंने उमेश पाल हत्याकांड का जिक्र करते हुए कहा कि अतीक अहमद और अशरफ समेत इस घटना के अन्य आरोपियों का भी लंबा आपराधिक इतिहास है.

राजू पाल की हो चुकी है हत्या

बता दें कि पिछले महीने यानी 24 फरवरी को राजू पाल हत्याकांड के गवाह उमेश पाल की गोली मारकर हत्या कर दी गयी थी. इस वारदात के बाद से यूपी पुलिस दो आरोपियों का एनकाउंटर कर चुकी है. अतीक अहमद और उसके परिवार पर पुलिस का शिकंजा लगातार कसता जा रहा है. बता दें कि उमेश पाल हत्याकांड में पांच आरोपियों पर घोषित इनाम की राशि बढ़ाकर पांच लाख रुपये कर दी गयी है. सभी आरोपी प्रयागराज के रहने वाले हैं. उमेश पाल की हत्या के बाद पूजा पाल के घर पर सुरक्षा के लिए दो पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे. 2005 में बसपा विधायक राजू पाल की प्रयागराज में हत्या कर दी गयी थी.

एकतरफा प्यार में छात्रा के भाई, टीचर को गोली मारी

मुरैना, 14 मार्च (एजेंसियां)। मुरैना में 37 साल के युवक ने 14 साल की छात्रा से एकतरफा प्यार में उसके भाई और स्कूल टीचर को गोली मार दी। दोनों घायल हैं। आरोपी घटना के बाद से फरार है। शहर के शासकीय मिडिल स्कूल क्रमांक-4 की छुट्टी होने के बाद छात्र-छात्राएं स्कूल से बाहर निकल रहे थे। इसी दौरान आरोपी मुकेश रजक वहां पहुंचा। वह हाथ में एक झोला लिए था। उसने छात्रा का नाम लेकर जोर से कहा- मेरी प्रेमिका की बेइज्जती किसने की? इतने में स्कूल के हेडमास्टर और शिक्षक बाहर निकल कर आ गए। उससे पूछा कि क्या हुआ? इतना सुनते ही आरोपी ने झोले में से कट्टा निकाला। टीचर हरीचंद्र शर्मा पर गोली चला दी। गोली उनके सीनें में बाईं तरफ लगी। इससे मौके पर भगदड़ मच गई। इस घटना से पहले युवक स्टेशन रोड थानाक्षेत्र के तुस्सीपुरा में गया और वहां पर खेल रहे छात्रा के भाई को गोली मारी। परिवार के लोग घायल को जिला अस्पताल ले गए। टीचर को भी जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां से टीचर को ग्वालियर रेफर कर दिया गया।

ड्रम में मिली महिला की लाश, ऑटो रिक्शा से आए थे अपराधी

बेंगलुरु, 14 मार्च (एजेंसियां)। बेंगलुरु के ब्यपनहल्ली रेलवे स्टेशन पर ड्रम में एक महिला की लाश मिली है. अपराधी ऑटो रिक्शा में शव ड्रम में लेकर आये और वहां छोड़ कर भाग गए. महिला की उम्र 31-35 साल के बीच बताई जा रही है. पुलिस अब उन लोगों की तलाश में जुट गई है, जो ऑटो रिक्शा में आए और ड्रम को छोड़ गए. अब तक उसकी शिनाख्त नहीं हो पाई है. रात की बताई जा रही है. इससे पहले इसी साल जनवरी में एक महिला की लाश यशवंतपुर रेलवे स्टशन पर इसी तरह ड्रम में मिली थी. जांच में पता चला कि मचलिपत्तिनम से ट्रेन में लाश लाई गई थी. रेलवे स्टेशन पर मिली महिला के शव के मामले में जांच पड़ताल में जुटी है. पुलिस मामले को लेकर कुछ भी कहने से इनकार कर रही है. इससे पहले भी कई ऐसी घटनाएं सामने आ चुकी हैं. हालांकि, ये घटनाएं आपस में जुड़ी हुई हैं या नहीं, इस सवाल के जवाब में भी पुलिस ने कुछ कहने से इनकार कर दिया.

समंदर में चीन के दबदबे को कुचलेगी इंडियन नेवी

न्यूक्लियर हमला करने वाली मेड इन इंडिया पनडुब्बी खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय नौसेना फ्रांस के सहयोग से बन रही तीन डीजल संचालित हमलावर पनडुब्बियों को खरीदने की तैयारी कर रही है. इसके लिए जल्द ही नौसेना रक्षा अधिग्रहण परिषद से संपर्क कर सकती है. एयर इंडिपेंडेंट संचालित (एआईपी) इन पनडुब्बियों का निर्माण मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में होना है. जानकारी के मुताबिक, भारतीय नौसेना की खास जरूरतों के आधार पर तीन एआईपी पनडुब्बियों के निर्माण का ठेका एमडीएल को दिया जाएगा. एमडीएल ने भारतीय नौसेना के लिए फ्रेंच स्कॉर्पीन आधारित छह कलवेरी वर्ग की पनडुब्बियों का निर्माण पहले ही कर लिया है. वहीं, आईएनएस वाग्शीर को मार्च 2024 से पहले नौसेना में शामिल किए जाने की उम्मीद है.

डीआरडीओ करेगा विकसित

तीन पनडुब्बियों में लगे एआईपी को डीआरडीओ द्वारा विकसित किया जाएगा. फ्रांसीसी नौसेना समूह इसका परीक्षण करेगा. परीक्षण के बाद इस एआईपी को पनडुब्बियों में लगाया जाएगा. फ्रांस के सहयोग से भारत तीन परमाणु-संचालित पारंपरिक हथियार-सशस्त्र पनडुब्बियों के साथ अपने पनडुब्बी बेड़े को अपग्रेड करना चाहता है.

चीन है भारत के सामने चुनौती

परमाणु हमला करने वाली पनडुब्बियों को हासिल करने के फैसले में प्रक्रियात्मक समय लग सकता है. भारत ने रूस के साथ के साथ एक अनुबंध के तहत 2025 में पहले से पट्टे पर आईएनएस चक्र के बदले में एक परमाणु हमला पनडुब्बी मिलने की उम्मीद है. भारत ने रूस के साथ ये डील यूक्रेन युद्ध शुरू होने के काफी पहले की थी. भारत के लिए पड़ोसी चीन समुद्र में भी बड़ी चुनौती है. चीन ने आठ परमाणु बैलेस्टिक मिसाइल पनडुब्बी और 12 शांग और हान श्रेणी की परमाणु संचालित हमलावर पनडुब्बियों के साथ चीन ने अपने सैन्य बेड़े को मजबूती दी है. इस बीच पीपल्स लिबरेशन आर्मी के दो विमान वाहक पोत के साथ तीसरा भी तैयार होने वाला है, जो जल्द ही समुद्र में गश्त शुरू कर सकता है. ऐसे में भारत को भी समुद्र में बड़ी रक्षा तैयारी रखनी होगी.

डीए में बढ़ोतरी की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों को धमकी मिलने के मामले में शिकायत दर्ज

कोलकाता, 14 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल में महंगाई भत्ते (डीए) में बढ़ोतरी की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे सरकारी कर्मचारियों को बम से उड़ाने की धमकी मिलने के सिलसिले में पुलिस में शिकायत दर्ज की गयी है. दरअसल, धर्मतला में विरोध स्थल पर एक पोस्टर चिपका हुआ पाया गया है, जिसमें आंदोलन समाप्त नहीं करने पर प्रदर्शनकारियों को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है. इस पोस्टर में हड़ताल को 'नाटक' करार देते हुए लिखा है, ''इसे बंद करो वरना तुम्हें बम से उड़ा दिया जाएगा.'' मैदान पुलिस थाने के एक अधिकारी ने कहा, ''हमें इस संबंध में शिकायत मिली है और मामले की जांच शुरू कर दी गयी है.'' एक प्रदर्शनकारी ने कहा, ''हम ऐसी धमकियों से डरने वाले नहीं हैं. जब तक राज्य सरकार हमारी मांगें पूरी नहीं करती तब तक हम अपना धरना जारी रखेंगे. इस तरह की धमकियां हमारी एकता को मजबूत करेंगी और हमें अपने अधिकारों के लिए लड़ने में मदद करेंगी.'' मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इस सप्ताह के शुरू में विधानसभा में कहा था कि यदि प्रदर्शनकारी उनका 'सिर कलम' कर दें तो भी वह डीए में वृद्धि की उनकी मांग को पूरा नहीं कर पायेंगी.

बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे पर टोल वसूली के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन, कई हिरासत में लिए गए

बेंगलुरु (कर्नाटक), 14 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस पार्टी और कुछ समर्थक कन्नड़ संगठनों ने बेंगलुरु-मैसूर एक्सप्रेसवे पर टोल को लेकर मंगलवार को प्रदर्शन किया. प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि टोल की बहुत ऊंची दर वसूली जा रही है. जबकि सर्विस रोड का काम पूरा नहीं हुआ है. कन्नड़ समर्थक संगठनों द्वारा विरोध प्रदर्शन के मद्देनजर कनिमिनिके टोल प्लाजा पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया था. शेषगिरिहल्ली टोल प्लाजा पर कांग्रेस के कई कार्यकर्ता भी प्रदर्शन कर रहे थे. जिसके बाद पुलिस ने उन्होंने हिरासत में ले लिया.

महिला ने पार की सारी हदें, 17 लड़कों को रेप के आरोप में फंसाने के लिए की ये घिनौनी हरकत

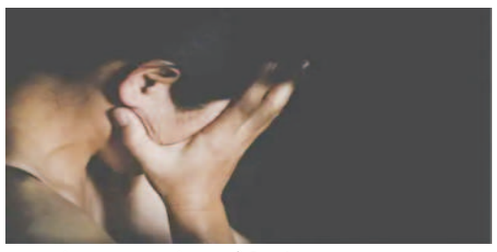

जकार्ता, 14 मार्च (एजेंसियां)। इंडोनेशिया से इंसानियत को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है. यहां एक महिला की घिनौनी हरकत का खुलासा हुआ है, जो उसने 17 लड़कों को रेप के आरोप में फंसाने के लिए की. महिला पर आरोप है कि उसने इन लड़कों को फंसाने के लिए नकली सीमेन का इस्तेमाल किया. रिपोर्ट्स के मुताबिक 25 साल की युआनिता सारी अंगग्रेनी ने 8 से 15 साल की उम्र के लड़कों को रेप के झूठ आरोप में फंसाया. उसने इन पीड़ित बच्चों का शोषण करने से पहले उन्हें अपने प्लेस्टेशन के किराए के बिजनेस का झांसा दिया. पुलिस ने कहा कि युआनिता ने दावा किया था कि 8 लड़कों ने उसके साथ रेप किया था. एक रिपोर्ट के मुताबिक उसने पुलिस को अपने शरीर पर लगी खरोंचें दिखाते हुए कहा कि लड़कों ने उसके साथ जो दरिंदगी की है. उसकी वजह से उसकी ये हालत हुई है. महिला पर आरोप है कि उसने पुलिस को सीमेन का एक नमूना दिया और कहा कि ये उसके साथ रेप करने वाले लड़कों का है. हालांकि पुलिस ने एक बयान जारी कर कर इसे नमूने को गलत बताया. एक्सपर्ट्स का हवाला देते हुए पुलिस ने कहा कि ये सीमेन भी नहीं था. जाम्बी पुलिस प्रमुख ने सीमेन को लेकर कई चौंकाने वाले खुलासे किए. उन्होंने कहा कि सीमेन का नमूना आरोपी लड़कों का नहीं था. ये कोई अन्य तरल पदार्थ था, जिसकी पुष्टि एक एक्सपर्ट ने नमूने का विश्लेषण करने के बात की. पुलिस ने ये भी खुलासा किया कि युआनिता ने शरीर पर जो खरोंच के निशान थे. वो उसने खुद अपने शरीर पर लगाए थे. युआनिता की गिरफ्तारी के बाद उसके पति ने इस बात को स्वीकारा था. युआनिता के पति ने पुलिस को बताया कि उसकी पत्नी ने उसे धमकी दी कि अगर उसने उसके साथ संबंध नहीं बनाए तो वो उनके छोटे बच्चे के टुकड़े कर देगी. पिछली दो रिपोर्टों में दावा किया गया था कि युआनिता ने 12 और 14 साल के दो लड़कों को शारीरिक संबंध बनाने के लिए मजबूर किया. पोजोकसतुआ ने बताया कि उसने दोनों लड़कों को अपने जाल में फंसाने के लिए मोबाइल में पोर्न फिल्में दिखाईं थीं. इडोनेशिया में बाल उत्पीड़न के मामले में 15 साल तक की सजा का प्रावधान है।

कोटकपूरा गोलीकांड

पूर्व सीएम बादल और सुखबीर बादल की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई पूरी, फैसला कल

फरीदकोट, 14 मार्च (एजेंसियां)। कोटकपूरा गोलीकांड मामले में चार्जशीट पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल, पूर्व उप मुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल और तत्कालीन एसएसपी फरीदकोट सुखमंदर सिंह मान की अग्रिम जमानत याचिकाओं पर फरीदकोट की जिला अदालत में मंगलवार को सुनवाई हुई। इस दौरान दोनों पक्षों के वकीलों के बीच ढाई घंटे बहस हुई। इसके बाद अदालत ने फैसले के लिए 15 मार्च की तारीख तय की है। बादल पिता-पुत्र और मान समेत कुल आठ के खिलाफ एडीजीपी एलके यादव की अगुवाई वाली एसआईटी ने पिछले माह 24 फरवरी को 7 हजार पेज की चार्जशीट दाखिल की थी। इस पर अदालत ने उन्हें नोटिस जारी कर 23 मार्च को पेश होने का आदेश दिया था। नोटिस के बाद सुखबीर बादल व प्रकाश सिंह बादल समेत पूर्व एसएसपी मान ने अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी, जिस पर मंगलवार को अतिरिक्त जिला व सेशन जज राजीव कालड़ा की अदालत में सुनवाई हुई।

'मल्टी नेशनल कंपनी में इंजीनियर, करोड़ों की कोठी.' बॉयफ्रेंड संग ड्रग्स बेचते पकड़ी गई लड़की

नोएडा, 14 मार्च (एजेंसियां)। फेज थ्री थाना पुलिस ने सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवती समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है. ये गिरोह पुलिस ने तीनों के पास से एमडीएमए की 289 गोलियां बरामद की हैं. बरामद गोलियों की अनुमानित कीमत करीब 25 लाख नोएडा रुपए है. गिरोह का सरगना समेत तीन आरोपी फरार हैं. पुलिस की टीम उनकी तलाश में जुटी है. आरोपी महिला एक मल्टी नेशनल कंपनी में काम करने वाली पूजा गुप्ता है. साथ ही उसके बॉयफ्रेंड अभिषेक चौहान और पुलकित कपूर को गिरफ्तार किया है. नोएडा सेंट्रल के डीसीपी राम बदन ने बताया कि तीनों आरोपी विदेशी सिंथेटिक ड्रग्स एमडीएमए गोली का इस्तेमाल और सप्लाई करते थे. पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर पूजा गुप्ता की सेक्टर-61 स्थित कोठी में दबिश दी गई. जहां छानबीन के बाद विदेशी ड्रग्स रैकेट का खुलासा हुआ. इस गैंग का सरगना सूर्यांश है,

बेटे की खता-पिता को सजा

2 दिनों तक जकड़कर रखा लड़की के बॉयफ्रेंड का पिता, छूटने के बाद फांसी पर लटका मिला

भोपाल, 14 मार्च (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में तालिबानी सजा देने का एक खौफनाक मामला सामने आया है. प्रेम प्रसंग में बेटी के भाग से नाराज परिजनों ने लड़के के पिता को जमकर प्रताड़ित किया. बुजुर्ग को जंजीरों से जकड़कर पेड़ से बांधा और उसको जमकर पीटा. आरोपियों के चंगुल से छूटने के बाद जब पीड़ित घर पहुंचा तो उसने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली. पुलिस ने इस पूरे मामले में 6 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है. चंदला थाना इलाके की बछौन पुलिस चौकी के पंचमपुर गांव का यह पूरा मामला है. दरअसल, गांव के ऊधा अहिरवार का बेटा शंकर अहिरवार राजस्थान में मजदूरी करता है. वहीं पर छतरपुर जिले के ही पीरा गांव निवासी झंडू अहिरवार की बेटी-दामाद भी मजदूरी करते हैं. झंडू की नातिन से शंकर को प्रेम हो गया. एक माह पहले शंकर किशोरी को भगा ले गया. खबर सुनकर झंडू आग बबूला हो गया और उसने शंकर के पिता ऊधा अहिरवार को उठवा लिया. लड़की के नाना झंडू अहिरवार ने ने लड़केवालों पर दबाव बनाने के लिए कानून अपने हाथ में ले लिया. उसने बुजुर्ग ऊधा को अपने मकान के सामने लोहे की जंजीरों से जकड़कर एक पेड़ से बांध दिया और फिर जमकर मारपीट की. दो दिन तक ऊधा को बांधकर रखा. वहीं, पेड़ से बंधे पति को देख उसकी पत्नी गिड़गिड़ाती रही, छोड़ने की मिन्नतें करती रही, मगर किसी ने रहम नहीं किया. घटना की वायरल वीडियो और फोटोज में जंजीरों से बंधे पति को बेबस पत्नी अपने हाथों से खाना खिलाती नजर आई, क्योंकि पीड़ित के दोनों हाथ और पैर कसकर बंधे हुए थे. मारपीट और प्रताड़ना से ऊधा लगभग अचेत हो चुका था. इसके बाद उसे खोला गया. दो दिन बाद आरेपी की पकड़ से छूटने के बाद ऊधा और उसकी पत्नी जैसे तैसे घर पहुंचे. जिसके बाद किसी काम से पत्नी घर से बाहर निकल आई और जब 15 मिनिट बाद घर पहुंची तो ऊधा अहिरवार फांसी के फंदे पर लटका मिला, जिसके कारण उसकी मौत हो गई. उधर, घटना के करीब 8 दिन बाद पीड़िता सावित्री अपने परिवार और रिश्तेदारों के साथ न्याय की गुहार लगाते हुए एसपी कार्यालय पहुंची. एसपी सचिन शर्मा से मुलाकात करते हुए पीड़ितों ने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की. पुलिस ने इस पूरे मामले में 6 लोगों के खिलाफ हत्या के लिए प्रेरित करने और बंधक बनाने की धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है. साथ ही आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास तेज कर दिए हैं.

चरणजीत सिंह चन्नी का नाम था रेस में आगे लेकिन इस वजह से नहीं मिला टिकट!

जालंधर, 14 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब की जालंधर लोकसभा सीट पर उपचुनाव को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं. कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान इस सीट से सांसद संतोख चौधरी का दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया था. उनके निधन के बाद से जालंधर की लोकसभा सीट खाली थी. ऐसे में यहां से टिकट की रेस में पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी का नाम चर्चाओं में था. लेकिन कांग्रेस आलाकमान ने यहां से चन्नी को टिकट ना देते हुए हुए दिवगंत सांसद संतोख सिंह चौधरी की पत्नी करमजीत कौर को टिकट दिया है. विधानसभा चुनाव में हार के बाद से पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी की मुश्किलें लगातार बढ़ी हैं. जहां कांग्रेस का हार का ठीकरा उनके सिर फोड़ा गया, वहीं लगातार उनकी ही पार्टी के नेताओं ने उनको लेकर सवाल खड़े किए. जिसके बाद चन्नी अमेरिका चले गए और लगभग 9 महीने तक वहीं रहे. जिसके बाद वो लौटे तो अब फिर आय से अधिक संपत्ति के मामले में चर्चाओं में हैं. यहां तक कि पंजाब विजिलेंस ने चन्नी के खिलाफ लुक आउट नोटिस जारी करते हुए उनके विदेश जाने प्रतिबंध लगा दिया. दूसरी ओर पंजाब के सीएम भगवंत मान पर भी उनके खिलाफ सबूतों की बात कही है. सूत्रों का दावा है कि विवादों से घिरे चन्नी को टिकट देकर कांग्रेस फिर विपक्षी पार्टियों के निशाने पर नहीं आना चाहती. जिसके बाद दिवगंत सांसद संतोख सिंह चौधरी की पत्नी करमजीत कौर को टिकट दिया गया है. उन्हें जालंधर लोकसभा सीट उम्मीदवार बनाया गया है.

जम्मू-कश्मीर में एनआईए की कई जगहों पर छापेमारी

आतंकी फंडिंग के खिलाफ एक्शन

जम्मू-कश्मीर, 14 मार्च (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकवाद से जुड़े एक मामले में मंगलवार को कश्मीर में कई जगहों पर छापेमारी की. जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ की सहायता से एनआईए के अधिकारियों ने घाटी के श्रीनगर, पुलवामा, शोपियां, कुलगाम और अनंतनाग जिलों में छापेमारी की. सूत्रों ने कहा कि पिछले साल दर्ज एक मामले में तलाशी की जा रही है, जिसमें विभिन्न अभियुक्त संगठनों और उनके सहयोगियों और ऑफ-शूट के कैडरों और ओजीडब्ल्यू द्वारा विभिन्न छद्म नियमों के तहत संचालित आतंकवादी और विध्वंसक गतिविधियों को अंजाम देने के लिए आपराधिक साजिश रचने का आरोप लगाया गया है.

डिजिटल डिवाइस जब्त

श्रीनगर में, जांच एजेंसी के अधिकारियों ने अब्दुल रशीद तेली के पुत्र जुनैद अहमद तेली के घर पर छापा मारा, जो सलफिया मस्जिद इकबाल कॉलोनी 90 फीट रोड सौरा में अपने भाई के साथ रहता था, जो यारीपोरा कुलगाम का वास्तविक निवासी था. रिपोर्ट के अनुसार टीम ने इस दंगल के दौरान एक सेल फोन जब्त किया है. जांच एजेंसी ने पुलवामा में निलोरा में मोहम्मद अल्ताफ भट के बेटे जीशान अल्ताफ और लिटर में गुलाम हुसैन मलिक के बेटे आरिफ मलिक के घरों की तलाशी ली.

कुलगाम में भी रेड

इसी तरह, कुलगाम में एजेंसी ने यारीपोरा में अल्ताफ अहमद वागे (दूधवाला), हैंगर में फारूक अहमद डार (किसान) और रामपोरा में मारे गए कमांडर अब्बास शेख के भाई अशरफ अहमद शेख के आवास पर छापा मारा. गुलाम कादिर वैद निवासी उबैद अहमद पुत्र माग्रे मोहल्ला अचबल के घर की तलाशी एनआईए के अधिकारियों द्वारा ली जा रही थी. आब के पुत्र गुलाम मोहम्मद भट का निवास स्थान. शोपियां के चेरमार्ग ज़ैनपोरा के निवासी खलील भट्ट और वाची ज़ैनपोरा के निवासी अब्दुल खालिक डार के बेटे अब्दुल कबीर डार की एनआईए की टीमों ने गहन तलाशी ली. इसी तरह जम्मू-कश्मीर के अन्य ठिकानों पर भी छापेमारी जारी है. एक अधिकारी ने कहा कि एनआईए कार्यालय जम्मू में पहले से दर्ज प्राथमिकी संख्या आरसी 5/2022 में दर्ज एक मामले के संबंध में छापेमारी की जा रही है

शिवराज के मंत्री का दिखा गो प्रेम, सरकार से की मांग

सिर्फ गाय पालने वाले को हो चुनाव लड़ने का अधिकार

रतलाम, 14 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के नवीन एवं नवकरणीय ऊर्जा मंत्री हरदीप सिंह डंग जिले में हुए पत्रकारों के एक कार्यक्रम में शामिल हुए. कार्यक्रम के दौरान डंग इतने उत्साहित नजर आए की मंच से सरकार के सामने गोसेवा को लेकर कई तरह की मांगें रख दीं. डंग ने बताया कि मैने इस विषय में विधानसभा में तीन-चार प्रस्ताव भी रखे हैं. दरअसल, हरदीप सिंह डंग कालूखेड़ा के पास सेमलिया स्थित मां अन्नपूर्णा माता मंदिर में आयोजित इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट के 73वें अधिवेशन कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे थे. इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डंग का गो प्रेम साफ नजर आया. मंच से संबोधन के बीच उन्होंने कहा कि सिर्फ गाय पालने वाले को ही चुनाव लड़ने का अधिकार होना चाहिए. हरदीपसिंह डंग ने सबसे पहले गोशाला खोलने का प्रस्ताव रखा था जो कि सरकार द्वारा अमल में लाया गया है. सरकार ने हाल ही में तीन हजार गोशालाएं खोलने की तैयारी शुरू कर दी है. अपनी दूसरी मांग को लेकर उन्होंने कहा कि हर सरकारी कर्मचारी-अधिकारी जिनकी तनख्वाह 25 हजार या उससे अधिक हो, उनसे हर महीने 500 रुपए गोशाला में जमा करवाना अनिवार्य करें. अपनी तीसरी मांग को लेकर डंग ने कहा कि जो किसान गोमाता पालन करे उसी को कृषि भूमि क्रय-विक्रय करने की अनुमति दी जाए.

पुलिस में नवाचार : बेटियों व महिलाओं की सुरक्षा अब होगी मोबाइल एप से

रतलाम, 14 मार्च (एजेंसियां)। रतलाम पुलिस आने वाले दिनों में मोबाइल एप जारी करने वाली है, जिसमें महिलाएं व बेटियां अपने साथ होने वाली छेडख़ानी की जानकारी साझा कर सकेगी. ये एप्लीकेशन उन लोगों के लिए होगा जो पुलिस तक किसी भय के नहीं पहुंच पाती है. पुलिस ने ये निर्णय हाल ही में रतलाम मेडिकल कॉलेज में एक छात्रा के साथ छेडख़ानी की घटना में छात्रा की तरफ से पुलिस को दिए गए आवेदन को वापस लेने के बाद लिया है. मध्यप्रदेश में इस प्रकार का मोबाइल एप बनाने वाला रतलाम पहला जिला होगा. सार्वजनिक स्थान पर महिलाओं व स्कूल से लेकर कॉलेज सहित कामकाजी बेटियों के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं रतलाम में आम हो गई है. शहर के शासकीय कन्या महाविद्यालय, शासकीय कला व विज्ञान महाविद्यालय सहित विभिन्न स्कूलों के बाहर मनचले दिनभर खड़े रहते है. इनको रोकने में पुलिस अब तक कामयाब नहीं हो पाई है. स्वयं पुलिस की महिला विंग ने 30 ऐसे स्थान तलाशे है जहां छेडख़ानी की घटनाएं अधिक होती हैं. इनमें से कुछ स्थान ऐसे थे जहां अंधेरा होने का लाभ अपराधी उठाते रहे, वहां पुलिस ने रोशनी की व्यवस्था कराई.

बना रहे पहली बार एप

रतलाम पुलिस के अनुसार बीते सप्ताह ही रतलाम मेडिकल कॉलेज की एक छात्रा के साथ छेड़छाड़ की गंभीर घटना हुई. इस मामले में अज्ञात दबाव के बाद छात्रा के पुलिस को दिया अपना आवेदन वापस ले लिया. इसके बाद ही पुलिस ने निर्णय लिया है कि इस प्रकार के लोगों की मदद के लिए एप्लीकेशन जरूरी है, जिसमें वे अपने साथ होने वाले गलत काम को बता सकें. इसके लिए ही पुलिस ने अब मध्यप्रदेश में नवाचार करते हुए पुलिस मित्र नाम से एक एप बनाने की शुरुआत की है. इसमें महिलाएं या अन्य कोई भी अपने साथ होने वाली छेडख़ानी के मामलों को बता सकेगा. इसके बाद पुलिस कार्रवाई करेगी.

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 15 मार्च- 2023

भारत को आस्कर सम्मान

अब तक भारतीय सिनेमा की दुनिया में जितनी भी फिल्में बनी हैं उनमें कुछ न कुछ नयापन जरूर रहा है। ये फिल्में देश-विदेश के अलग-अलग मानकों पर खरी भी उतरी हैं। बेहतरीन फिल्म निर्माण के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उन्हें सम्मान भी मिला है। इसके बावजूद यह कहने में कोई संकोच नहीं है कि वैश्विक स्तर पर सिनेमा के सबसे ऊंचा माने जाने वाले आस्कर पुरस्कारों के सवाल पर भारतीय फिल्में कुछ महत्त्वपूर्ण हासिल करने से वंचित रही हैं। लेकिन 95वें अकादमी पुरस्कारों यानी आस्कर में भारत में बनी दो मुख्य कृतियों को जो उपलब्धि मिली है, वह निश्चित रूप से यहां के सिनेमा प्रेमियों के लिए खुश हो कर झूमने का मौका जरूर दे दिया है। बता दें कि इस साल आस्कर जैसे पुरस्कार के लिए भारत की ओर से तीन फिल्मों ने मजबूती से दावा पेश किया था। लेकिन इनमें दक्षिण भारत में बनी फिल्म 'आरआरआर' के एक गीत 'नाटु-नाटु' ने चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। नतीजतन चयनकर्ताओं के सामने ऐसी स्थिति बनी कि उसे सबसे अच्छे मौलिक गीत की कसौटी पर इस श्रेणी के पुरस्कारों के लिए नामांकित बाकी सभी प्रविष्टियों पर भारी पडी। इसलिए पहले ही ही हर जुबान पर चढ़ चुके इस मशहूर गीत 'नाटू-नाटू' को सबसे अच्छी मौलिक प्रस्तुति का पुरस्कार दिया गया। इसके अलावा भारत को दूसरी बड़ी कामयाबी के तहत 'द एलिफेंट विस्पर्स' को सबसे अच्छे लघु वृत्तचित्र का पुरस्कार मिला। इस फिल्म ने इसी श्रेणी में नामांकित 'आल दैट ब्रीद्स' को पीछे धकेलने में कामयाब रही। 'आरआरआर' फिल्म के गीत 'नाटू-नाटू' को मिली कामयाबी के पीछे छिपी अहमियत का अंदाजा इसे देखते-सुनते हुए ही हो जाता है। नृत्य निर्देशन और गीत के शब्दों का संयोजन ऐसा प्रभाव डालता है, जिसे देखते हुए आम दर्शक भी मंत्रमुग्ध हो जाता है। तेलगु के दोनों राज्यों में इस गीत का जादू सिर चढ़ कर बोल रहा है। इस बार खुश होने वाली दूसरी वजह 'द एलिफेंट विस्पर्स' का चुना जाना है, जिसे बेहतरीन लघु वृत्तचित्र की श्रेणी में नामांकित फिल्मों से अच्छा माना गया। खासतौर पर 'स्ट्रेंजर ऐट द गेट' और 'हाउ डू यू मेजर अ ईयर' जैसी प्रविष्टियों के बजाय अगर इसे सर्वश्रेष्ठ माना गया तो इसके आधार हैं। 'द एलिफेंट विस्पर्स' तमिलनाडु के मुदुमलाई बाघ अभयारण्य में हाथी की देखभाल करने वाले एक भारतीय दंपति बोम्मन और बेल्ली के जीवन पर आधारित है, जिसमें कट्टूनायकन समुदाय की जीवन शैली से जुड़े अलग-अलग पहलुओं को बेहतरीन तरीके से फिल्माया गया है। जाहिर है, इन दोनों कृतियों के असर को आस्कर के लिए पात्र मानने वाले चयनकर्ताओं ने भी महसूस किया और उसे इन श्रेणियों में दाखिल अन्य प्रविष्टियों में सबसे बेहतर माना। कुल मिला कर सच तो यही है कि आस्कर 2023 में भारत ने बेहतरीन सिनेमा के मामले में अपने स्तर पर एक अहम मुकाम बना लिया है जो इतिहास में दर्ज हो गया है। फिर भी यह अपने आप में एक सवाल है कि हर साल भारत में संख्या के लिहाज से करीब डेढ़ हजार फिल्में बनने के बावजूद उनमें से गिनती की कुछ फिल्मों को ही स्थायी महत्त्व की और वैश्विक स्तर पर प्रशंसा हासिल कर पाने वाली कृतियों के रूप में दर्ज किया जाता है। इससे पहले भारतीय संदर्भों के साथ बनी 'स्लमडाग मिलियनेयर', 'गांधी' और 'लाइफ आफ पाइ' जैसी फिल्मों को आस्कर में अच्छी उपलब्धियां मिलीं थीं। खासतौर पर 'स्लमडाग मिलियनेयर' में 'जय हो' गाने के लिए एआर रहमान को पुरस्कार मिला था, लेकिन यह भी तथ्य है कि इन फिल्मों को भारतीय निर्देशकों ने नहीं बनाया था। हो सकता है कि आस्कर में भारत के हिस्से कम उपलब्धियां आई हों, लेकिन दुनिया भर में इन पुरस्कारों को जिस स्तर का माना जाता है, उसमें कुछ हासिल करना बहुत बड़ी चुनौती होती है। अब इस बार की कामयाबी के बाद उम्मीद की जानी चाहिए वैश्विक स्तर पर टक्कर देने वाली कुछ बेहतरीन फिल्में भी बनेंगी। इससे उत्साहित हो कर अन्य फिल्म कार भी और बेहतरीन फिल्मों का निर्माण करेंगे।

विधानसभा चुनाव अग्निपरीक्षा से कम नहीं

अशोक भाटिया

2023 में होने वाले चुनाव 2024 से पहले सेमीफाइनल की तरह हैं। सभी पार्टियां विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करना चाहेंगी। भाजपा की कोशिश होगी कि वह 'मोदी लहर बरकरार' का संदेश देने में कामयाब रहे। अगर ऐसा होता है प्रधानमंत्री मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के रेकॉर्ड की बराबरी कर लेंगे। कांग्रेस और अन्य क्षेत्रीय दलों की कोशिश होगी कि वे 2024 से पहले भाजपा को हराने का संदेश दे सकें। आज के समय में विपक्ष में एकजुटता की कमी दिखने के बावजूद भाजपा के लिए उत्साहजनक वातावरण नहीं बना हैं ।मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और कर्नाटक, तीन राज्य जहां चुनाव करीब हैं और भाजपा अपने लिए मुश्किलें देख रही है। यहां सरकार बन ही जाएगी, पार्टी इसका दावा नहीं कर पा रही। वजह भी दिख रही है, लेकिन लीडरशिप के पास कोई उपाय नहीं। मध्यप्रदेश में पार्टी के सर्वे से पता चला है कि सीटें 80 से कम ही रहेंगी। और इतने में सरकार नहीं बन सकती। छत्तीसगढ़ में पार्टी के पास कोई मुख्यमंत्री फेस ही नहीं है। कर्नाटक में एंटी इनकम्बेंसी का तोड़ नहीं मिल रहा। बात करें मध्यप्रदेश की तो यहां 2003 से लगातार भाजपा की सरकार है। बीच में 2018 में 15 महीने के लिए कांग्रेस को सत्ता मिली थी और कमलनाथ मुख्यमंत्री बने लेकिन जल्द ही 'सियासी खेल' हो गया। करीब 17 साल से शिवराज सिंह चौहान मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री हैं। राज्य के सियासी हालात के बारे में बताया जाता है कि हाल में भाजपा का इंटरनल सर्वे हुआ है। इसमें पता चला है कि 30 फीसदी सीटों पर भाजपा का कोई मुकाबला नहीं है जबकि 30 फीसदी विधानसभा सीटों पर कांग्रेस मजबूत दिख रही है। बाकी 49 फीसदी सीटों पर कांटे की टक्कर दिख सकती है। ऐसे में भाजपा के लिए मध्य प्रदेश में कमल खिलाना पहले जैसा आसान नहीं है। भाजपा के सामने बड़ा एंटी इनकंबेंसी फैक्टर है। बताया जाता है कि भाजपा के अंदरखाने यह चर्चा चल रही है कि राज्य में पार्टी का नया चेहरा कौन होगा? बताया जा रहा है कि विधानसभा चुनाव से पहले या बाद में भाजपा मुख्यमंत्री का अपना फेस बदल सकती है। दिलचस्प यह है कि जिस नाम की चर्चा सबसे ज्यादा है, उस पर पार्टी के भीतर ही आम सहमति नहीं है। ज्योतिरादित्य सिंधिया 2 साल पहले कांग्रेस से भाजपा में आए। केंद्र उन्हें काफी तवज्जो मिली। मंत्री पद मिला और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से नजदीकी भी बढ़ी। हालांकि मध्य प्रदेश में शिवराज के उत्तराधिकारी के तौर पर उनके नाम पर आमराय नहीं है। भाजपा मध्यप्रदेश में भी भाजपा गुजरात फार्म्युला लागू करने की प्लानिंग कर रही है। यहां भी 35-40 फीसदी विधायकों के टिकट काटे जा सकते हैं। नेताओं को शायद पहले ही एहसास हो गया है और इसलिए बहुत से नेता अभी से पैंतरे अपना रहे हैं। भाजपा के सामने एक डर ये भी है कि टिकट कटने से पार्टी को नुकसान न हो, कहीं हिमाचल वाली स्थिति मध्यप्रदेश में न हो? कांग्रेस की बात करें तो सिंधिया के जाने के बाद पार्टी थोड़ी कमजोर हुई है। हालांकि गुटबाजी में कमी आई है। हां, कमलनाथ और दिग्विजय के बीच में थोड़ा मतभेद जरूर हो सकता है। ऐसे माहौल में कांग्रेस को सहारा सत्ता विरोधी लहर का है। अब देखना यह होगा कि जनता को यह कितना समझ में आता है। बताया जाता है कि मध्यप्रदेश में करीब दो दशक से शिवराज सिंह चौहान सरकार को देख नई पीढ़ी यानी नए वोटरो को लग सकता है कि इस बार बदल के देखो। ज्ञात रहे कि शिवराज सिंह चौहान 23 मार्च 2020 को चौथी बार राज्य के मुख्यमंत्री बने थे। 30 नवंबर 2005 से 17 दिसंबर 2018 तक लगातार 13 साल 17 दिन तक वे मुख्यमंत्री रहे। फिर करीब डेढ़ साल कांग्रेस की सरकार रही और कमलनाथ मुख्यमंत्री बने। 23 मार्च 2020 से एक बार फिर मुख्यमंत्री की कुर्सी शिवराज के पास आ गई। उन्हें मुख्यमंत्री रहते हुए करीब 16 साल हो चुके हैं। अब तक प्रदेश में कोई भी इतने समय तक मुख्यमंत्री नहीं रहा है। 'चुनाव में 8 महीने ही बचे हैं, इसलिए अब मुख्यमंत्री भी बदला नहीं जा सकता। पहले भी पार्टी को ऐसा कोई चेहरा नहीं मिला, जो शिवराज की जगह ले सके। भाजपा मुफ्त की रेवड़ी बांटने के खिलाफ है, लेकिन मध्यप्रदेश में चुनाव से पहले 'लाडली बहना' स्कीम लॉन्च कर दी गई। इसमें महिलाओं के खाते में 1 हजार रुपए डाले जाएंगे। इस तरह की स्कीम्स से पता चल रहा है कि पार्टी हड़बड़ाहट में है।'हालांकि, पार्टी प्रवक्ता हितेश वाजपेयी का कहना है कि '2018 में पार्टी कुछ सीटों से भले ही हार गई थी, लेकिन हमारा वोट पर्सेंट कांग्रेस से ज्यादा था।' भाजपा के लिए मध्यप्रदेश से ज्यादा मुश्किल वाला राज्य छत्तीसगढ़ है। यहां वह सत्ता में नहीं, बल्कि विपक्ष में है। राज्य में वापसी के लिए भाजपा ने संगठन में बड़े बदलाव किए हैं। तीन बार के विधायक नारायण चंदेल को नेता प्रतिपक्ष और बिलासपुर से सांसद अरुण साव को प्रदेशाध्यक्ष बनाया गया है। कांग्रेस की अंदरूनी लड़ाई पर भी पार्टी की नजर है, लेकिन भाजपा अब तक कांग्रेस के खिलाफ कोई मूवमेंट खड़ा नहीं कर पाई है । मुख्यमंत्री भूपेश बघेल लगभग हर वर्ग के लिए स्कीम अनाउंस कर चुके हैं, इन्हें लागू भी कर दिया गया है। कर्ज माफी से लेकर बेरोजगारी भत्ता तक इसमें शामिल है। यहां भाजपा के लिए चुनौती मुख्यमंत्री फेस की भी है। कोई नहीं जानता कि भाजपा जीती, तो मुख्यमंत्री कौन होगा।प्रदेश में पिछड़ा वर्ग की राजनीति का बड़ा समीकरण है, इसलिए भाजपा किसी पिछड़ा वर्ग के नेता पर दांव खेल सकती है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल इसी वर्ग से आते हैं। कांग्रेस भूपेश बघेल के जरिए बैकवर्ड क्लास कार्ड खेल रही है। 90 विधानसभा सीटों में से अभी कांग्रेस के पास 71 और भाजपा के पास 14 सीटें हैं। हाल में हुए लोकल बॉडीज इलेक्शन में कांग्रेस जीती है। प्रदेश के सभी 14 नगर निगम पर कांग्रेस का कंट्रोल है।सोर्सेज के मुताबिक, भाजपा ने यहां अब तक कोई सर्वे नहीं करवाया है। पार्टी ने ओम माथुर को जब से प्रभारी बनाकर भेजा है, तब से वे संगठन के साथ बूथ लेवल तक काम कर रहे हैं, लेकिन आज की स्थिति में चुनाव होते हैं तो कांग्रेस ज्यादा मजबूत दिख रही है। अगले चुनाव तक में राज्य में क्या स्थिति बनेगी, इसका अंदाजा लगाना मुश्किल है। कर्णाटक की बात करें तो कर्नाटक में भाजपा 20 जुलाई 2019 से सत्ता में है। इन 4 साल में उसे एक बार मुख्यमंत्री बदलना पड़ा। 28 जुलाई 2021 से यहां बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री हैं। कर्नाटक में फरवरी में आर एस एस ने एक सर्वे रिपोर्ट भाजपा को सौंपी है। इसमें उसे 70 से 75 सीटें जीतते बताया गया। बहुमत के लिए 113 सीटें जरूरी चाहिए।भाजपा की हालत ऐसी है कि जिन बीएस येदियुरप्पा को पार्टी ने मुख्यमंत्री पद से हटाया था और जो रिटायरमेंट का ऐलान कर चुके हैं, अब उनके भरोसे ही इलेक्शन कैंपेन आगे बढ़ाया जा रहा है। इसकी वजह सर्वे रिपोर्ट हैं, जिनसे पता चला कि मौजूदा मुख्यमंत्री और पार्टी प्रेसिडेंट नलिन कुमार कटील लोगों का सरकार के प्रति नजरिया बदलने में नाकाम रहे हैं। समाचारों के अनुसार भाजपा के खिलाफ जबरदस्त एंटी इनकम्बेंसी बनी हुई है। करप्शन यहां बड़ा मुद्दा है। 3 मार्च को भाजपा विधायक मदल विरुपक्षप्पा के ठिकानों से 8 करोड़ रुपए कैश मिले हैं। उनके बेटे को लोकायुक्त ने 40 लाख रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया। इससे पार्टी और ज्यादा मुश्किल में फंस गई है। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की लगातार रैलियां हो रही हैं, लेकिन पार्टी एंटी इनकम्बेंसी का माहौल नहीं बदल पा रही है।' 'अब येदियुरप्पा और प्रधानमंत्री मोदी की जोड़ी बनाकर कैंपेन किया जा रहा है। येदियुरप्पा लिंगायत वोटों को एकजुट कर सकते हैं, लेकिन अकेले पूरे राज्य में भाजपा को नहीं जिता सकते। मुख्यमंत्री की रैलियों में लोग नहीं पहुंच रहे। प्रदेश में कांग्रेस का प्रचार अभियान बहुत आक्रामक है।

नेमप्लेट से क्यों दूर है अबतक आधी दुनिया

आर.के. सिन्हा

पिछली 8 मार्च को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। महिलाओं को घर और घर से बाहर, उनके जायज हक देने को लेकर तमाम वादे किए गए और अनेकों बातें भी हुईं। यह तो हर साल ही 8 मार्च को होता है। इसमें कुछ भी नया नहीं है। यह सब आगे भी होता ही रहेगा। पर अफसोस कि घरों के बाहर लगी नेमप्लेट में मां, बेटी और बहू के लिए अबतक कोई जगह नहीं है। हालांकि अब घर बनाने के लिए आमतौर पर पति-पत्नी मिलकर ही मेहनत करते हैं और फिर होम लोन भी मिलकर ही लेने लगे हैं। कहने को भले ही कहा जाता रहे कि हर सफल इंसान के पीछे किसी महिला की प्रेरणा होती है। यह बात अपने आप में सौ फीसद सही भी है। इस बारे में कोई बहस या विवाद नहीं हो सकता। सफल इंसान को जीवन में सफलता दिलाने में मां, बहन, पत्नी वगैरह किसी न किसी मातृशक्ति का रोल रहता है। पर, उन्हें घरों के बाहर लगी नेमप्लेट में थोड़ी सी जगह देने के बारे में सोचने वाले लोग अबतक बहुत कम ही लोग हैं। एक प्रकार से मान लिय गया है कि नेमप्लेट में तो घर के पुरुष सदस्य का ही नाम होगा। कोई माने या ना माने, पर नेम प्लेट में आधी दुनिया के लिए जगह नहीं है। मुझे हाल ही में एक अध्ययन के निष्कर्ष मिले। इसमें घरों के बाहर लगी नेमप्लेट में आधी दुनिया की स्थिति का गहराई से अध्ययन किया गया था। इस रोचक अध्ययन के दौरान राजधानी दिल्ली के राजौरी गार्डन, विवेक विहार, आई.पी.एक्सटेंशन और न्यू राजेन्द्र नगर के 160 घरों और फ्लैटों के बाहर लगी नेम प्लेट को देखा गया। इस अभियान के दौरान कई चौंकाने वाले, तो कुछ नए तथ्य सामने आए। इन सभी कालोनियों में खाते-पीते और पढ़े-लिखे लोग रहते हैं। इन 160 घरों में सिर्फ 23 घरों के बाहर लगी नेमप्लेट में महिलाओं के नाम मिले। इनमें भी 11 नेमप्लेट में महिलाओं के नाम घर के पुरुष सदस्यों के नामों के साथ थे। इन्हीं 11 में से पांच महिलाओं के नामों के आगे डॉ. लिखा था। यानी कि वह मेडिकल पेशे से संबंध रखती हैं। हो सकता है कि किसी ने अन्य विषय में पी.एचडी की डिग्री ली हो। तो माना जाए कि जिन लोगों ने अपने घर की महिला सदस्यों के नाम डॉक्टर न होने के बावजूद नेमप्लेट में रखे, वे वास्तव में अलग तरह के लोग हैं। ये आदरणीय हैं। इसके साथ ही वकालत के पेशे से जुड़ी महिलाओं के नाम भी नेमेप्लेट में जगह पा जाते हैं। आप मुंबई, पटना, रांची, चंडीगढ़ या देश के किसी भी छोटे-बड़े शहर में चले जाइये। वहां के किसी आवासीय इलाके में घूमिए। आपको कमोबेश वही स्तिथि मिलेगी जो दिल्ली में है। सब जगह आधी दुनिया अन्याय का शिकार हो रही है। उन्हें घर के भीतर न्याय मिलने का फिलहाल तो इंतजार है। मालूम नहीं कि उन्हें कब उनका जायज हक मिलेगा। यह सोचने वाला मसला है। मैंने हिंदी की दो प्रख्यात लेखिकाओं के घरों के बाहर लगी नेमप्लेट में भी उनका नाम नहीं देखा। वहां पर उनके क्रमशः कारोबारी तथा सरकारी अफसर पतियों के नाम ही नेमप्लेट पर चमक रहे थे। यह भी विडंबना ही है कि ये दोनों महिलाएं आधी दुनिया के पक्ष में निरंतर लिखती रही हैं। जो समाज नारी को देवी के रूप में पूज्यनीय मानता है वहां पर औरतों को उनके अपने घरों की नेम प्लेट तक से दूर रखा जाता है। यह एक शर्मनाक स्थिति है। अगर बात घर से बाहर की हो तो भी महिलाओं की मेरिट की अनदेखी होना सामान्य सी बात है। यह कोई बहुत पुरानी बात नहीं है जब हमारे यहां प्राइवेट कंपनियों के प्रमोटर अपनी पत्नियों, बेटियों, बहुओं वगैरह को ही बोर्ड रूम में रख कर सोचते थे कि उन्होंने बहुत बड़ी क्रांति कर दी है। इतना भर करके उन्हें लगता था कि उन्होंने नारी मुक्ति आंदोलन को गति दे दी। हालांकि अब स्थितियां बहुत सकारात्मक हो चुकी हैं। आधी दुनिया को कॉरपोरेट जगत में हरेक पद मिल रहा है। ये उन पदों पर रहते हुए श्रेष्ठ काम करके दिखा रही हैं। बहरहाल, जैसे –जैसे हमारे यहां महिलाएं आंत्रप्यूनर बनेंगी तो बोर्ड रूम में उनकी संख्या में भी बढ़ोत्तरी होती रहेगी। जैसा कि पहले कह जा चुका है कि महिला दिवस पर आधी दुनिया के हक में तमाम संकल्प लिए जाते हैं। पर अब ये सब रस्म अदायगी ही लगने लगा है। अब भी कितने परिवार या पिता अपनी बेटियों को अपनी चल और अचल संपत्ति में पुत्रों के बराबर का हिस्सा देते है? बुरा न मानें, आपको दस फीसद परिवार भी नहीं मिलेंगे, जहां पर पुत्री को पिता या परिवार की अचल संपत्ति में हक मिला हो। भारतीय कानून पिता की पुश्तैनी संपत्ति में बेटी को भी बराबर हिस्से का अधिकार देता है। हिंदू उत्तराधिकार कानून 1956 में बेटी के लिए पिता की संपत्ति में किसी तरह के कानूनी अधिकार की बात नहीं कही गई थी। जबकि संयुक्त हिंदू परिवार होने की स्थिति में बेटी को जीविका की मांग करने का अधिकार दिया गया था। बाद में 9 सितंबर 2005 को इस क़ानून में संशोधन लाकर पिता की संपत्ति में बेटी को भी बेटे के बराबर अधिकार दिया गया। आधी आबादी घर और घर के बाहर कदम-कदम पर अन्याय का शिकार होती रहती हैं । यह सब जानते हैं। अपने हिस्से का आसमान छूने वाली बेटी को अपने ही माता-पिता के घर में सही से न्याय नहीं मिल पाता। इसमें कोई दो राय नहीं हैं कि आज के दौर में कार्यशील महिलाओं का आंकड़ा बढ़ता ही जा रहा है, वे स्वावलंबी हो रही हैं। पर, अभी आधी दुनिया के हक में लंबी लड़ाई लड़नी है। उन्हें उनका हक देना होगा देश और समाज को। वास्तव में वह समाज कितना बर्बर होता है जो लिंग, धर्म, जाति के आधार पर भेदभाव करता है।

उपभोक्ता आंदोलन से मिले 'हक' ग्राहक हुए जागरुक

एक समय था जब बाजार उत्पादकों पर निर्भर था । ग्राहक अपने आपको उत्पादों के अनुसार ढालता था, उसके सामने विकल्प भी कम थे एक प्रकार से उत्पादकों मनमानी थी। वें भारी मुनाफा कमाते थे और ग्राहक प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से शोषण का शिकार होता था । लेकिन समय के साथ माहौल बदला उपभोक्ता आंदोलन हुए और इनके परिणाम स्वरूप उपभोक्ता संरक्षण के कानून दुनिया भर में बनाए गए। आज उपभोक्ता बाजार का नियंता, नियंत्रक और गति निर्धारक है ।

उपभोक्ता आंदोलन का सफर : प्रति वर्ष 15 मार्च को अंतरराष्ट्रीय उपभोक्ता अधिकार दिवस के रूप में मनाया जाता है जिसके चलते भारत में भी उपभोक्ता में जागरूकता पैदा हुई है। भारत में राष्ट्रीय उपभोक्ता संरक्षण कानून 1986 में आया पर 15 मार्च 2003 से लागू किया गया । 1978 में ग्राहक पंचायत ने उपभोक्ता मंत्रालय और न्यायालय में अपनी मांगे रखी। पंचायत ने स्वयं इस पर कानून का प्रारूप तैयार करके 9 अप्रैल 1980 को समिति की पहली बैठक में रखा। चर्चा के बाद संशोधित मसौदा संविधान विशेषज्ञों के पास भेजा गया । 1980 में महाराष्ट्र राज्य विधान परिषद् के सदस्य बाबुराव वैद्य ने विधेयक रखने का उत्तरदायित्व स्वीकारा तब जाकर वर्तमान ग्राहक कानून अस्तित्व में आया ।

व्यापक संशोधन : भारत में, उपभोक्ता आन्दोलन को दिशा 1966 में मिली जब जेआरडी टाटा के नेतृत्व में कुछ उद्योगपतियों द्वारा उपभोक्ता संरक्षण के तहत फेयर प्रैक्टिस एसोसिएशन की मुंबई में स्थापना कर इसकी शाखाएं कुछ प्रमुख शहरों में स्थापित की गईं। स्वयंसेवी संगठन के रूप में ग्राहक पंचायत की स्थापना बी एम जोशी द्वारा 1974 में पुणे में की गई। अनेक राज्यों में उपभोक्ता कल्याण हेतु संस्थाओं का गठन हुआ। इस प्रकार उपभोक्ता आन्दोलन आगे बढ़ता रहा। 9 दिसंबर 1986 को उपभोक्ता संरक्षण विधेयक संसद ने पारित किया और देशभर में उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम लागू हुआ। इस अधिनियम में बाद में 1993 व 2002 में महत्वपूर्ण संशोधन किए गए। इन व्यापक संशोधनों के बाद यह एक सरल व सुगम अधिनियम हो गया । इस अधिनियम के अधीन पारित आदेशों का पालन न किए जाने पर धारा 27 के अधीन कारावास व दण्ड तथा धारा 25 के अधीन कुर्की का प्रावधान किया गया है।

कौन है उपभोक्ता ? : उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 के अनुसार कोई व्यक्ति जो अपने उपयोग के लिये सामान अथवा सेवायें खरीदता है वह उपभोक्ता है । क्रेता की अनुमति से ऐसे सामान व सेवाओं का प्रयोग करने वाला व्यक्ति भी उपभोक्ता है । अतः हममें से प्रत्येक किसी न किसी रूप में उपभोक्ता ही है। उपभोक्ता आंदोलन से पहले उपभोक्ता को गुणवत्ता की दृष्टि से भी घटिया व बहुत सीमित उत्पाद उपलब्ध थे। एक कार खरीदने के लिए बहुत पहले बुकिंग करनी पड़ती थी और केवल दो ब्रांड उपलब्ध थे।

किसी को भी उपभोक्ता के हितों की परवाह नहीं थी और हमारे उद्योग को संरक्षण देने का ही रुख था। इस प्रकार इस कानून के जरिए उपभोक्ता संतुष्टि और उपभोक्ता संरक्षण को मान्यता मिली।

उपभोक्ता को सामाजिक-आर्थिक-राजनीतिक प्रणाली का अपरिहार्य हिस्सा समझा जाने लगा, जहां दो पक्षों यानि क्रेता और विक्रेता के बीच विनिमय का तीसरे पक्ष यानी समाज पर असर होता है।

हालांकि बड़े पैमाने पर होने वाले उत्पादन एवं बिक्री में लाभ की स्वभाविक मंशा कई विनिर्माताओं एवं डीलरों को उपभोक्ताओं का शोषण करने का अवसर भी प्रदान करती है। खराब सामान, सेवाओं में कमी, जाली और नकली ब्रांड, गुमराह करने वाले विज्ञापन जैसी बातें आम हो गयीं हैं और भोले-भाले उपभोक्ता अक्सर इनके शिकार बन जाते हैं।**जागना होगा :** आज ग्राहक जमाखोरी, कालाबाजारी, मिलावट, खराब गुणवत्ता वाली वस्तुओं की बिक्री, अधिक दाम, गारन्टी के भी बाद सर्विस नहीं देना, हर जगह ठगी, कम नाप-तौल इत्यादि संकटों से घिरा है। रही सही कमी ऑनलाइन बिजनेस ने पूरी कर दी है बहुतायत में ऑनलाइन मंगाई गई वस्तुओं में दिए गए विज्ञापन के अनुसार न गुणवत्ता पाई जा रही है और न ही समय पर उनकी आपूर्ति की जा रही है। हालांकि ग्राहक संरक्षण के लिए विभिन्न कानून बने हैं, पर फिर भी बहुत से विक्रेता ग्राहकों के हितों पर कुठाराघात करते हैं। ग्राहक चूंकि संगठित नहीं हैं इसलिए आसानी से ठगे जाते हैं। ग्राहक को जागना होगा व स्वयं का संरक्षण स्वयं करना होगा।

अधिकार व शिकायतें : उपभोक्ता के रूप में हमें कुछ अधिकार प्राप्त हैं ।

-डॉ घनश्याम बादल

मिलकर लड़ेंगे तो मंजिल पास होगी...

मदन वर्मा माणिक

हमें सभी योग्य लीडर्स को साथ रखना, मार्गदर्शन लेना, पूर्ण सम्मान देना, फिर चाहे वह किसी भी संघ का हो, किसी भी उम्र का हो, जिसमें कोई अहम, वहम, भ्रम ना हो समग्र का भला चाहता हो ऐसे सभी मिलनसार गुणीजनों का साथ लेना होगा तभी विद्युत व अन्य क्षेत्र के पेंशनर्स समाज का भला हो सकेगा। साफ कहना होगा कि म.प्र. के विद्युत पेंशनर्स नेतृत्व यदि एकसाथ मिलकर हक के लिए लड़ेंगे तो मंजिल पास होगी और शीघ्र हासिल होगी। ऐसा मेरी कलम सोचती हैं। जो अपने सामने किसी को नहीं समझते, ऐसा दंभ दाहक होता है, नेताओं को दूध में पानी की तरह घुलमिल-घुलमिल जाना चाहिए।.पेंशनर्स सारे एकजुट हो, कामन प्रोग्राम, कामन ऐजेंडा हो और टूकड़े-टुकड़े रूप में संघर्ष के बजाए मिलकर हक के लिए आगे बढ़ेंगे तो मंजिल पास भी होगी और हासिल भी होगी। विशेष रुप से सारे योग्यता धारी आगे आऐं, अन्य लोग साथ नहीं देते, आलोचना करते हैं, हमारे आंदोलन को तोड़ते हैं, अभी तक ऐसा होता रहा यह बंद होना चाहिए। राजनीति में आपका किसी से दोस्ताना संभव हो सकता है, यह लोकल स्तर पर हो सकता है, खास पद चुनाव तक सीमित हैं, कल पद/विभाग रहे या ना रहे। विसभा चुनाव सामने हैं हो सकता है दोबारा मौका या वह खास पद मिले ना मिले। कई बार खास के खासमखास भी स्वागत, आवभगत में मशगूल हो जाते हैं मगर पेंशनर्स के काम नहीं करा पाते। साल दो साल से देख रहे हैं किसी को मुखिया जी से चर्चा का मौका मिला? किसी को बुलाकर सारे पाइंट्स पर चर्चा कर निराकरण किया गया। जवाब नहीं में होगा। ना सीएम से चर्चा हुई, ना पीएस से, आश्वासन लेकर, मन समझाने से क्या फायदा, जब ढंग से प्रेशर बनता तो गलबहियां वाले ही प्रेशर तोड़ देते हैं हीले हवाले देकर और प्रेशरयुक्त टायर पंचर हो जाता हैं। बाद में पंचर बनवाकर फिर हवा भरकर नया प्रेशर बनाया जाता है। एमडी, सीएमडी के पास पावर नहीं पेंशनर्स की सारे मुद्दे खत्म कर दें, मंत्रीजी भी आंदोलनों को शांत करने का भरसक प्रयास करने के बाद भी संपूर्ण मुद्दों को टालने का प्रयास करते रहे, हो सकता हैं उनके प्रयास सिद्द नहीं हो सके अर्थात उन तक भी सफलता नहीं मिली। सफलता तब मिलती जब मुख्यमंत्री से चर्चा होती, पीएस के माध्यम से व इनके माध्यम से इन मुद्दों पर चर्चा होती सभी प्रभावशाली नेतृत्व के साथ ना की अलग-अलग । सभी अपने अपने अलग-अलग मुद्दों को लाकर उसमें गुम हो जाते हैं। मुद्दे शार्ट, संक्षिप्त हों, सम्मिलित हों मगर लंबी बातें, मुख्य मुद्दों से हटकर बातें ना शामिल हो। पहले एक हो जाओ। समान कदम लेकर प्रेशर बनाओ। आपको सफलता मुख्यमंत्री, पीएस के माध्यम से ही मिलेगी, दबाव बनेगा तो समस्या के हल के लिए उनकी बेरुखी, मजबूर हो सकती है, सकारात्मकता की ओर निश्चित है। युवातुर्क भी चाहिए, बुजुर्ग युवा भी चाहिए और ऊर्जावान नवयुवा भी चाहिए। बहुत से मोती हैं जो चाहे चुन लें। मगर भीड़ में भी कुछ चर्चित हैं सक्रियता हैं।

बेवक़ूफ़ बनना है तो यहाँ आओ

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

मैं बहुत दिनों से पंडिताई कर रहा था। मुझे पंडिताई का खास ज्ञान तो नहीं है लेकिन लोग खुद-ब-खुद बेवकूफ बनने के लिए तैयार हों तो मैं उनकी बेवकूफी को अपना ज्ञान बना लेता हूँ वह क्या हैं न कि जिस तरह अशुद्ध भोगियों से शुद्ध चीजें नहीं पचतीं ठीक उसी तरह से मूर्खों को ज्ञान की बातें समझ नहीं आतीं। इसीलिए तो चार कौओं के बीच में कोयल भी खुद को कौआ मानकर रह जाता है। वैसे भी 'रील'धारी मूर्खता भरी हरकतें कर लाखो कमा लेते हैं जबकि बुद्धिमान कहलाने वाले डिग्रीधारी उधारी पर जिंदगी जिए जाते हैं। एक दिन मैंने अपने घर पर गारंटी वाली भविष्यवाणी का बोर्ड लगा दिया। 'भविष्यवाणी गलत होने पर पैसा वापस' वाली पंक्ति बड़े-बड़े अक्षरों में लिखवा दी। शुक्र है कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था आज भी इतनी अपडेट नहीं हुई है कि वह भविष्यवाणियों को मात दे सके। मैं इसी बहती गंगा में हाथ, पैर या यूं कहिए साष्टांग डूब कर अपनी चांदी (हो सके तो सोना भी) करना चाहता था। इस धंधे में कामयाबी अपनी काबिलियत के हिसाब से नहीं सामने वाले की बेवकूफी पर निर्भर करती है। सड़कछाप भविष्यकर्ताओं के प्रति अंधभक्तों की लक्ष्मी जेब से निकल-निकल कर मेरा तिलक करना चाहती है तो मैं अपना माथा कैसे पोंछ सकता हूँ। वरना यही मूर्ख अंधभक्त मुझे बेवकूफ कहकर किसी और बड़े बेवकूफ के पास जायेंगे। भला दुनिया में बेवकूफों की कमी है जो मेरे पास उल्टे कदम आने की भूल करेंगे। लोगों को बेवकूफ बनाने का धंधा अत्यंत प्राचीन है। वर्तमान में अपनी पराकाष्ठा दिखा रहा है। भविष्य इसका उज्ज्वल है। ऐसा महान व्यापार छोड़कर मैं बेवकूफों की फेहरिस्त में अपना नाम दर्ज नहीं कराना चाहता। एक दिन एक अंधभक्त मेरे पास आया। उसकी उंगलियां कम थी अंगूठियां ज्यादा थीं। चेहरा एक था चिंताएँ अनेक थीं। आंखें दो थी लेकिन रोने के लिए पूरा बदन पड़ा था। मैं उसके डर में अपना व्यापार खोजने लगा। मैंने उसकी समस्या जानी और पता चला कि घर में आर्थिक तंगी चल रही है। मैं सॉफ्टवेयर में उसका नाम और जन्मतिथि भर कर पंचांग निकालने ही वाला था कि वह बोल उठा- महाराज! इसकी आवश्यकता नहीं है। यह तो मेरे पास है। मुझे केवल आर्थिक संकट से बचने का कोई उपाय बताइए। मैंने कहा – बेटा! आर्थिक संकट एकाएक दूर नहीं होंगे। छोटी-छोटी बचत बड़े आर्थिक संकट से तुम्हें निजात दिला सकती हैं। कल तुम दुकान के लिए अपनी गाड़ी पर मत जाना। हो सके तो पैदल जाना। आश्चर्य की बात यह थी कि वह अंधभक्त मेरी बातों का शब्दशः पालन कर अपने और कई मित्रों के साथ लौटा। सभी मेरे चरणो में साष्टांग लेटे हुए थे। यह देखकर मुझे लगा कि भविष्कर्ताओं को प्रेम से ज्यादा भय का उपयोग करना चाहिए। इससे अंधभक्त जल्दी टूट जाते हैं। जीवन भर टूटे-टूटे ही रहते हैं। मैंने अंधभक्त से पूछा कि ऐसी क्या बात हो गई आप सब मेरे पास आए हैं? एक दिन पहले जो अंधभक्त आया था उसने कहा – महाराज! आपके कहे अनुसार मैं गाड़ी पर न जाकर पैदल अपनी दुकान चला गया। दुकान जाते ही मुझे पता चला कि पेट्रोल का भाव सैकड़ा पार कर गया है। अब मैं इसी तरह से आता-जाता हूँ। आपने न केवल मेरे सैकड़ों रुपए बचाए हैं बल्कि मेरा विश्वास भी जीत लिया है। मुझे पूरा विश्वास है कि आज आपने मुझे सैकड़ों रुपए का लाभ करवाया। कल अवश्य लाखों-करोड़ों का लाभ करवाएंगे। मुझसे आप की चमत्कारी महिमा के बारे में जानकर ये लोग भी आपकी शरण में आएँ हैं।

सूर्य का मीन राशि में प्रवेश

मीन संक्रांति 15 मार्च को, देवगुरु बृहस्पति की सेवा में रहेंगे सूर्य देव, शुरू होगा खरमास

बुधवार 15 मार्च को सूर्य ग्रह का राशि परिवर्तन होगा। सूर्य देव मीन राशि में प्रवेश करेंगे, इस वजह से 14 अप्रैल तक खरमास रहेगा। खरमास में सूर्य अपने गुरु बृहस्पति की सेवा में रहते हैं, इस वजह से इस माह में शुभ कार्यों के लिए मुहूर्त नहीं रहते हैं। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक खरमास में दान-पुण्य, तीर्थ स्नान और मंत्र करने की परंपरा है। 15 मार्च को मीन संक्रांति होने से इस दिन सूर्य देव की विशेष पूजा जरूर करें। सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद सूर्य देव तांबे के लोटे से जल चढ़ाएं। इसके लिए लोटे में जल के साथ लाल फूल, चावल भी डाल लेना चाहिए। जब सूर्य एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करता है तो ज्योतिष में इसे संक्रांति या संक्रमण कहा जाता है। 15 मार्च सूर्य मीन राशि में प्रवेश करेगा तो इस दिन मीन संक्रांति मनाई जाएगी। संक्रांति पर पवित्र नदियों में स्नान करने की परंपरा है। स्नान के बाद दान-पुण्य करना चाहिए।

श्रीकृष्ण ने भी की है सूर्य पूजा

सूर्य पंच देवों में से एक हैं। पंच देवों में गणेश जी, शिव जी, विष्णु जी, देवी दुर्गा और सूर्य देव शामिल हैं। भविष्य पुराण के ब्राह्म पर्व में श्रीकृष्ण और सांब (श्रीकृष्ण के पुत्र) की बातचीत बताई गई है। इस प्रसंग में श्रीकृष्ण ने सांब को सूर्य पूजा करने के लिए प्रेरित किया है। श्रीकृष्ण कहते हैं कि जो लोग सूर्य पूजा करते हैं, उन्हें ज्ञान, मान-सम्मान की प्राप्ति होती है। मैंने भी सूर्य पूजा की है।

ऐसे कर सकते हैं सूर्य देव की सरल पूजा

खरमास में रोज सुबह जल्दी उठें और स्नान के बाद उगते सूर्य को जल अर्पित करें। जल अर्पित करने के बाद सूर्य मंत्रों का जप करना चाहिए। सूर्य मंत्र - ऊँ सूर्याय नमः, ऊँ भास्कराय नमः, ऊँ आदित्याय नमः, ऊँ दिनकराय नमः, ऊँ दिवाकराय नमः, ऊँ खखोल्काय स्वाहा इन मंत्रों का जप किया जा सकता है।

खरमास में करें ये शुभ काम

खरमास में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें। गायों को हरी घास खिलाएं। जरूरतमंद लोगों को धन और अनाज का दान करें। अभी गर्मी शुरू हो जाएगी, ऐसे में जरूरतमंद लोगों को जूते-चप्पल और छाते का दान करें। सूर्य देव चीजें जैसे तांबे का बर्तन, पीले या लाल वस्त्र, गेहूं, गुड़, माणिक, लाल चंदन का दान करें।

रोज सुबह शिवलिंग पर जल चढ़ाएं। बिल्व पत्र और फूलों से शिवलिंग का श्रृंगार करें।
किसी मंदिर में पूजन सामग्री का दान करें।
हनुमान जी के सामने धूप-दीप जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ करें।
श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप बाल गोपाल का अभिषेक करें और माखन-मिश्री, तुलसी का भोग लगाएं।

स्नान-दान और पूजा-पाठ का महीना

15 मार्च को राशि बदलेगा सूर्य और शुरू होगा खर मास अब 14 अप्रैल तक नहीं होंगे मांगलिक काम

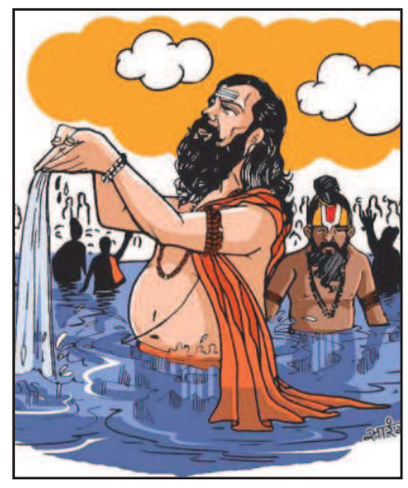

15 मार्च को सूर्य मीन राशि में प्रवेश करेगा। इससे मीन मास शुरू हो जाएगा। जो कि 15 अप्रैल तक रहेगा। इस एक महीने में किसी भी तरह के मांगलिक काम नहीं होंगे।
ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक जब भी सूर्य, बृहस्पति की राशियों धनु और मीन राशि में आता है तब खरमास दोष लगता है। बुधवार को सुबह करीब 6.45 पर सूर्य मीन राशि में प्रवेश करेगा।
इस एक महीने में भगवान की आराधना का विशेष महत्व है। धर्मग्रंथों के मुताबिक, इस महीने में सूर्योदय से पहले उठकर नहाने और उगते हुए सूर्य को जल चढ़ाने की परंपरा है। इस महीने भगवान विष्णु की पूजा करनी चाहिए।
इस महीने तीर्थों, घरों और मंदिरों में भगवान की कथा करनी चाहिए। भगवान की विशेष पूजा होनी चाहिए। साथ ही व्रत-नियम पालन करते हुए दान, पुण्य और भगवान की पूजा करना चाहिए।

खर मास में करें इस मंत्र का जाप

धर्म ग्रंथों में भगवान विष्णु के कई श्लोक बताए गए हैं। जिनका जाप खर मास में किया जाए तो पुण्य मिलता है। मंत्र जाप करते समय विष्णु भगवान का ध्यान करना चाहिए। ऐसा ध्यान करना चाहिए कि वो नवीन और मेघ के समान श्याम हैं। वो दो भुजधारी हैं। पीले वस्त्र पहने हुए हैं और बांसुरी बजा रहे हैं। ऐसे रूप में भगवान का ध्यान करना चाहिए।

मंत्रः
ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय

स्नान-दान

मीन मास में सूर्योदय से पहले उठकर पानी में गंगाजल की कुछ बूंदे और तिल मिलाकर नहाएं। फिर सिर पर चंदन का तिलक लगाएं। इसके बाद उगते हुए सूरज को अर्घ्य दें। फिर दिन में गाय को घास खिलाएं। इसके बाद जरुरतमंद लोगों को खाने की चीजें और कपड़ों का दान करना चाहिए।

नारद मुनि और विष्णु जी की कथा

जब कोई हमारा अपमान करे तो हमें धैर्य नहीं छोड़ना चाहिए

माया से विश्वमोहिनी नाम की राजकुमारी का स्वयंवर आयोजित किया। नारद जी ने विश्वमोहिनी को देखा तो वे उस पर मोहित हो गए और उससे विवाह करने का मन बना लिया। विश्वमोहिनी के स्वयंवर में देवर्षि नारद भी जाना चाहते थे। इसलिए नारद जी विष्णु जी के पास पहुंच गए। उनसे कहा कि मुझे सुंदरता दे दीजिए, जिसे देखकर विश्वमोहिनी मुझे विवाह के लिए चुन ले। विष्णु जी ने नारद मुनि को वानर बना दिया। नारद जी ऐसे ही स्वयंवर में पहुंच गए।

स्वयंवर शुरू हुआ तो विष्णु जी भी वहां पहुंच गए। विश्वमोहिनी ने नारद मुनि को नहीं, बल्कि विष्णु जी को चुन लिया और वरमाला पहना दी। नारद मुनि को मालूम हुआ कि विष्णु जी ने उनका चेहरा वानर की तरह बना दिया है। इस बात वे बहुत गुस्सा हो गए। गुस्से में उन्होंने विष्णु जी को शाप दे दिया। अपमान करने लगे। विष्णु जी नारद मुनि की बातें मुस्कान के साथ ध्यान से सुन रहे थे। नारद मुनि गुस्से में बोलते ही जा रहे थे। उन्होंने कहा कि आपने मुझे धोखा दिया है। आप भगवान हैं, इसका मतलब ये नहीं है कि आप किसी को भी ठग लेंगे।
आज आपकी वजह से मुझे स्त्री का वियोग सहना पड़ा है। मैं आपको शाप देता हूं कि आपको भी स्त्री वियोग होगा। आपने मुझे बंदर का चेहरा दिया है तो एक दिन आपको बंदरों की मदद लेनी होगी।
ये सारी बातें लक्ष्मी जी भी सुन रही थीं। देवी ने विष्णु जी से कहा कि आप इतनी बातें क्यों सुन रहे हैं? विष्णु जी ने देवी से कहा कि नारद मुनि से स्तुति बहुत सुनी है, आज निंदा भी सुन लेते हैं। जब नारद जी शांत हुए तो विष्णु ने कहा कि मैं आपका शाप स्वीकार करता हूं। इसके बाद भगवान ने उन्हें समझाया कि आप संत हैं, आपको घमंड हो गया है और आपके जैसे संत के लिए घमंड करना अच्छा नहीं। इस वजह से मैंने आपका घमंड तोड़ने के लिए ही ये पूरी माया रची थी। वह राज्य, राजकुमारी, स्वयंवर सब मेरी माया ही थी। आप जैसे संत के मन में एक राजकुमारी के लिए कामवासना जागना सही नहीं है। आपको इन बुराइयों से दूर रहना चाहिए।
नारद मुनि को विष्णु जी की बातें समझ आ गईं और उन्होंने क्षमा मांगते हुए बुराइयों से बचाने के लिए विष्णु जी को धन्यवाद दिया।

प्रसंग की सीख

इस प्रसंग में विष्णु जी ने संदेश दिया है कि जब कोई हमारा अपमान करता है तो हमें धैर्य से काम लेना चाहिए। गुस्से का जवाब गुस्से से देंगे तो बात और ज्यादा बिगड़ सकती है। सामने वाले का गुस्सा शांत होने की प्रतीक्षा करें और जब वह शांत हो जाए तब उसे समझाना चाहिए। ऐसा करने से बड़े विवाद को टाला जा सकता है।

श्री राम के नाम पर रखें बच्चे का नाम मर्यादा पुरुषोत्तम की तरह होंगे चरित्रवान

हर व्यक्ति की पहचान उसके नाम और कर्मों से होती है, इसलिए बोला जाता है कि नाम सोच-समझ कर रखना चाहिए। कहा भी गया है कि जैसा नाम वैसा ही काम, इसलिए पौराणिक काल में लोग भगवान के नाम पर अपने बच्चों के नाम रखा करते थे, ताकि उनका बच्चा आगे चलकर अच्छे कर्मों से पहचाना जाए। समय के बदलने के साथ यह चलन कम हो गया है। आज के समय में लोग अपने बच्चों का मॉडर्न नाम रखते हैं। आज हमें दिल्ली निवासी ज्योतिष आचार्य आलोक पाण्डया बता रहे हैं, भगवान राम के कुछ ऐसे नाम जो सुनने और देखने में मॉडर्न और यूनिक हैं। यदि आप भी अपने बेटे के लिए नाम खोज रहे हैं तो भगवान राम के इन नामों पर आपको जरूर गौर करना चाहिए।

अविराज : भगवान राम के अनेकों नामों में एक नाम है अविराज। आज के मॉर्डन नजरिए से देखा जाए तो ये काफी यूनिक नाम है। अविराज का अर्थ होता है सूर्य की तरह चमकने वाला। यदि आप अपने बेटे का नाम भगवान राम के नाम पर रखना चाहते हैं तो ये एक अच्छा ऑप्शन हो सकता है।

मानविक : ये भी भगवान राम का एक नाम है। यदि आप चाहते हैं कि आपका पुत्र बुद्धिमान, दयालु और भगवान में आस्था रखने वाला हो तो आप अपने बेटे का नाम मानविक रख सकते हैं।

विराज : भगवान राम के कई नामों में से एक नाम है विराज, भगवान राम सूर्यवंशी थे, इसलिए उन्हें सूर्य का राजा भी कहा जाता है और इस नाम का अर्थ भी यही है। मॉडर्न जमाने के अनुसार देखा जाए तो ये काफी यूनिक नाम है।

शाश्वत : सनातन धर्म का एक दूसरा नाम है शाश्वत और यही राजाराम का भी नाम है। ये नाम अपने आप में जितना अनोखा है। उतना ही यूनिक भी है इसलिए आप अपने बालक का नाम ये रख सकते हैं।

अद्वैत : भगवान राम का एक नाम अद्वैत भी है। आप अपने पुत्र का ये नाम रख सकते हैं। इस नाम का अर्थ है अतुल्य या इनके जैसा कोई नहीं।

अथर्व : चार वेदों में से एक वेद अथर्व भी है और यही भगवान राम का नाम भी है। इस नाम का अर्थ होता है वेदों का ज्ञाता।

आज से खत्म हो रही सूर्य-शनि की युति

इन 3 राशि के जातकों की चमकेगी किस्मत

ज्योतिष शास्त्र में प्रत्येक ग्रह के बारे में विस्तार से बताया गया है। इसमें उल्लेख मिलता है कि हर ग्रह एक निश्चित समय पर राशि परिवर्तन करता है। वैदिक गणित के अनुसार, जब कोई दो ग्रह एक राशि में मिलते हैं तो उस घटना को उन दोनों ग्रहों की युति कहा जाता है, जो प्रत्येक राशि पर शुभ और अशुभ दोनों ही तरह का प्रभाव डालते हैं। इसी क्रम में सूर्य देव और शनि देव की युति 15 मार्च 2023 को खत्म होने वाली है, जिससे कई राशियों को शुभ समाचार प्राप्त होने वाले हैं। वे कौन सी राशियां हैं, आइए जानते हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा से।

वृषभ राशि के जातक

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिन जातकों की राशि वृषभ है, उनके लिए सूर्य शनि की युति समाप्त होना लाभकारी माना जा रहा है। इन जातकों को कार्य क्षेत्र में अधिकारियों का सहयोग मिल सकता है। कई बड़े प्रोजेक्ट मिल सकते हैं, जिससे व्यापार में लाभ होगा। अच्छी नौकरी की तलाश पूरी होगी, दोस्त से आर्थिक सहयोग मिल सकता है।

कर्क राशि के जातक

सूर्य के राशि परिवर्तन से कर्क राशि के जातकों का भाग्य बदल सकता है। धार्मिक यात्रा के योग बन रहे हैं, सरकारी नौकरी में प्रमोशन हो सकता है। लंबे समय से चली आ रही आर्थिक परेशानी दूर होगी।

मकर राशि के जातक

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, जिन जातकों की राशि मकर है उनके लिए सूर्य और शनि की युति समाप्त होना लाभकारी सिद्ध हो सकता है। आप बेहद धन लाभ कमा सकते हैं। देश यात्रा के योग बन रहे हैं जिससे आपको शुभ समाचार प्राप्त होंगे। परिवार में लंबे समय से चले आ रहे झगड़े खत्म होंगे। समाज में मान सम्मान बढ़ेगा। मानसिक तनाव दूर होगा।

पूजा में सबसे अधिक क्यों चढ़ाते हैं गेंदा के फूल?

अक्सर आपने लगभग सभी प्रकार की पूजा पाठ में गेंदे के फूल का इस्तेमाल होते हुए देखा होगा। सनातन धर्म में देवी देवताओं को पूजा के समय पुष्प अर्पित किए जाते हैं। इन सभी पुष्पों में सबसे ज्यादा गेंदे के फूल चढ़ाए जाते हैं। गेंदे के फूलों को ना सिर्फ पूजा में इस्तेमाल किया जाता है बल्कि घर की साज-सज्जा में भी इसका उपयोग किया जाता है। धार्मिक कार्यों में अन्य फूलों की अपेक्षा गेंदें का फूल का प्रयोग सबसे ज्यादा किया जाता है। बल्कि इसकी शुभता का भी विशेष स्थान है। हिंदू धर्म में पूजा पाठ के दौरान गेंदे के फूल का सबसे ज्यादा प्रयोग किया जाना देखा गया है। क्या है इसके पीछे की वजह बता रहे हैं भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु सलाहकार पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा।

गेंदे के फूल का महत्व

देवी देवताओं की पसंद : गेंदे का फूल पीला और केसरिया रंग में पा या जाता है। हिंदू धर्म में मान्यता है कि ये दोनों रंग भगवान को अति प्रिय होते हैं। इसलिए यह फूल सभी देवी देवताओं को चढ़ाए जाते हैं।

बृहस्पति ग्रह से संबंध : ज्योतिष शास्त्र में गेंदे के फूल का संबंध बृहस्पति ग्रह से बताया जाता है। गेंदें के फूल से बृहस्पति प्रसन्न होते हैं। वह व्यक्ति को विद्या एवं ज्ञान का आशीर्वाद देते हैं। ज्योतिष शास्त्र में बृहस्पति ज्ञान और बुद्धि के कारक ग्रह माने गए हैं।

ज्ञान का फूल : गेंदे के फूल को ज्ञान का फूल भी कहा जाता है। यही कारण है कि शुभ कार्यों में गेंदे के फूल का इस्तेमाल अधिक होता है, ताकि इसके प्रभाव से व्यक्ति में ज्ञान का संचार होता रहे और उनकी बुद्धि तीव्र बनी रहे।

त्याग का प्रतीक : गेंदे का फूल पीला या हल्का केसरिया रंग का पाया जाता है। जहां यह रंग प्यार के लिए जाना जाता है। वहीं दूसरी तरफ इस रंग को अग्नि जैसे प्रचंड व्यक्तित्व का परिचायक भी माना गया है।

धार्मिक विचारों वाले इंसान हैं एम.एम कीरवानी

शेषनाग की आकृति वाले सिंहासन पर बैठकर म्यूजिक बनाते हैं..

ऑस्कर विजेता संगीतकार एमएम कीरवानी के साथ अजय देवगन और नीरज पांडे ने अपनी अगली फिल्म के लिए कोलैबोरेट किया है। अजय देवगन ने कहा, 'कीरवानी जी के संगीत की जितनी तारीफ की जाए, कम है।' एमएम कीरवानी को हिंदी गानों में सबसे पहले मुकेश भट्ट लेकर आए थे। वो 90 के दशक में आई नागार्जुन और मनीषा कोईराला की फिल्म 'क्रिमिनल' थी। उसमें गाने गीतकार इंदीवर के थे। मशहूर संगीतकार ललित पंडित ने एमएम कीरावनी की मदद की थी। ललित पंडित ने बताया, 'दरअसल तब कीरवानी साहब को लैंग्वेज की प्रॉब्लम थी। ऐसे में मुकेश भट्ट साहब ने मुझसे कहा कि इंदीवर की हेल्प करें। उन्होंने कहा कि इंदीवर से गाने लिखवा लूं। उसके बाद मैं और कुमार सानू साउथ में कीरवानी जी के ऑफिस भी गए। इसके बाद कीरवानी ने गाना 'तू मिले दिल खिले' कंपोज किया, जिसे फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला है।

ललित पंडित ने आगे बताया, 'कीरवानी जी बड़े धार्मिक इंसान हैं। उनके ऑफिस के म्यूजिक रूम में हमने देखा कि एक शेषनाग की आकृति का सिंहासन है। ऊपर शेषनाग के फन का स्ट्रक्चर है। कीरवानी साहब उस पर बैठकर म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट के साथ म्यूजिक कंपोज करते हैं। माथे पर भभूत लगाते हैं। हम बड़े खुश हैं, जो उनके संगीत से हिंदुस्तान का मान बढ़ा है। उनके नाम कीरवानी का अर्थ होता है राग। संयोग देखिए कि संगीत उनकी रग रग में है।'

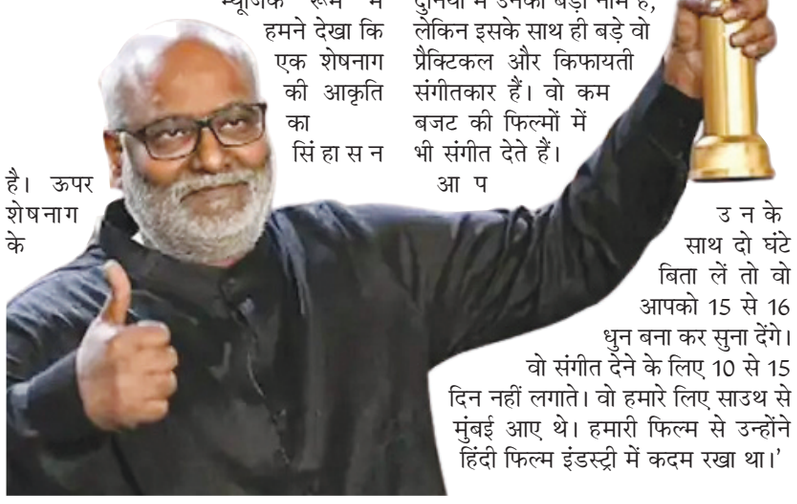

प्रोड्यूसर मुकेश भट्ट ने बताया, 'कीरावनी जी को तो बहुत पहले इस तरह के सम्मान मिल जाने चाहिए थे। उनके कंपोजिशन बेहद ओरिजिनल हैं। उनके संगीत में कोई मिलावट नहीं है। वो गाने कॉपी नहीं करते हैं। हमारे लिए जो उन्होंने 'क्रिमिनल' के गाने का म्यूजिक दिया, वो आज भी अमर है। साथ ही फिल्म 'जख्म' के लिए जो उन्होंने 'गली में आज चांद निकला' दिया, वो भी अमर है। जो सम्मान उन्हें आज मिला है, वह बहुत पहले मिल जाना चाहिए था।'

मुकेश भट्ट ने बताया, 'उनके पास 10 हजार से ज्यादा कंपोजिशन होंगे। संगीत की दुनिया में उनका बड़ा नाम है, लेकिन इसके साथ ही बड़े वो प्रैक्टिकल और किफायती संगीतकार हैं। वो कम बजट की फिल्मों में भी संगीत देते हैं। आप उनके साथ दो घंटे बिता लें तो वो आपको 15 से 16 धुन बना कर सुना देंगे। वो संगीत देने के लिए 10 से 15 दिन नहीं लगाते। वो हमारे लिए साउथ से मुंबई आए थे। हमारी फिल्म से उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था।'

फिल्म ज्विगाटो रिलीज से पहले शहनाज गिल के शो पर प्रमोशन के लिए पहुंचे कपिल शर्मा

कपिल शर्मा अपने कॉमेडी शो में दूसरों की फिल्मों की प्रमोशन करते रहते हैं। लेकिन अब जब उनकी फिल्म ज्विगाटो रिलीज हो रही है तो वो शहनाज गिल के शो पर प्रमोशन के लिए पहुंच गए हैं। शहनाज गिल ने कपिल संग अपने शो की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें दोनों खुलकर हंसते नजर आ रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि इस शूट में खूब फन हुआ है। कपिल तो हैं ही कॉमेडी किंग और शहनाज भी मस्तमौला हैं तो धमाचौकड़ी तो बनती ही है।

हाल ही में शहनाज ने एक वीडियो फैंस के साथ साझा किया है, जिसमें वे कपिल शर्मा के साथ नजर आ रही हैं। वीडियो उनके शो का एक छोटा सा क्लिप है जहां दोनों एक्टर्स की केमेस्ट्री देखने को मिल रही है। वीडियो में शहनाज कुछ ऐसा बोलती दिखती हैं, जिसे सुनकर कपिल अपनी हंसी नहीं रोक पाते। शहनाज कहती हैं कि उनके पास डॉलफिन से भी ज्यादा दिमाग है।

शहनाज कहती हैं- 'नकल के लिए भी दिमाग चाहिए, जो सबके पास नहीं होता'। इस बात पर कपिल सिर हिला कर हांमी भरते हैं। इसक शहनाज कहती हैं, 'मेरा डॉलफिन से भी ज्यादा है। ऐसे में कपिल शहनाज से पूछते हैं- 'डॉलफिन का ज्यादा होता है?' तब शहनाज जवाब देती हैं- हां, अभी बात हो रही थी कि डॉलफिन का ज्यादा दिमाग होता है, जानवरों में सबसे ज्यादा डॉलफिन का दिमाग होता है। मेरा उससे भी ज्यादा है'। ये सुनकर कपिल हंसी नहीं रोक पाते और शहनाज को ताली देते हुए हंस पड़ते हैं।

शहनाज ने इस वीडियो को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'कपिल शर्मा आप बढ़िया हो। ये तो सिर्फ ट्रेलर है फुल एपिसोड कल देखिए'। इस वीडियो को देख कर तमाम सोशल मीडिया सेलेब्स रिएक्शन दे रहे हैं और वीडियो एंजॉय कर रहे हैं। यशराज मुखाते ने लिखा- दोनों ही मेरे फेवरेट हैं। तो वहीं हर्ष गुजराल ने भी शहनाज के इस वीडियो को दिल वाले इमोजी दिए।

बता दें की 17 मार्च को कपिल शर्मा की फिल्म ज्विगाटो आ रही है। इस फिल्म का उन्होंने अपने खुद के शो 'द कपिल शर्मा शो' में भी अलग अंदाज में प्रमोशन किया था। कपिल ने अपनी फिल्म की टीम को सेट पर बुलाया था और खुद भी अपने ही शो पर गेस्ट बनकर आए थे। वहीं उस दौरान चंदू शो में इंटरव्यू लेते दिखे थे।

मुश्किल वक्त में बिग बी को फिर याद आए बाबूजी? कही यह बात

अभिनेता अमिताभ बच्चन इन दिनों अपने घर पर आराम कर रहे हैं। बता दें कि बीते दिनों फिल्म 'प्रोजेक्ट के' की शूटिंग के दौरान बिग बी हादसे का शिकार हो गए थे। इसके बाद उनकी पसलियों में चोट आई। फिलहाल डॉक्टर्स ने उन्हें आराम करने की सलाह दी है। अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं और नियमित रूप से पोस्ट साझा करते नजर आते हैं। आज उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो साझा किया है। इसमें वह अपने बाबू जी और दिवंगत कवि हरिवंश राय बच्चन की लिखी कुछ पंक्तियों को दोहराते नजर आ रहे हैं।

सोशल मीडिया पर साझा किए वीडियो में बिग बी कहते नजर आ रहे हैं, 'मन का हो तो अच्छा...न हो तो और अच्छा...मैं अक्सर अपने पिता की यह बात दोहराता नजर आता हूं। मैं अनगिनत बार यह बात कह चुका हूं कि अगर आपके मन का हो तो अच्छा है और अगर नहीं होता है तो और भी ज्यादा अच्छा है। मेरे पिता ने यह बात मुझे सबसे पहले सिखाई। लेकिन, मुझे उनकी यह बात समझ नहीं आती थी। बाबूजी समझाते थे कि अगर जीचें तुम्हारे हिसाब से नहीं हो रहीं तो समझो कि चीजें किसी दैवीय शक्ति की मर्जी से हो रही हैं और वह दैवीय शक्ति तुम्हारे बारे में कभी बुरा नहीं सोचेगी। तुम्हें इसका सम्मान करना चाहिए। ऐसे में जब चीजें मेरे हिसाब से होतीं तो यह ठीक रहता, नहीं होतीं तो मुझे उस दैवीय शक्ति का ख्याल आता और मैं सोचता कि किसी अन्य मौके का इंतजार करना चाहिए।'

मुश्किल वक्त में साहस देती हैं ये लाइनें

अमिताभ बच्चन आगे कहते नजर आ रहे हैं, 'जब मैं संघर्ष कर रहा था तो बाबू जी से कहता था, 'बाबूजी, बड़ा संघर्ष है जीवन में। वह कहते, 'जब तक जीवन है तब तक संघर्ष है।' अमिताभ बच्चन ने कहा, 'अगर हम इस फैक्टर को स्वीकार कर लें कि जिंदगी कभी आसान नहीं होने वाली, कुछ न कुछ जिंदगी में होता रहेगा तो निराशा में खोने की बजाय हम यह समझ जाएंगे कि अगले दिन और ज्यादा चुनौती हैं, हो सकता है कुछ उम्मीद के मुताबिक हो और हो सके न भी हो। लेकिन नई शुरुआत के लिए फिर एक नया दिन होगा।' बिग बी ने कहा, 'जब भी दिमाग में बुरे ख्याल आए तो यही पंक्तियां हमेशा ऊर्जावान बनाती हैं।'

बता दें कि अमिताभ बच्चन का यह एक पुराना वीडियो है, जो उन्होंने आज साझा किया है। इस वीडियो पर यूजर्स ने कमेंट्स की झड़ी लगा दी है। हर कोई हरिवंश राय बच्चन की लाइनों को सराहता नजर आ रहा है। एक यूजर ने लिखा, 'क्योंकि जब हमारे मन का नहीं हो रहा होता तो ईश्वर के मन का हो रहा होता है जो हमारे लिए और अच्छा होता है।' एक अन्य यूजर ने लिखा, 'आप इसी तरह हमें प्रेरित करते रहिए।' एक यूजर ने लिखा, 'जिंदगी की सबसे बड़ी सीख है यह।'

'शाकुंतलम' फिल्म हमेशा मेरे करीब रहेगी : सामंथा

साउथ अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु लगातार अपनी फिल्मों को लेकर चर्चा में बनी हुई हैं। सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी फिल्म 'शाकुंतलम' को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। फिल्म 'शाकुंतलम' में सामंथा ने मेनका और विश्वामित्र की बेटी शकुंतला की भूमिका निभाई है। हाल ही में, सामंथा ने फिल्म की फाइनल कॉपी देखी है और इसे देखने के बाद सामंथा काफी भावुक हो गई, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से बयान किया है।

हाल ही में, सामंथा रुथ प्रभु ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी आगामी फिल्म 'शाकुंतलम' की फाइनल कॉपी को देखने के बाद अपने विचार फैंस संग साझा किया है। सामंथा ने लिखा, 'आखिरकार मैंने यह फिल्म देख ही ली। इस फिल्म को देखने के बाद गुणशेखर गरु, अब तुम्हारे पास मे रा दि ल है। यह कितनी खूबसूरत फिल्म है। हमारे महान महाकाव्यों में से एक है। इसे कितने प्यार से जीवंत किया गया है।'

सामंथा ने आगे लिखा, 'मैं अपने परिवार और दर्शकों के इस फिल्म को देखने का इंतजार नहीं कर सकती हूं। जो भी यह फिल्म देखेगा वह इस प्यार भरी भावना में बह जाएगा। आप सभी बच्चे आप हमारी जादुई दुनिया से प्यार करने जा रहे हैं। मैं दिल राजू गरु और नीलिमा को इस शानदार यात्रा के लिए धन्यवाद कहना चाहती हूं। शाकुंतलम हमेशा मेरे करीब रहेगा।'

आपको बता दें कि फिल्म 'शाकुंतलम' निर्देशक गुणशेखर द्वारा निर्मित और निर्देशित है। यह फिल्म हिंदी, तमिल, मलयालम और कन्नड़ में रिलीज होगी। यह प्रोजेक्ट गुणशेखर के साथ सामंथा की पहली साझेदारी है। इस फिल्म की कहानी राजा दुष्यंत और शकुंतला की पौराणिक कथा से प्रेरित है और महाकवि कालिदास के संस्कृत नाटक अभिज्ञान 'शाकुंतलम' से ली गई है।

इस फिल्म में सामंथा और देव मोहन के अलावा अल्लू अरहा, सचिन खेडेकर, कबीर बेदी, डॉ. मोहन बाबू, प्रकाश राज, मधुबाला, गौतमी, अदिति बालन, अनन्या नागल्ला, जिशु सेनगुप्ता भी अहम भूमिका में नजर आने वाले हैं।

खुशाली कुमार के हाथ लगी नई फिल्म

अभिनेत्री खुशाली कुमार के फैंस के लिए अच्छी खबर है। अपनी पसंदीदा एक्ट्रेस को जल्द ही एक शानदार फिल्म में अभिनय करते देख सकेंगे। बता दें कि खुशाली ने एक नई फिल्म साइन की है। यह फिल्म बीना नायक की चर्चित किताब 'स्टारफिश पिकल' पर आधारित होगी। इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी अखिलेश जायसवाल के कंधों पर है। खुशाली के अलावा फिल्म में मिलिंद सोमन, एहान भट और तुषार खन्ना भी अहम रोल में नजर आएंगे।

खोताखोर के जीवन पर है आधारित

इस फिल्म में दर्शकों को माल्टा की खूबसूरत और आकर्षक जगहों का दीदार करने का मौका मिलेगा। बता दें कि बीना नायक की यह किताब एक कुशल गोताखोर तारा सलगांवकर की जिंदगी के इर्द-गिर्द है। तारा अपने आसपास के सभी लोगों के लिए एक रहस्य है। यह फिल्म दर्शकों को पानी के अंदर की खूबसूरत दुनिया की सैर पर ले जाएगी।

मजबूत लड़की का किरदार अदा करेंगी खुशाली

फिल्म में खुशाली तारा का किरदार अदा करती दिखेंगी, जो कि एक बेहद मजबूत लड़की है। तारा का एक बुरा अतीत है। वह उससे बाहर निकलने की कोशिश करती है, इस कड़ी में तमाम सामाजिक परंपराओं और वर्जनाओं को तोड़ती नजर आती है। तारा की जिंदगी तब एक नया मोड़ लेती है, जब उसकी मुलाकात गुरुजी से होती है। बता दें कि फिल्म में गुरुजी के रोल में मिलिंद सोमन नजर आएंगे।

गुरुजी से मिलने के बाद तारा की जिंदगी नई करवट लेती है और पूरी तरह बदल जाती है। कुल मिलाकर फिल्म की कहानी काफी दिलचस्प है। इस फिल्म पर मकेर्स जल्दी काम शुरू करेंगे। फिलहाल फिल्म के सितारे तैयारियों में जुट गए हैं और डाइविंग स्कूल में स्पेशल ट्रेनिंग ले रहे हैं।

'उन लोगों में से नहीं जो जाकर काम मांगे' : अंकिता लोखंडे

टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता फेम अंकिता लोखंडे ने हाल ही में बताया कि कंगना के साथ मणिकर्णिका करने के बाद अभी तक उन्हें किसी भी प्रोजेक्ट में काम नहीं मिला है। मीडिया को दिए इंटरव्यू में अंकिता ने बताया कि इतने सालों से इंडस्ट्री में रहने के बावजूद किसी ने उन्हें कोई काम ऑफर नहीं किया। साथ ही अंकिता मानती हैं कि वो उन लोगों में से नहीं है, जो किसी से जाकर काम मांगती हैं और यही वजह है कि उन्होंने फैसला किया है कि केवल उन्हीं प्रोजेक्ट में काम करेंगी, जो उनके पास आएंगे।

अंकिता ने बॉलीवुड बबल से बातचीत में कहा- मेरा कोई गॉडफादर नहीं है, इसलिए मैं वहां फंसी हुई हूं। मणिकर्णिका के बाद, मेरे हाथ कभी कोई भी मौका नहीं लगा। सच कहूं तो मुझे पता है कि मैं टैलेंटेड थी, लेकिन आपके पास आना भी तो चाहिए, जिसे आप मना कर भी कर सको।अंकिता ने आगे कहा- ये इंडस्ट्री बहुत अलग है। कई लोग कहते हैं कि उन्हें अच्छे प्रोजेक्ट्स नहीं मिल रहे हैं। मुझे तो मना करने के लिए भी कोई प्रोजेक्ट नहीं मिला और मैं किसी से जाकर काम नहीं मांग सकती। मैं उन एक्ट्रेसेस में से नहीं हूं।'

टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता से मिली थी अंकिता को पहचान

बता दें कि अंकिता लोखंडे टीवी सीरियल पवित्र रिश्ता के जरिए घर-घर में जाना पहचाना नाम बन गईं। दिवंगत एक्टर सुशांत सिंह के साथ उनकी जोड़ी को खूब पसंद किया गया। सीरियल के दौरान ही दोनों रिलेशनशिप में आए। हालांकि, कुछ सालों तक डेट करने के बाद दोनों का ब्रेकअप हो गया।

अखिरकार, 2019 में अंकिता लोखंडे ने कंगना की फिल्म मणिकर्णिका से बॉलीवुड में डेब्यू किया, हालांकि, वो फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर खास कमाल नहीं दिखा पाई। वही 2021 में अंकिता ने बिजनेसमैन विक्की जैन से शादी कर ली। भले ही अंकिता फिल्मों और टीवी शोज में उतनी एक्टिव न हों, लेकिन सोशल मीडिया पर वो अक्सर फोटोज और वीडियोज शेयर किया करती हैं।

शाहरुख खान ने कपिल शर्मा से 'ड्रग्स' को लेकर पूछ दिया ऐसा सवाल, सुर्खियों में कॉमेडियन

कपिल शर्मा आज के समय में किसी पहचान के मुहताज नहीं हैं। हालांकि, टेलीविजन की दुनिया के नंबर 1 कॉमेडियन कपिल ने इस मुकाम तक पहुंचने के लिए काफी मेहनत की है। वहीं एक दौर ऐसा भी था जब सबको हंसाने वाले कपिल खुद डिप्रेशन से जूझ रहे थे, इस दौरान उन्हें शराब की बुरी लत लग गई थी। इंडस्ट्री में भी कॉमेडियन की छवि काफी बुरी बन गई थी। इतना ही नहीं अपने अस्थिर व्यवहार की वजह से वह अक्सर शूटिंग सेट पर भी देरी से पहुंचा करते थे। अपने उसी दौर को याद करते हुए कपिल शर्मा ने कई बड़े और चौंकाने वाले खुलासे किए हैं। साथ ही वो लम्हा भी याद किया है जब शाहरुख खान ने उनकी काउंसलिंग ली थी।

कपिल शर्मा ने नशे के दौर को किया याद

एक प्रमुख मीडिया संस्थान ने बातचीत में कपिल शर्मा से पूछा कि क्या उनके शो में अतिथि के रूप में आने वाले बड़े फिल्मी सितारों में से किसी ने उनके जरिए शो रद्द किए जाने या फिर देरी पर आपत्ति जताई। इसपर कपिल ने स्वीकार किया कि उनके मानसिक स्वास्थ्य के कारण काम में काफी दिक्कतें आईं। हालांकि, कपिल ने आखिरी समय पर खुद के जरिए शो रद्द कर दिए जाने पर शाहरुख खान के जरिए दी गई एक प्रतिक्रिया को भी याद किया।

नशे पर कपिल शर्मा का बयान

कपिल ने कहा, 'जब आप नशे में होते हैं, तो आप आश्वस्त होते हैं, लेकिन जब आप शांत होते हैं, तो वास्तविकता आपके सामने आती है। मेरी गलती यह है कि मैं खुद को बेहतर महसूस कराने के लिए शराब पीता था।' कपिल ने याद किया जब उन्होंने एक कार्यक्रम रद्द कर दिया था जिसके लिए उन्होंने लाखों रुपये का भुगतान किया था, क्योंकि वह इसे करने की स्थिति में नहीं थे।

कपिल छोड़ना चाहते थे काम

कपिल शर्मा से उस कॉन्सर्ट को कैंसिल किए जाने पर सेलेब्स के रिएक्शन पर सवाल पूछा गया। इसपर कपिल ने कहा,'किसी को गुस्सा नहीं आया। मेरे शो का फॉर्मेट ऐसा है कि कोशिश करने पर भी देर नहीं हो सकती। हमें पूरे दिन में कई हिस्सों की शूटिंग करनी होती है... लेकिन हां, कई बार ऐसा भी होता था जब मैं आखिरी वक्त पर पीछे हट जाता था क्योंकि मुझे नहीं लगता था कि मैं इसे कर पाऊंगा।'

शाहरुख खान ने ली काउंसलिंग

कपिल शर्मा ने खुद के जरिए शाहरुख खान संग शूटिंग को आखिरी समय पर रद्द किए जाने को लेकर कहा,'शाहरुख खान शूटिंग रद्द होने के तीन या चार दिन बाद मुझसे मिले। वह उसी स्टूडियो में किसी काम से आए थे। हो सकता है कि एक कलाकार के रूप में वह समझ गए कि क्या हो रहा है। आखिरकार वह एक सुपरस्टार हैं और उन्होंने इंडस्ट्री में सबकुछ देखा है। उन्होंने मुझे अपनी कार में बुलाया, हम एक घंटे तक बैठे रहे और बातचीत की। उन्होंने मुझसे पूछा ड्रग्स लेता है? मैंने उनसे कहा कि मैं ड्रग्स नहीं लेता, लेकिन अब मेरा मन काम करने का नहीं होता। उन्होंने मुझे कुछ बहुत अच्छी बातें बताईं, मुझे सलाह दी। लेकिन यह उन स्थितियों में से एक है जिसे आप तब तक नहीं सुधार सकते जब तक कि आप खुद नहीं चाहते।'

रियलिटी शो जीतने पर फरीदा जलाल को मिला था बॉलीवुड का टिकट, 90 के दशक में बनीं सबसे पसंदीदा मां

हिंदी सिनेमा में बहुत से कलाकारों ने अपनी अदाकारी से गहरी छाप छोड़ी है। उनमें से ही एक नाम फरीदा जलाल का है। 1949 में जन्म लेने वाली फरीदा हर साल 14 मार्च को अपना जन्मदिन मनाती हैं। वह पिछले पांच दशकों से लोगों का लगातार मनोरंजन कर रही हैं। इस दौरान उन्होंने कई ऐसी भूमिकाएं भी निभाईं हैं, जिनकी यादें लोगों के जेहन में आज भी ताजा हैं। आज उनके बर्थडे पर आइए आपको एक्ट्रेस से जुड़ी खास बातें बताते हैं।

आपको जानकर हैरानी होगी कि फरीदा के एक्टिंग करियर की शुरुआत रियलिटी शो से हुई थी। इस प्रतियोगिता में राजेश खन्ना ने भाग लिया था। पुरुषों में उन्हें पहला स्थान मिला था। वहीं, हीरोइन के रूप में फरीदा ने इस कंपीटिशन में बाजी मारी थी। इसे जीतने के बाद फरीदा जलाल की जिंदगी रातों रात बदल गई थी।

इवेंट के बाद तारा चंद बड़जात्या ने उन्हें तकदीर ऑफर कर दी। ए सलाम के निर्देशन में बनी इस फिल्म में फरीदा के काम को काफी पसंद किया गया था। इसके बाद फरीदा को राजेश खन्ना के साथ भी स्क्रीन स्पेस शेयर करने का मौका मिला। इस फिल्म का नाम आराधना था। फिल्म में उन्होंने एक्टर की मंगेतर का किरदार निभाया था।

अपने एक्टिंग करियर में उन्होंने ज्यादातर सहायक भूमिकाएं निभाई हैं। मां के रोल में भी उन्हें लोगों का भरपूर प्यार मिला। अब तक उन्होंने 30 से अधिक फिल्मों में मां का रोल निभाया है। इसकी शुरुआत उन्होंने साल 1992 में आई फिल्म गर्दिश से की थी।

इस किरदार में वह इतनी जंची कि बाद में उन्हें दुलारा, लाडला, दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कुछ कुछ होता है जैसी फिल्म में मां बने देखा गया। फरीदा को आखिरी बार साल 2020 में फिल्म जवानी जानेमन में देखा गया था। इस फिल्म में उन्होंने सैफ अली खान की मां का रोल अदा किया था।

रूठ जाए पति तो मनाने के लिए ये ट्रिक्स आएंगे काम

जहां प्यार होता है, वहां नाराजगी, रूठना और मनाना भी होता ही है। अक्सर रिलेशनशिप में आपका पार्टनर आपसे नाराज हो जाता है, वह ये आस रखता है कि आप उन्हें मनाएंगे। सही समय पर और सही तरीके से अगर आप अपने पार्टनर की नाराजगी और गुस्से को दूर नहीं करते तो मामला बिगड़ सकता है।

पति- पत्नी हों या लवर्स अक्सर एक दूसरे से शिकायते और गिले शिकवे करते हैं। इसकी कई वजह होती हैं, हो सकता है कि काम की वजह से आप उन्हें समय न दे पा रहे हों या फिर उनके साथ कुछ क्वालिटी टाइम न बिता पा रहे हों। ऐसे में एक दूसरे से दूरियां बढ़ने लगती हैं। प्यार तो होता है लेकिन नाराजगी और गुस्सा ज्यादा होता है। जिसे सही समय पर दूर करना भी जरूरी होता है। रिलेशनशिप में आने वाली इन्हीं दूरियों को दूर करके रिश्ते में नयापन लाने और पहले से ज्यादा प्यार बढ़ाने के लिए आज हम आपको कुछ आसान टिप्स और ट्रिक्स बता रहे हैं।

अकेले बिताएं कुछ समय

ज्यादातर रिश्तों में दूरी की एक वजह पार्टनर को समय न देना होता है। अक्सर लड़ाई-झगड़े होने पर आपका पार्टनर आपसे यही शिकायत करता है कि आप उन्हें समय नहीं देतें। इसलिए जरूरी है कि आप उनके साथ कुछ क्वालिटी टाइम बिताएं। पार्टनर के साथ लंबे वेकेशन पर जाएं या लॉन्ग ड्राइव पर जा सकते हैं। इस दौरान पार्टनर के साथ अकेले वक्त बिताएं। उनसे बातें करें और उनकी बातें सुने व समझें। ताकि दूरियों को दोबारा प्यार में बदल सकें।

पार्टनर के चेहरे पर लाएं मुस्कान

रिलेशनशिप में नयापन और एक्साइटमेंट बनाएं रखने के लिए जरूरी है कि आप अपने पार्टनर के चेहरे पर छोटी छोटी बातों से मुस्कान लाने की कोशिश करें। समय समय पर उनकी थोड़ी सी तारीफ कर सकते हैं। पार्टनर को स्पेशल फील कराने के लिए हग करें। उनकी काम में मदद कर सकते हैं। खाने में उनके लिए कुछ स्पेशल बना सकते हैं।

सरप्राइज गिफ्ट दें

तोहफा आपकी फीलिंग जताने का एक शानदार तरीका होता है। हर किसी को गिफ्ट पसंद होते हैं। ऐसे में आप किसी खास मौके का इंतजार न करें बल्कि समय समय पर उन्हें सरप्राइज गिफ्ट दें। गिफ्ट महंगा न भी हो लेकिन आपके पार्टनर को जरूर पसंद आएगा।

रिश्ते में रखें स्पेस

रिलेशनशिप को मजबूत बनाएं रखने के लिए जरूरी है कि आप अपने पार्टनर को थोड़ा स्पेस दें। हद से ज्यादा रोक-टोक न करें। उनपर भरोसा रखें। आपके पार्टनर के अपना सोशल सर्किल हो सकता है, दोस्त होते हैं। उनके साथ वह समय स्पेंड करना चाहते हैं। आपकी रोक टोक से आप दोनों के रिश्ते बिगड़ सकते हैं। अपने पार्टनर के अच्छे दोस्त बनें।

चेहरे की सूजन को कम करने के लिए ये चीज आएगी काम

चेहरे की सूजन न केवल शर्मिंदगी का सामना कर सकते हैं बल्कि आपके लुक को भी खराब कर सकती हैं. ऐसे में इस सूजन को दूर करने के लिए कुछ घरेलू उपाय मौजूद हैं, जिनके इस्तेमाल किया जा सकता है. आज का हमारा लेख इसी विषय पर है. आज हम आपको अपने इस लेख के माध्यम से बताएंगे कि उसके चेहरे की सूजन को दूर करने के घरेलू उपाय आपके बेहद काम आ सकते हैं.

चेहरे की सूजन को दूर करने के उपाय

कभी-कभी चेहरे की सूजन भी डिहाइड्रेशन के लक्षणों में से एक हो सकता है यानी कि आपके शरीर में पानी की कमी हो गई है. ऐसे में यदि आप पर्याप्त मात्रा में पानी देते हैं तो इससे शरीर से टॉक्सिक पदार्थ बाहर आ जाते हैं. साथ ही डिहाइड्रेशन की समस्या भी दूर हो सकती है.

जब व्यक्ति ज्यादा मात्रा में नमक का सेवन कर लेता है तब भी उससे शरीर की सूजन का सामना करना पड़ता है. ऐसे में बता दें कि नमक युक्त भोजन शर्मिंदगी का सामना करा सकता है. साथ ही इसके कारण व्यक्ति को कई अन्य समस्याओं का भी सामना करना पड़ सकता है. ऐसे में नमक का सीमित मात्रा में सेवन करें. प्रभावित स्थान पर गर्म सिकाई की जाए तब भी सूजन की समस्या दूर हो सकती है. ऐसे में आप कपड़े को गर्म करके प्रभावित स्थान पर लगाएं. ऐसा करने से फायदा हो सकता है. ठंडी सिकाई के इस्तेमाल से भी चेहरे की सूजन को दूर कर सकते हैं. ऐसे में आम बर्फ के टुकड़े को एक कपड़े में लपेटकर प्रभावित स्थान पर रखें. ध्यान रहे कि आप डायरेक्ट बर्फ का इस्तेमाल अपनी त्वचा पर ना करें. ऐसा करने से त्वचा को नुकसान पहुंच सकता है.

पति के सामने पत्नी को नहीं करनी चाहिए ये पांच बातें, रिश्ते में आ सकती है दरार

पति-पत्नी का रिश्ता जितना मजबूत होता है, शादी के शुरूआती दिनों में उतना ही नाजुक भी होता है। एक महिला और पुरुष शादी के फेरे लेते समय सात वजन भी लेते हैं। इन वचनों में वह हर सुख दुख में एक दूसरे का साथ देना का वादा करते हैं लेकिन असल जिंदगी में दो लोगों का एक साथ रहना, एक दूसरे को समझना इतना आसान नहीं होता। आपकी छोटी बड़ी कई बातें आपके साथी के मन में नाराजगी ला सकती हैं और रिश्ते में खटास भर सकती हैं।

पति पत्नी को शादी के शुरुआती दिनों में एडजेस्ट करना पड़ता है। जब वह एक दूसरे को समझने के दौर में होते हैं तो कई उतार चढ़ाव उनके जीवन में आते हैं। कई बार तो आधी समस्या आपके कुछ ऐसा बोलने के कारण आ जाती हैं, जो आपके साथी को पसंद नहीं आती। महिलाएं खास कर बातों बातों में वह कह जाती है तो उनके रिश्ते में दरार ला सकता है। रिश्ते को मजबूत बनाने और किसी तरह की परेशानी से बचने के लिए पत्नियों को पति के सामने सोच समझ कर बोलना चाहिए। पत्नियों को अपने पति से बात करते समय कुछ बातों को खास ध्यान रखना चाहिए। जानते हैं उन पांच बातों के बारे में जो पत्नी को पति के सामने बिल्कुल नहीं करनी चाहिए।

मायके की न करें अधिक तारीफ

शादी के बाद अक्सर महिलाएं अपने पति या ससुरालवालों के सामने मायके की तारीफ करती हैं। ऐसा ज्यादा करने से बचें। मायके की अधिक तारीफ करने से हो सकता है कि आपके पति को ऐसा महसूस हो कि आप उनके परिवार से अपने परिवार की तुलना कर रही हैं। पति को ये भी लग सकता है कि आप उनके साथ खुश नहीं हैं और इसलिए अक्सर अपने मायके की ही तारीफ करती रहती हैं। ये पति को नापसंद हो सकता है।

ससुराल की बुराई करना

लगभग हर पुरुष चाहता है कि पत्नी उसके परिवार को अपना समझे। ऐसे में अगर आप अपने पति के सामने सास ससुर,ननद या देवर किसी की भी बुराई करती हैं तो ये आपके पति को अच्छा नहीं लगेगा। हो सकता है कि वह आपको कुछ न कहें लेकिन पति से बार बार ससुरालवालों की चुगली करना अच्छी बात नहीं। इससे पति के मन में रिश्ते को लेकर खटास आ सकती है।

न करें पति की तुलना

पति कभी भी पसंद नहीं करते कि पत्नी उनकी तुलना किसी और से करें। खास कर किसी अन्य पुरुष से अगर आप अपने पति की तुलना करती हैं तो उन्हें ये बुरा लग सकता है। इससे वह आपसे नाराज भी हो सकते हैं या बहस भी हो सकती है।

पति को दें अटेंशन

हर मर्द अपनी पत्नी का पूरा महत्व चाहता है। किसी कार्यक्रम या गैदरिंग के दौरान आप अपने पति को भूल न जाएं। उनको महत्व और समय दें। दोस्तों या रिश्तेदारों में इतना बिजी न हों कि पति के साथ समय बिताना ही याद न रहे।

पति को आपका अटेंशन चाहिए होता है। खासकर आपके और उनके दोस्तों के सामने। ऐसा न करने पर उन्हें बुरा लग सकता है और रिश्ते में दूरी आ सकती है।

अगर साड़ी में दिखना है सबसे अलग तो फॉलो करें ये टिप्स

जब भी लड़कियां मिस्टर इंडिया फिल्म में श्री देवी को साड़ी में देखती हैं, या फिर फिल्म मैं हूं ना की सुष्मिता सेन पर उनकी नजर पड़ती है तो उनका मन भी साड़ी पहनने का करने लगता है। साड़ी एक ऐसा भारतीय परिधान है, जिसे पहन कर हर लड़की खूबसूरत दिख सकती है। साड़ी पहन कर आप बोल्ड भी दिख सकती हैं और ब्यूटीफुल भी।

अगर आप भी कहीं किसी पार्टी में साड़ी पहनने का सोच रहीं हैं तो हमारा ये लेख आपके लिए मददगार साबित हो सकता है। दरअसल, हर किसी को अपने शरीर के हिसाब से ही साड़ी का चयन करना चाहिए। आज के लेख में हम आपको इसी बारे में बताने जा रहे हैं कि आखिर किस तरह से साड़ी पहनकर आप महफिल में छा सकती हैं। साड़ी पहनते समय कुछ बातों का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है ताकि आप उसमें कंफर्टेबल भी रहें और खूबसूरत भी दिखें।

फिगर के अनुसार करें साड़ियों का चयन

अगर आपका फिगर स्लिम है तो कॉटन, टिशू, टशर सिल्क फैब्रिक की साड़ियां आप पर बेहद खूबसूरत दिखेंगी। इन्हें पहनकर आप ज्यादा पतली भी नहीं लगेंगी। वहीं दूसरी तरफ अगर आप थोड़ी मोटी हैं तो शिफॉन, क्रेप, जॉर्जेट कपड़े की साड़ी पहनें। इसमें आप दुबली लगेंगी।

साड़ी लेते समय रखें लंबाई का ध्यान

साड़ी लेते समय अपनी लंबाई का खास ध्यान रखें। दरअसल, बड़े प्रिंट वाली और चौड़े बॉर्डर वाली साड़ियों से लंबाई कम लगती है। अगर बहुत अधिक लंबी महिलाएं इन्हें पहनेंगी तो उनका कद कम लगेगा। वहीं छोटे कद की महिलाएं बिना बॉर्डर या पतले बॉर्डर की साड़ियां ही पहनें जिससे उनका कद थोड़ा अधिक लगेगा।

खुद बनाएं अपना अलग स्टाइल

अगर आप हर रोज साड़ी पहनती हैं तो अपना स्टाइल खुद क्रिएट करें। अगर आपका शरीर भारी है तो साड़ी के भीतर स्ट्रेट कट और बिना कली के पेटीकोट पहनें जिससे साड़ी की फिटिंग अच्छी होगी और आप पतली लगेंगी। अगर आपको ऑफिस में साड़ी पहनना पसंद है तो हमेशा हल्के रंग की ही साड़ी पहनें। साड़ी पहनते समय प्लेट्स का खास ध्यान रखें।

रंग के हिसाब से खरीदें साड़ी

हमेशा अपने रंग के हिसाब से ही साड़ी का चयन करना चाहिए। ऐसा देखा जाता है कि गोरी महिलाओं पर साड़ी के गाढ़े रंग अधिक खिलते हैं जबकि दबे रंग की महिलाओं के लिए हल्के रंग की साड़ियां बेहतर लगती हैं।

चिपचिपे हो गए हैं रसोई के डिब्बे ? चायपत्ती की मदद से यूं करें साफ

हर किसी महिला के लिए उनके घर की रसोई काफी अहम होती है। जिसे वो काफी जतन से सजाती हैं और उसमे बड़े प्यार से खाना बनाती हैं। भले ही रसोई की कितनी भी सफाई कर ली जाए पर कुछ-कुछ दिनों में ही रसोई में रखे डिब्बे चिपकने लगते हैं। उनपर तेल की एक अजीब सी परत जमा हो जाती है। अगर इन पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जाए तो डिब्बों पर चिकनाई की एक परत जमा हो जाती है। जिसे निकालने के लिए घंटो तक हाथ से घिसाई करनी पड़ती है।

अगर आपकी रसोई में भी ऐसे डिब्बे हैं तो ये खबर आपके लिए है। इन डिब्बों को आसानी से साफ करने के लिए आज हम आपको एक नुस्खा बताने जा रहे हैं। इसके लिए आपको सिर्फ चायपत्ती की जरूरत है। आप इस्तेमाल की हुई चायपत्ती से डिब्बों की चिकनाई हटा सकती हैं। इसके लिए आपको ज्यादा मेहनत करने की भी जरूरत नहीं पड़ेगी।

ऐसे करें इस्तेमाल

लोग बची हुई चायपत्ती को या तो फेंक देते हैं या फिर पेड़-पौधों में डाल देते हैं। पर इसके इस्तेमाल से आप चिपचिपे डिब्बों को भी साफ कर सकते हैं। इसके लिए हमें चाय बनाने के बाद बची हुई चायपत्ती की जरूरत होगी। इतना ही नहीं चिकने बर्तनों को साफ करने के लिए भी आपको बची हुई चायपत्ती की जरूरत पड़ेगी।

ऐसे धोएं चिपचिपे डिब्बे

सबसे पहले चाय बनाने के बाद बची हुई चायपत्ती को एक पतीले में दोबारा उबाल लें।

अब इस पानी को छानने के बाद इस में दो चम्मच लिक्विड डिशवॉशर डालें।

इस पानी से आप चिपचिपे डिब्बों और बर्तनों को धो सकती हैं।

इस नुस्खे की मदद से आपके बर्तन एक दम धुल जाएंगें।

इस तरह की चीजों को भी करें साफ

चायपत्ती का इस्तेमाल सिर्फ गार्डनिंग के लिए नहीं किया जाता। इससे डिब्बों के साथ-साथ कई तरह के बर्तनों को साफ कर सकते हैं। कांच के बर्तनों में से दाग और चाप हटाने के लिए चायपत्ती का इस्तेमाल किया जा सकता है।

ऐसे धोएं कांच के बर्तन

इसके लिए पहले की तरह ही सबसे पहले चाय बनाने के बाद बची हुई चायपत्ती को एक पतीले में दोबारा उबाल लें। अब इस पानी को छानने के बाद इस में दो चम्मच लिक्विड डिशवॉशर डालें। इस पानी से आप कांच के बर्तन धो सकती हैं।

ऐसे बनाएं आलू के पापड़, साल भर तक नहीं होंगे खराब

कई लोगों की शिकायत होती है कि उनके द्वारा बनाए गए आलू के पापड़ साल भर से पहले ही खराब हो जाते हैं। ऐसे में इन्हें स्टोर करके रखना बेहद मुश्किल होता है। इसी समस्या को दूर करने के लिए आज हम आपको आलू के पापड़ बनाने की ऐसी तरकीब बताने जा रहे हैं, जिसको अपनाकर आप ऐसे पापड़ बना सकती हैं जो कि साल भर तक खराब नहीं होंगे। इन पापड़ों को बनाना भी बेहद ही आसान है। तो आइए देर ना करते हुए आपको आसान तरीके से आलू के पापड़ बनाना सिखाते हैं।

आलू के पापड़ बनाने के लिए जरूरी सामान

आधा किलो आलू
3 बड़े चम्मच कुटी लाल मिर्च
नमक स्वादानुसार
जरूरत के हिसाब से तेल

विधि

आलू के पापड़ बनाने के लिए सबसे पहले आलुओं को धोकर अच्छे से साफ कर लें। अब इन्हें कुकर में डालकर दो सीटी लगाएं। जब कुकर की सीटी निकल जाए तो आलुओं को पानी से निकाल इसे ठंडे कर लें। आलू ठंडे करने के बाद इन्हें कद्दूकस कर लें। कद्दूकस करने के बाद एक बार चमचे की मदद से आलुओं को अच्छे से मैश कर लें।

अब इसमें मिर्च, नमक डाले और एक बार फिर से अच्छे से मिला लें। इसके बाद पापड़ बेलने के लिए दो छोटी पॉलीथीन ले लिजिए। पॉलीथीन मे अंदर की तरफ तेल लगाएं और तेल लगी हुई आलु की लोई को पापड़ वाली मशीन के बीच में रखी पॉलीथीन पर रख दें। अब इसे अच्छे से दबाएं। अगर आपके पास मशीन नहीं है तो चकले की मदद से ऐसा करें।

पापड़ सुखाने के लिए एक बड़ी पारदर्शी पॉलीथीन लें और पापड़ बना-बना कर इस पर डालें। पापड़ बेलते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि लोई पर तेल लगा हो और पॉलीथीन में सूखी ना हो। इस पर भी तेल लगा हो। पापड़ बनाने के बाद इसे तीन से चार घंटे तक सूखने दें। इसके बाद अब एक साइड से पापड़ सूखने के बाद उसे पलट दें और फिर दूसरी तरफ से सूखने दें।अच्छे से सूखने के बाद यह पापड़ साल भर तक खराब नहीं होते हैं। अब आप इन पापड़ो को आराम से साल भर के लिए स्टोर कर सकती हैं। इन्हें आप कभी भी रोस्ट या फ्राई करके खा सकती हैं।

हृदय मजबूत करता है केला फायदे के साथ जानें नुकसान

सेहतमंद रहने के लिए लोगों को फलों के सेवन की सलाह दी जाती है। फल शरीर को पोषण देते हैं। फलों में विटामिन, प्रोटीन, मिनरल्स समेत पोषण से भरपूर होते हैं। कहा जाता है कि प्रत्येक सुबह खाली पेट एक सेब खाने से व्यक्ति स्वस्थ रहता है लेकिन सेब के अलावा भी कई फल हैं, जो बहुत पौष्टिक हैं। स्वस्थ रहने के लिए अगर आप फायदेमंद आहार का सेवन करना चाहते हैं तो केला भी लाभकारी हो सकता है। विशेषज्ञ प्रति दिन एक केला खाने की सलाह देते हैं। केले में विटामिन और पोषक तत्व मौजूद होते हैं। केले में पाए जाने वाले कार्बोहाइड्रेट, विटामिन ए, सी और बी-6, लोहा, फास्फोरस, कैल्शियम, मैग्नीशियम, जिंक, सोडियम, पोटेशियम शरीर को भरपूर पोषण देते हैं। इसके अलावा प्राकृतिक शर्करा जैसे सुक्रोज, फ्रक्टोज और ग्लूकोज पाए जाते हैं। केले को सूपरफूड कह सकते हैं।

केले के फायदे

केले में पोटेशियम होता है, वर्कआउट के बाद रूटीन में केला खाना फायदेमंद हो सकता है।

केले में विटामिन बी6 पाया जाता है जो दिमाग की ताकत बढ़ाने में लाभकारी है और इसके सेवन से याददाश्त तेज होती है।

केले वजन नियंत्रित रखने में फायदेमंद है।

केला कब्ज और पेट की समस्या से राहत दिलाता है।

केले में अमीनो एसिड की मात्रा ज्यादा होने के कारण हार्मोन का स्तर सही रहता है और मूड ठीक रहता है। इससे तनाव कम होता है।

केला हृदय की बीमारियों से बचाता है।

केले के सेवन के नुकसान

केले में कैलोरी की मात्रा बहुत ज्यादा होती है, जो वजन बढ़ाती है। इसलिए जिन लोगों का वजन ज्यादा होता है, उन्हें केले के सेवन से बचना चाहिए।

केले में प्रोटीन कम होता है, जिस कारण इसके सेवन से मसल्स कमजोर हो सकते हैं।

केले में पाए जाने वाले फ्रक्टोज पेट में गैस की समस्या कर सकते हैं।

अगर आपके गुर्दे काम नहीं कर रहे तो आपको केले का सेवन कम करना चाहिए। केले में पाए जाने वाला पोटेशियम गुर्दे पर दबाव डालता है।

क्या अश्नीर ग्रोवर के साथ भारतपे की आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट की बात चल रही, कंपनी ने दिया जवाब

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। फिनटेक प्लेटफॉर्म भारतपे ने सोमवार को कहा कि कंपनी और उसके पूर्व संस्थापक और प्रबंध निदेशक अशनीर ग्रोवर के बीच कोई समझौता वार्ता नहीं चल रही है। भारतपे ने ग्रोवर और उनके परिवार के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में कथित रूप से 88.6 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी का मामला दायर किया, जो वर्तमान में चल रहा है। कंपनी ने आईएएनएस को दिए एक बयान में कहा कि भारतपे और अश्नीर ग्रोवर या उनके परिवार के बीच किसी तरह के समझौते का सुझाव देने वाली रिपोर्ट पूरी तरह निराधार और असत्य है।भारतपे ने ग्रोवर और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफ दिल्ली उच्च न्यायालय में दीवानी मुकदमे के माध्यम से कानूनी कार्यवाही शुरू की और दिसंबर 2022 में धोखाधड़ी, धन की हेराफेरी, विश्वास का आपराधिक उल्लंघन, जालसाजी, दस्तावेज निर्माण और गबन के लिए आर्थिक अपराध शाखा के साथ आपराधिक शिकायत की। भारतपे ने कहा, हमें देश की न्यायिक और कानूनी व्यवस्था पर पूरा भरोसा है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने पहले ग्रोवर और उनकी पत्नी माधुरी जैन ग्रोवर को कंपनी द्वारा दायर एक मुकदमे पर समन जारी किया था, जिसमें फिनटेक फर्म के खिलाफ मानहानिपूर्ण बयान देने से रोकने की मांग की गई थी, जिसमें दंपति पर धन की हेराफेरी का आरोप लगाया गया था।

देश में खूब हो रहा डिजिटल करेंसी का इस्तेमाल

अबतक चलन में आए 130 करोड़ के ई-रूपी

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। देश में डिजिटल रुपये या ई-रुपये का चलन बढ़ा है। सोमवार को वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन ने जानकारी दी कि 28 फरवरी तक पायलट बेसिस पर देश में 130 करोड़ की कीमत के ई-रुपये सर्कुलेशन में हैं। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने डिजिटल रुपये को होलसेल सेगमेंट के लिए 1 नवंबर 2022 को जारी किया था, जबकि रिटेल सेगमेंट के लिए 1 दिसंबर 2022 को पेश किया गया था। पीटीआई के मुताबिक, वित्त मंत्री ने कहा कि नौ बैंकों को ई-रुपया सर्कुलेशन में रखा गया है। इसमें स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, यस बैंक, आईडीएफसी फर्स्ट बैंक और एचएसबीसी डिजिटल रुपये होलसेल पायलट प्रोजेक्ट के तहत शामिल हैं।

रिटेल के लिए सिर्फ 4.14 करोड़ ई-रुपये जारी

लोकसभा में एक लिखित जवाब में निर्मला सीतारामन ने कहा कि 28 फरवरी 2023 तक रिटेल (ई? - आर) और होलसेल के लिए डिजिटल रुपी में सर्कुलेशन क्रमशः 4.14 करोड़ रुपये और 126.27 करोड़ रुपये रहा है।

दुकानों पर ई-रुपये का कर सकते हैं उपयोग

e?-आर का डिजिटल टोकन लीगल टेंडर के तहत है और ये भारतीय रुपये के ही समान है। नोट हो या फिर सिक्का ई-रुपया दोनों के समान होगा। इसे योग्य बैंकों द्वारा वितरित किया जा रहा है। यूजर्स ई-रुपये को किसी भी दुकान या लोगों के साथ पार्टिसिपेट बैंकों के माध्यम से सर्कुलेट कर सकते हैं। इसके वॉलेट का यूज करते हुए दुकानों पर भुगतान भी किया जा सकता है।

कहां कर सकेंगे ई-रुपये खर्च

आरबीआई ने टी वेंडर, फ्रूट सेलर, स्ट्रीट साइड और साइड वाल वेंडर और छोटी दुकानों पर डिजिटल रुपये का उपयोग कर सकते हैं।

इसी तरह इंस्टीट्यूशनल मर्चेंट जैसे पेट्रोल पंप, रिटेल चेन और कई आउटलेट पर भी इसे यूज किया जा सकता है। वित्त मंत्री ने बताया कि करीब 3 महीने के दौरान रिटेल सेगमेंट में 4.14 करोड़ कीमत के डिजिटल रुपी सर्कुलेट हो चुके हैं।

पेट्रोलियम प्रोडक्ट्स पर टैक्स से सरकार की मोटी कमाई : 9 महीने में सरकार को मिले 5.45 लाख करोड़, टैक्स के बाद दोगुने हो जाते हैं पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय पेट्रोलियम सेक्टर की 15 बड़ी तेल-गैस कंपनियों से चालू वित्त वर्ष के पहले 9 महीनों में यानी अप्रैल-दिसंबर के बीच सरकारी खजाने में 5.45 लाख करोड़ रुपए आए हैं। इसमें से 3.08 लाख करोड़ रुपए केंद्र सरकार के खजाने में और 2.37 लाख करोड़ रुपए राज्य सरकारों के खजाने में आए। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री रामेश्वर तेली ने सोमवार को राज्यसभा में ये जानकारी दी। तेजी ने एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि पेट्रोलियम सेक्टर के इस योगदान में बेसिक एक्साइज ड्यूटी, स्पेशल एडिशनल एक्साइज ड्यूटी, रोड एंड इन्फ्रास्ट्रक्चर सेस (उपकर), एग्रीकल्चर और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट सेस और पेट्रोलियम उत्पादों पर अन्य सेस व सरचार्ज शामिल हैं। इस साल के आंकड़ों के अलावा, मंत्री ने राज्यसभा को पिछले पांच साल के आंकड़े भी उपलब्ध कराए। इसके मुताबिक, बीते वित्त वर्ष तेल-गैस सेक्टर से सरकारी खजाने में 7.74 लाख करोड़ रुपए आए थे। वित्त वर्ष 2020-21 में ये आंकड़ा 6.72 लाख करोड़ और 2019-20 में 5.55 लाख करोड़ रुपए था। पेट्रोल-डीजल का बेस प्राइज पर जो अभी 57.16 रुपए है, इस पर केंद्र सरकार 19.90 रुपए एक्साइज ड्यूटी वसूल रही है।

खुदरा महंगाई के बाद थोक महंगाई दर में बड़ी गिरावट

फरवरी में 3.85 फीसदी रही होलसेल महंगाई

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। खुदरा महंगाई दर के बाद थोक मुल्य आधारित महंगाई दर में भी गिरावट आई है। फरवरी महीने में थोक मुल्य आधारित महंगाई दर 3.85 फीसदी रही है। जनवरी 2023 में थोक महंगाई दर 4.73 फीसदी रही थी। दिसंबर में थोक महंगाई दर का 4.95 फीसदी रहा था। वाणिज्य मंत्रालय ने ये आंकड़े जारी किए हैं। इससे पहले पहले सोमवार को सांख्यिकी मंत्रालय ने खुदरा महंगाई दर के आंकड़े जारी किए थे जिसके मुताबिक फरवरी 2023 में खुदरा महंगाई दर 6.44 फीसदी रही है। जबकि जनवरी 2023 में खुदरा महंगाई दर 6.52 फीसदी रही थी।

खाद्य महंगाई में कमी, पर चावल महंगा

थोक मुल्य आधारित महंगाई दर के आंकड़ों के मुताबिक फरवरी महीने में डब्ल्यूपीआई फूड इंडेक्स जनवरी के 2.95 फीसदी के मुकाबले घटकर फरवरी 2023 में 2.76 फीसदी रही है। आंकड़े के मुताबिक फूड आर्टिकल्स की महंगाई दर 3.81 फीसदी रही है जो जनवरी 2023 में 2.38 फीसदी रही थी। धान की महंगाई दर जनवरी में 7.18 फीसदी रही थी जो फ़रवरी मे बढ़कर 8.60 फीसदी पर जा पहुंची है। गेहूं की महंगाई जनवरी के 23.63 फीसदी के मुकाबले फरवरी में 18.54 फीसदी रही है। दालों की महंगाई दर 2.59 फीसदी रही है जो जनवरी में 2.41 फीसदी थी। अनाजों की महंगाई दर फरवरी में 13.95 फीसदी रही है जो जनवरी में 15.46 फीसदी रही थी।

दूध-फल हुए महंगे

खुदरा के बाद थोक बाजार में भी दूध के दाम बढ़े हैं। जनवरी में दूध की महंगाई दर 8.96 फीसदी थी जो फरवरी में 10.33 फीसदी पर जा पहुंची है। फल महंगे हुए हैं। फलों की महंगाई दर 7.02 फीसदी रही है जो जनवरी में 4.14 फीसदी रही थी।

प्याज-आलू के दामों में भारी गिरावट

फरवरी के होलसेल प्राइस इंडेक्स डाटा के मुताबिक प्याज की महंगाई दर घटकर नेगेटिव में - 40.14 फीसदी पर जा पहुंची है जो जनवरी में - 25.20 फीसदी रही थी।

आलू की महंगाई दर जनवरी में 9.78 फीसदी थी जो नेगेटिव में चली गई है और - 14.30 फीसदी रही है। आरबीआई खुदरा महंगाई दर को ब्याज दरें निर्धारित करने के लिए पैमाना मानती है। लेकिन खुदरा महंगाई दर अभी भी आरबीआई के 6 फीसदी टोलरेंस बैंड से ज्यादा 6.44 फीसदी पर बना हुआ है। जिसके बाद ब्याज दरें और बढ़ने के कयास लगाये जा रहे हैं।

सोना-चांदी सस्ते, कम पैसों में खरीदारी का मौका

रिटेल बाजार में बेतहाशा बढ़े सोने के दाम

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज जोरदार गिरावट आई है और कल की तेजी के बाद आज सर्राफा बाजार में दाम नीचे आए हैं। सोना कल अच्छी खासी तेजी के साथ कारोबार कर रहा था और आज इसमें सुस्ती के साथ खरीदारी देखी जा रही है। चांदी ती चमक भी फीकी हुई है और इसमें आधा फीसदी से ज्यादा की गिरावट देखी गई है।

कैसे हैं आज सोने के दाम

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर आज सोने के दाम 57415 रुपये प्रति 10 ग्राम पर हैं और इसमें 227 रुपये की गिरावट देखी जा रही है। इसकी प्रतिशत में गिरावट देखें तो 0.39 फीसदी की कमजोरी देखी जा रही है और आज ऊपर में ये 57493 रुपये तक गया था। नीचे में सोने के दाम 57355 रुपये तक फिसले थे। सोने के ये दाम इसके अप्रैल वायदा के लिए हैं।

चांदी के दाम कहां पर हैं

चांदी के दाम आज गिरावट के साथ ही कारोबार कर रहे हैं और 367 रुपये की कमजोरी के साथ 66285 रुपये प्रति किलो पर हैं और इसमें 0.55 फीसदी की गिरावट देखी जा रही है। चांदी के दाम आज ऊपरी स्तर पर 66477 रुपये तक गए हैं और इसमें निचले स्तर तक देखें तो 66280 रुपये प्रति किलो तक के रेट देखे गए हैं। चांदी के दाम इसके मई वायदा के लिए हैं।

रिटेल बाजार में बेतहाशा बढ़े सोने के दाम

देश की राजधानी दिल्ली में सोना 760 रुपये की उछाल के साथ 58,130 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर हैं। आर्थिक राजधानी मुंबई में सोना 760 रुपये की उछाल के साथ 57,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है।

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में सोना 760 रुपये की उछाल के साथ 57,980 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट पर है। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में सोना 710 रुपये की तेजी के साथ 58,800 रुपये प्रति 10 ग्राम पर है।

दैनिक पंचांग

ग्रह स्थिति			लग्नारभ समय	
सूर्य-	कुंभ	में	कुंभ -	04-48 बजे
चंद्र-	वृश्चिक	में	मीन...	06-26 बजे
मंगल	मिथुन	में	मेष--	08-02 बजे
बुध-	कुंभ	पें	वृष--	09-46 बजे
गुरु-	मीन	में	मिथुन..	11-46 बजे
शुक्र-	मेष	पें	कर्क...	13-59 बजे
शनि-	कुंभ	में	सिंह...	16-11 बजे
राहु-	मेष	में	कन्या..	18-18 बजे
केतु-	तुला	में	तुला..	20-24 बजे
			वृश्चिक.	22-35 बजे
			धनु.....	00-47 बजे
			मकर..	02-54 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-उत्तरायणे
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु- बसंत दिशाशूल- उत्तर • धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- अष्टमी **- 18 -45** उपरान्त नवमी
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष , बुधवार **Mar 15**
नक्षत्र - ज्येष्ठा - **07 -33** तक उपरान्त मूल
योग - सिद्ध - **12 - 51** - तक उप व्यतिपात
करण- बालव **-07 - 38** - तक उप- कौलव
विशेष:- शीतलाष्टमी बासोडा
व्रत -त्योहार -ऋषभदेव जन्म

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 12:25 से 13:55 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ	06:28 - 07:56 शुभ	उत्पात	18:22 - 19:55 अशुभ
अमृत	07:56 - 09:25 शुभ	शुभ	19:55 - 21:25 शुभ
काल	09:25 - 10:55 अशुभ	अमृत	21:25 - 22:55 शुभ
शुभ	10:55 - 12:25 शुभ	चंचल	22:55 - 00:25 शुभ
रोग	12:25 - 13:55 अशुभ	रोग	00:25 - 01:55 अशुभ
उत्पात	13:55 - 15:25 अशुभ	काल	03:55 - 03:25 अशुभ
चंचल	15:25 - 16:55 शुभ	लाभ	03:25 - 04:55 शुभ
लाभ	16:55 - 18:22 शुभ	उत्पात	04:55 - 06:28 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

संतुलन बनाना आज का प्रमुख विषय रहेगा और आप अपनी आय और व्यय के बीच एक संतुलन हासिल करने की कोशिश करेंगे । आप अपनी आय के पूरक के लिए एक दूसरी नौकरी की तलाश शुरू कर सकते है और आज आपको एक बहुत अच्छा अवसर मिलने की संभावना है। साथ ही साथ आप अपने व्यय को भी नियंत्रित करने के लिए खर्चो पर लगाम लगाएंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

भौतिक सुविधाओं की ओर ध्यान देने के लिए यह काफी अच्छा समय है ।अपने सामाजिक जीवन का आनंद उठायें और ऐसे दोस्तों और परिचितों से भी बात करें जिनके सम्पर्क में आप लम्बे समय से नही रहे हैं । आज अपने जाग्रति स्तर में भी बदलाव महसूस करेंगे,जो आपको अचानक ही अनुभव होगा । इस समय अपने मन की बात सुनना ही उचित होगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, झ, के, को, हा,

आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे । इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नहीं चाहता । इसीलिए पहले इस आदमिये के बारे सही से छानबीन कर लें । अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातों से असहमत हैं तो आज दोस्ती का हाथ बढाने के लिए अच्छा समय है।

कर्क ही, हू ,हे, हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आज आपको गृहों की स्थिति के कारण हर भावना काफी गहन प्रतीत होगी । आपको प्यार और नफरत दोनों ही का बहुत गहनता से अनुभव होगा । आपको यह समझाने वाले अवसर भी आयेंगे कि आप किस कारण अब अपने करीबी दोस्तों से पुरानी भावना से बात नही कर पा रहे? हालाँकि तुरंत कोई भी फैसला लेने के स्थान पुर रुककर और सोच समझकर कदम उठाना ही सही होगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज के दिन की शुरुआत उल्लेखनीय होगी। आपको पदोन्नति या नई जिम्मेदारी की पेशकश की जा सकती है और भाग्यशाली लोगों को नयी नौकरी के अद्भुत अवसर प्राप्त हो सकते है! आपकी कड़ी मेहनत की प्रशंसा चारो ओर हो रही है और ये समय इसका फल पाने का समय है । वितीय स्थिति में धन के प्रवाह की वजह से मजबूती आने की संभावना है ।

कन्या टो, पा, पी, पू, ष, ण, ट, पे ,पो,

आप ऐसे लोगों को खोजने की कोशिश करें जो आप के लिए कुछ उपयोगी जानकारी की आपूर्ति कर सकते हैं। आप कुछ बड़ा सोच रहे हो और इस जोखिम को लेने के लिए यह सही समय है। महत्वहीन मुद्दों के हल के लिए अपने समय की बचत करें। जितनी चादर हो उतने ही पैर फैलाये अर्थात आमदनी के हिसाब से धन का व्यय करे ! यदि संभव हो तो अपनी सफलता का जश्न मनाने का इरादा स्थगित कर दे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आज का दिन आपके लिए विशेष है क्योंकि आज आप किसी दूसरे शहर में रहने वाले से या विदेश में किसी से संपर्क स्थापित करेंगे । यह आपके करियर के लिए फायदेमंद होगा । अपने मेल देख लें क्योंकि मेलबॉक्स में कोई महत्वपूर्ण अवसर आपकी प्रतीक्षा कर रहा है। विदेश में रह रहा कोई मित्र आपको साथ काम करने के लिए आमंत्रित कर सकता है । शुभ रंग सफ़ेद है ।

वृश्चिक लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं । अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा । आपमें अब सभी बाधाओं और चुनौतियों से पार पाने के लिए पर्याप्त ऊर्जा है।

धनु ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

आज का दिन मौज मस्ती के नाम रहेगा । आज सगे सम्बन्धियों से मुलाकात हो सकती है ,फोन या मेल के द्वारा भी संपर्क हो सकता है । वर्त्तमान समय अपने सामाजिक कौशलों को निखारने तथा आने वाली पार्टियों के लिए खुद को तैयार करने का बिलकुल सही समय है । दिन के आगे बढ़ने के साथ साथ वित्तीय परेशानियां अपने आप दूर होती जायेंगी ।

मकर मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

आप आगे बढ़ रहे हैं , वहीं लोग आपको नीचे खींचने की और कोशिश कर सकते हैं। मौखिक विवाद में न फंसे । आप प्रयास करे की आपका कार्य बोले । आप एक ऐसी स्थिति में पहुंच जायेंगे जहा से आपको नीचे धकेलना मुश्किल होगा । अच्छा काम करते रहे । अपने सहयोगियों और अधीनस्थों के साथ सौहार्द बनाए एवं मधुर वाक्यों का प्रयोग करे।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

अगर कुछ लोग आपको नहीं समझ पा रहे हैं तो उन्हें अपना हरेक काम समझाने में अपना समय और ऊर्जा बर्बाद ना करें । वे कभी नही मानेंगे । आप काफी व्यस्त रहेंगे लेकिन आपको आने वाली जरूरतों के कारण पहले वाली योजनाओं में भी कुछ बदलाव करने पड सकते हैं । थिति की मांग के अनुसार कार्य करें । आज का दिन अपने लिए कुछ ख़ास करने के लिए बहुत अच्छा है ।

मीन दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपने हाल ही में जो कड़ी मेहनत की है , उसकी हर दिशा से सराहना होगी । आपको एक बोनस या एक लंबे समय से वेतन वृद्धि की चाह थी वो पूरी हो सकती है । आपको एक अच्छे वित्तीय अवसर की पेशकश भी की जा सकती है , जिसकी अपेक्षा आपको नहीं थी । हालाँकि ये एक बहुत बड़ा नहीं है , परन्तु यह संतोष की एक अच्छी भावना के रूप में आप में भर जाएगा।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

लगातार चौथे कारोबारी दिन गिरा बाजार

सेंसेक्स 337 अंक गिरकर 57,900 पर बंद

अडाणी ग्रुप के सभी 10 शेयर्स गिरे, एंटरप्राइजेज 7% टूटा

मुंबई, 14 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार में दूसरे कारोबारी दिन, यानी मंगलवार को (14 मार्च) को गिरावट देखने को मिली। बाजार में लगातार चौथे कारोबारी दिन यह गिरावट आई है। सेंसेक्स 337 अंक गिरकर 57,900 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी भी 111 अंक गिरा है, यह 17,043 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 23 शेयरों गिरावट में और सिर्फ 7 में तेजी रही।

अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 7.70% टूटा

आज अडाणी ग्रुप के सभी 10 शेयरों में गिरावट रही। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडाणी एंटरप्राइजेज का शेयर 7.70% टूटा। अडाणी पोर्ट्स में 4.07% की गिरावट रही। अडाणी विल्मर, पावर, टोटल गैस और एनडीटीवी के शेयरों में करीब 5-5% की गिरावट देखने को मिली। वहीं अडाणी ग्रीन एनर्जी 0.67%, अंबुजा सीमेंट 3.91% और एसीसी 1.58% टूटा।

निफ्टी-50 के 38 शेयरों में गिरावट

अडाणी एंटरप्राइजेज, अडाणी पोर्ट्स, एम एंड एम, टीसीएस, एचडीएफसी लाइफ, बजाज फाइनेंस, कोटक बैंक, टेक महिंद्रा और विप्रो समेत निफ्टी-50 के 38 शेयरों में गिरावट देखने को मिली। टाइटन, बीपीसीएल, एलटी, भारती एयरटेल, सन फार्मा, एसबीआई लाइफ, आईसीआईसीआई बैंक, हिंडाल्को और इंडसइंड बैंक समेत निफ्टी के 12 शेयरों में गिरावट रही।

पीएसयू बैंक सेक्टर सबसे ज्यादा 1.90% गिरा

एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 9 में गिरावट रही। पीएसयू बैंक सेक्टर में सबसे ज्यादा 1.90% की गिरावट देखन को मिली। आईटी, मेटल और रियल्टी सेक्टर में 1% से ज्यादा की गिरावट रही। बैंक, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेज, एफएमसीजी और प्राइवेट बैंक सेक्टर में भी 1% की गिरावट आई। सिर्फ मीडिया और फार्मा सेक्टर में मामूली तेजी देखने को मिली।

ग्लोबल मार्केट से मिलेजुले संकेत

ग्लोबल मार्केट से मिलेजुले संकेत मिल रहे है। एसजीएक्स निफ्टी और यूएस फ्यूचर्स में हल्की मजबूती देखने को मिल रही है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने जताया भरोसा

भारत इस साल 750 अरब डॉलर के निर्यात के आंकड़े को पार करेगा

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत का वस्तु और सेवा निर्यात चालू वित्त वर्ष में 750 अरब डॉलर के आंकड़े को पार कर जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि रुपये के व्यापार को बढ़ाने के लिए कुछ देशों के साथ बातचीत अंतिम चरण में है। पीयूष गोयल ने सोमवार को दिल्ली में सीआईआई पार्टनरशिप समिट को संबोधित करते हुए यह बात कही। तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन सोमवार को शुरू हुआ है। पीयूष गोयल ने ये भी कहा, स्थिरता कई वर्षों से जी20 एजेंडे के मूल में रही है, पिछले कुछ सालों में सभी बहुपक्षीय और द्विपक्षीय संबंधों का मूल है, लेकिन भारत के लिए, स्थिरता जीवन का एक तरीका है। कॉमर्स मिनिस्टर ने कहा कि सहयोग, सहयोग और कभी-कभी प्रतिस्पर्धा की भावना से मिलकर काम करने पर नागरिकों, समुदायों और देशों के बीच साझेदारी सामूहिक रूप से अधिक स्थिर और समृद्ध भविष्य में योगदान कर सकती है। दक्षिण कोरिया के व्यापार मंत्री डुकगेन अहं ने इस अवसर पर कहा कि भारत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और बिग डेटा सहित आईटी क्षेत्र में मानव प्रतिभा और उत्कृष्ट इंजीनियरों के दुनिया के सबसे बड़े स्रोत के रूप में प्रमुख भूमिका निभा रहा है। उन्होंने देखा कि भारत अपनी 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' नीतियों के साथ एक स्थिर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए व्यवसायों के लिए अनुकूल परिस्थितियों का निर्माण करने में सफल रहा है।संयुक्त अरब अमीरात के अर्थव्यवस्था मंत्री अब्दुल्ला बिन तौक अल मैरिज ने कहा कि वैश्विक मुद्दों के लिए वैश्विक समाधान की आवश्यकता होती है और इसे किसी एक देश या राष्ट्रों के एक छोटे समूह द्वारा हल नहीं किया जा सकता है, क्योंकि इसके लिए महत्वपूर्ण ठोस कार्रवाई की आवश्यकता होती है।

वायरस से पीड़ित मरीजों को पड़ सकती है ऑक्सीजन की जरुरत

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। इन दिनों पूरे देश में मौसमी इन्फ्लुएंजा के सब टाइप एच3एन2 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। वायरस के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए केंद्र सरकार ने भी तमाम राज्यों को इस वायरस से निपटने के लिए अस्पतालों में पुख्ता तैयारी रखने के निर्देश दिए हैं। नीति आयोग ने भी राज्यों को अस्पतालों में मैन पावर के साथ ही गंभीर मरीजों के लिए मेडिकल ऑक्सीजन की व्यवस्था करने के हिदायत दी है। इस बीच एच3एन 2 वायरस के कोविड जैसे लक्षणों ने लोगों को फिर परेशान कर दिया है। जबकि कुछ केस ऑक्सीजन की कमी जैसे सामने आ रहे हैं। ऐसे मामले सामने आने के बाद लोगों में पैनिक बढ़ गया है कि कहीं ये वायरस फिर से कोविड जैसा नहीं फैल जाए।इस वायरस को लेकर नेशनल टेक्निकल एडवाइजरी ग्रुप ऑन इम्यूनाइजेशन के प्रमुख डॉ. एनके अरोड़ा कहना हैं कि यह इन्फ्लुएंजा वायरस लगभग हर साल ही लोगों को बीमार करता रहा है। अब चूंकि लोग कोविड को झेल चुके हैं और इसके लक्षण भी कोविड जैसे ही हैं, लिहाजा यह सभी को पता चल रहा है। हालांकि इससे घबराने की जरूरत नहीं है। इस वायरस से बचने के लिए अगर कोविड जैसा ही व्यवहार और जरूरी सावधानियां बरती जाएं, तो इससे आसानी से बचा जा सकता है। क्योंकि यह एक सामान्य मौसमी फ्लू ही है। कुछ दिन पहले इस फ्लू का एच1एन1 म्यूटेंट देखा गया था, जबकि अब इसका नया म्यूटेंट एच3एन2 आया है।

यह वायरस हर साल अपना रूप बदलता है। यही वजह है कि इसकी वैक्सीन भी हर साल नई ही आती है। नए म्यूटेशन को देखते हुए आमतौर पर जुलाई और अगस्त के महीने में इस फ्लू की नई वैक्सीन आती है, जिसे कोई भी लगवा सकता है और इससे सुरक्षित रह सकता है। सफदरजंग हॉस्पिटल के कम्यूनिटी मेडिसिन के प्रमुख डॉ. जुगल किशोर ने अमर उजाला को बताया कि अभी जो हालात हैं उनमें एच3एन2 के मरीज तो अस्पतालों में दिखाने आ रहे हैं, जिन्हें बुखार, खांसी, सिर दर्द आदि की परेशानियां हैं। लेकिन अभी बहुत कम ऐसे मामले है जिन्हें आक्सीन की जरुरत पड़ी हो। हां एच1एन1 फ्लू वायरस के कुछ मरीज जरूर गंभीर देखे गए थे और बेहद कम मामलों में ऑक्सीजन की जरूरत भी पड़ी थी। कुछ ऐसे मरीज जो अस्थमा, सांस फूलना और निमोनिया से पीड़ित हैं या जिनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम है ऐसे मरीजों को आक्सीजन की जरुरत पड़ सकती है।

एशिया की पहली महिला ट्रेन ड्राइवर ने दौड़ाई वंदे भारत एक्सप्रेस, 2 साल में ही सच हुआ सुरेखा यादव का सपना

नई दिल्ली, 14 मार्च (एजेंसियां)। स्वदेशी सेमी हाई स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस की कई ट्रेन शुरू की जा चुकी है। देश के कई रूटों पर इसे चलाया जा रहा है। मुंबई से इसे तीन रूटों पर संचालित किया जा रहा है। सरकार का प्लान देशभर में वंदे भारत ट्रेनों को चलाने का प्लान है। अब इसमें से एक वंदे भारत ट्रेन को चलाने का मौका एशिया की पहली महिला लोको पायलट को मिला है। एशिया की पहली महिला लोकोमोटिव पायलट सुरेखा यादव हैं।

उन्हें अब वह मुंबई-पुणे-सोलापुर रूट पर वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने का अवसर मिला है। 34 साल तक रेलवे में सेवा देने वाली सुरेखा यादव ने 2021 में महिला दिवस के अवसर पर वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने की इच्छा जाहिर की थी।

जब वायुसेना के विमानों ने मिजोरम में बरसाए बम

इंदिरा गांधी ने दिया था उग्रवादियों को कुचलने का आदेश, 9 दिन चले ऑपरेशन की कहानी

आईजोल, 14 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 5 मार्च 1966, जगह अभी के मिजोरम की राजधानी आइजोल। सुबह 11 बजकर 30 मिनट पर आसमान में 4 लड़ाकू विमान शहर को चारों ओर से घेर लेते हैं और बम बरसाने लगते हैं। यह किसी दुश्मन देश के नहीं, बल्कि भारतीय वायुसेना के विमान थे। उस वक्त मिजोरम असम का हिस्सा था और उसे मिजो हिल्स कहते थे। ये बमबारी 13 मार्च 1966 तक होती है। इस बमबारी को 57 साल बीत चुके हैं। आज बताएंगे कि क्यों इंदिरा गांधी के आदेश पर भारतीय वायुसेना ने बमबारी की?

इस कहानी की शुरुआत होती है साल 1960 में। तब मिजो हिल्स असम राज्य का हिस्सा हुआ करता था। इसी साल असम सरकार ने असमिया भाषा को राजकीय भाषा घोषित कर दिया। यानी जिसे असमिया भाषा नहीं आती उन्हें सरकारी नौकरी नहीं मिल सकती थी। मिजो लोग इसका विरोध करने लगे। 28 फरवरी 1961 को इसी वजह से मिजो नेशनल फ्रंट यानी एमएनएफ बना, इसके नेता लालडेंगा थे। एमएनएफ ने शुरुआत में शांतिपूर्वक धरनों से अपनी बात रखी।

साल 1964 में असमिया भाषा लागू होने की वजह से असम रेजिमेंट ने अपनी सेकेंड बटालियन को बर्खास्त कर दिया। इसमें अधिकतर मिजो लोग थे। इससे मिजो हिल्स के लोगों में नाराजगी बढ़ी और शांतिपूर्वक धरने प्रदर्शन करने वाला एमएनएफ हिंसा पर उतर आया। इस बीच जो मिजोवासी बटालियन से निकाले गए थे, वे एमएनएफ में शामिल हो गए। इन्हीं लोगों ने मिलकर मिजो नेशनल आर्मी बनाई।

पाकिस्तान और चीन ने मिजो उग्रवादियों को भड़काया

बॉर्डर होने के चलते तब के पूर्वी पाकिस्तान और आज के बांग्लादेश से भी मिजो नेशनल आर्मी को हथियारों के रूप में मदद मिलने लगी। चीन भी इस साजिश में शामिल रहा और गुपचुप तरीके से एमएनएफ का समर्थन कर रहा था। सुरक्षा बलों ने सख्ती दिखाई तो मिजो उग्रवादी म्यांमार और पूर्वी पाकिस्तान में छिप गए। सुरक्षाबलों ने साल 1963 में राजद्रोह के आरोप में लालडेंगा को गिरफ्तार कर लिया। लालडेंगा पर मुकदमा चला, लेकिन कोर्ट ने उन्हें बरी कर दिया। साल 1965 में पाकिस्तान ने भारत पर हमला कर दिया।

इस मौके पर दबाव बनाने के लिए एमएनएफ ने प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के नाम एक मेमोरेंडम भेजा। इसमें लिखा था, 'मिजो देश भारत के साथ लम्बे स्थायी और शांतिपूर्ण संबंध रखेगा, या दुश्मनी मोल लेगा, इसका निर्णय अब भारत के हाथ में है।'

11 जनवरी 1966 को देश के प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की ताशकंद में मौत हो गई। शास्त्री की मौत को 11 दिन भी नहीं हुए थे कि 21 जनवरी को मिजो नेशनल फ्रंट यानी एमएनएफ के नेता लालडेंगा ने इंडोनेशिया के राष्ट्रपति सुकर्णो को पत्र लिखा।

वह लिखते हैं, 'अंग्रेज के समय भी हम लोग आजादी की स्थिति में रहे हैं। यहां पर राजनीतिक जागरूकता से उपजा राष्ट्रवाद अब परिपक्व हो गया है। अब हमारे लोगों की एकमात्र इच्छा अपना अलग देश बनाने की है।' पत्र लिखे जाने के तीसरे दिन यानी 24 जनवरी को इंदिरा गांधी देश की प्रधानमंत्री बनती हैं। इंदिरा के सामने एक अलग तरह की चुनौती आने वाली थी। 4 दिन बाद ही 28 फरवरी 1966 को मिजो नेशनल फ्रंट के उग्रवादी भारतीय सुरक्षाबलों को मिजोरम से बाहर निकालने के लिए 'ऑपरेशन जेरिको' शुरू कर देते हैं। सबसे पहले आइजोल और लुंगलाई में असम राइफल्स की छावनी पर हमला किया गया।

अगले दिन यानी 29 फरवरी को एमएनएफ ने भारत से आजाद होने की घोषणा कर दी। अचानक हुए ऑपरेशन जेरिको के लिए मिजो हिल्स में तैनात सुरक्षा बल तैयार नहीं थे। उग्रवादियों ने देखते ही देखते आइजोल में सरकारी खजाने सहित महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों और चंफाई और लुंगलाई जिलों में सेना के ठिकानों पर कब्जा कर लिया।

'मिजोरम : द डैगर ब्रिगेड'

किताब में निर्मल निबेदन ने लिखा है कि एमएनएफ उग्रवादियों के मुख्य जत्था असम राइफल के ठिकाने पर लगातार गोलीबारी कर रहा था, ताकि कोई बाहर नहीं निकल सके। वहीं एक जत्थे ने सरकारी खजाने पर धावा बोलकर 18 लाख रुपए लूट लिए। सीमावर्ती नगर चंफाई में वन असम राइफल के ठिकाने पर आधी रात को हमला इतनी तेजी से हुआ था कि जवानों को अपने हथियार लोड करने और लुंगलाई और आइजोल खबर करने तक का समय नहीं मिला।

उग्रवादियों ने सभी हथियार लूट लिए थे। इनमें 6 लाइट मशीन गन, 70 राइफलें, 16 स्टेन गन और ग्रेनेड फायर करने वाली 6 राइफलें थीं। एक जूनियर कमीशंड अफसर के साथ 85 जवानों को बंधक बना लिया गया। यहां से किसी तरह से दो सैनिक भागने में कामयाब हुए। इन 2 सैनिकों ने हमले की जानकारी दी। इसी बीच टेलीफोन एक्सचेंज को निशाना बनाया गया ताकि आइजोल से भारत के साथ सारे कनेक्शन टूट जाएं। भारतीय सेना वहां पर हेलिकॉप्टर से सैनिक और हथियार पहुंचाने की कोशिश कर रही थी, लेकिन एमएनएफ की ओर से हो रही गोलीबारी से वो मदद नहीं पहुंचा पाए।

वायुसेना को जवाबी कार्रवाई का आदेश

इसके बाद एमएनएफ असम राइफल्स के हेडक्वार्टर से तिरंगा उतारकर अपना झंडा फहराता है। उधर, दिल्ली में कुछ दिनों पहले प्रधानमंत्री बनीं इंदिरा गांधी भी इस घटना से हिल जाती हैं और सेना को जवाबी कार्रवाई का आदेश देती हैं।

5 मार्च 1966 को वायुसेना के 4 लड़ाकू विमानों को आइजोल में एमएनएफ के उग्रवादियों पर बमबारी की जिम्मेदारी दी गई। इनमें 2 लड़ाकू विमान फ्रांस में बने दैसे ओरागन और 2 ब्रिटिश हंटर विमान थे। दैसे ओरागन को भारत में तूफानी नाम से जाना जाता है।

असम के तेजपुर, कुंबीग्राम और जोरहाट से उड़ान भरने के बाद पहले इन लड़ाकू विमानों ने मशीन गन से उग्रवादियों पर फायर किया। दूसरे दिन इन लड़ाकू विमानों ने आग लगाने वाले बम बरसाए। वायुसेना के लड़ाकू विमानों ने आइजोल और अन्य क्षेत्रों में 13 मार्च तक बमबारी की। इन विमान पायलटों में दो शख्स ऐसे थे जिन्होंने आगे चलकर भारतीय राजनीति में नाम कमाया था। एक का नाम था राजेश पायलट और दूसरे थे सुरेश कलमाडी।

बमबारी से घबराए स्थानीय लोगों ने पहाड़ियों में शरण ले ली थी। वहीं एमएनएफ के उग्रवादी म्यांमार और पूर्वी पाकिस्तान के जंगलों में जा छिपे। विद्रोहियों को तितर-बितर करने के बाद सेना ने मिजोरम का कंट्रोल अपने हाथ में ले लिया।

वायुसेना की बमबारी ने भारी तबाही मचाई

मिजो नेशनल फ्रंट के मेंबर रहे थंगसांगा उस घटना को याद करते हुए बताते हैं- बमबारी से हम सब आश्चर्यचकित रह गए। हमारे छोटे से शहर को अचानक 4 लड़ाकू विमानों ने घेर लिया था। अचानक गोलियों की बारिश होने लगी और बम गिराए गए। जलती हुई इमारतें ढह गईं और हर तरफ धूल और अफरा-तफरी का माहौल था। कुछ रिपोर्टों में कहा गया कि आइजोल शहर में आग लग गई थी, लेकिन गनीमत रही कि इस घटना में सिर्फ 13 आम नागरिक ही मारे गए। सरकार और सेना ने इस बात से भी इनकार किया कि आइजोल पर बमबारी की गई थी।

बम गिराने पर इंदिरा गांधी पर सवाल भी उठे

9 मार्च 1966 को कोलकाता के अखबार हिंदुस्तान स्टैंडर्ड की रिपोर्ट में प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के हवाले से कहा गया है कि लड़ाकू विमानों को एयरड्रॉप और आपूर्ति के लिए भेजा गया था, बम बरसाने के लिए नहीं, लेकिन सवाल यह था कि राशन गिराने के लिए कोई फाइटर जेट क्यों भेजेगा? वायुसेना के बम गिराने को लेकर इंदिरा गांधी पर सवाल भी उठे। पत्रकार और 'द प्रिंट' के संपादक शेखर गुप्ता ने अपने लेख 'वाज इंदिरा गांधी राइट टु यूज एयर पावर अगेंस्ट हर ओन कंट्रीमेन?' में उन्हें पूरी तरह से क्लीन चिट दी। शेखर गुप्ता ने अपने लेख में लिखा कि आप अपने-आप को इंदिरा गांधी की जगह रखकर देखिए। उन्हें लाल बहादुर शास्त्री की मौत के बाद सत्ता में आए सिर्फ 6 हफ्ते हुए थे। पाकिस्तान के साथ भारत की लड़ाई समाप्त हुए कुछ ही महीने हुए थे जिसका कोई निश्चित परिणाम नहीं निकला था। दक्षिण में द्रविड़ आंदोलन जोर पकड़ रहा था, नगालैंड में चीन और पाकिस्तान के खुले समर्थन से अलगाववादी ताकतें सिर उठा चुकी थीं। ऐसे वक्त में लालडेंगा ने भी विद्रोह का झंडा खड़ा कर दिया था।

मिजोरम में दो दशकों तक अशांति रही

इस बीच विद्रोह को दबाने के लिए केंद्र सरकार ने एक और कदम उठाया। जनरल सैम मानेकशॉ की अगुआई में एक नया प्लान बनाया गया। बमबारी के एक साल बाद 1967 में सरकार की तरफ से एक योजना लागू की गई जिसके तहत गांवों का पुनर्गठन किया गया। इसके तहत पहाड़ों पर रहने वाले हजारों मिजो लोगों को उनके गांवों से हटाकर मुख्य सड़क के दोनों ओर बसाया गया, ताकि भारतीय प्रशासन उन पर नजर रख सके। मिजोरम के कुल 764 गांवों में से 516 गांवों के निवासियों को उनकी जगह से हटाया गया। केवल 138 गांवों को नहीं बदला गया। इस बमबारी ने मिजो विद्रोह को उस समय भले ही कुचल दिया हो, लेकिन मिजोरम में अगले दो दशकों तक अशांति छाई रही।

राजीव गांधी ने मिजोरम को नया राज्य बनाया

30 जून 1986 को केंद्र सरकार और एमएनएफ के बीच ऐतिहासिक मिजो शांति समझौते पर हस्ताक्षर हुए। इसे राजीव गांधी सरकार की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक माना जाता है। 1987 में मिजोरम अलग राज्य बना। इसी साल मिजोरम में पहली बार चुनाव हुए और लालडेंगा मिजोरम के पहले मुख्यमंत्री बने।

झारखंड विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव

मॉडल और उत्कृष्ट विद्यालयों में भी होगी संताली भाषा के शिक्षकों की नियुक्ति

रांची, 14 मार्च (एजेंसियां)। 12.30 बजे तक के लिए स्थगित सदन के दूसरी बार शुरू होते ही ध्यानाकर्षण प्रस्ताव लाने की बात विधानसभा अध्यक्ष रविंद्रनाथ महतो ने की। ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के दौरान नीलकंठ सिंह मुंडा ने कहा कि राज्य में बेरोजगारी अहम मुद्दा है। ऐसे में राज्य सरकार से यह उम्मीद करते हैं कि 1932 खतियान का क्या हुआ। 2016 से पहले की नियोजन नीति क्या है और 60:40 क्या है, इसे स्पष्ट करे।

डीवीसी विस्थापितों को कब मिलेगा जमीन का पट्टा

बरही विधायक उमाशंकर अकेला ने सदन में कहा कि तिलैया जलाशय निर्माण के दौरान चौपारण प्रखंड के हराई और बहमर गांव के लोगों को विस्थापित कर श्रीनगर गांव में बसा दिया गया। ऐसा साल 1951-52 में किया गया। लेकिन अब तक उन्हें जमीन का कागज नहीं दिया गया। इस वजह से वे कई लाभ से वंचित रह जा रहे हैं। इसके जवाब में कल्याण मंत्री जोबा मांझी ने कहा कि एक माह के भीतर इसकी जांच करायी जाएगी। और नियम संगत लाभ दिया जाएगा।

संताली भाषा के शिक्षकों की होगी नियुक्ति

ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के दौरान विधायक समीर मोहंती ने पूर्वी सिंहभूम के तीन उत्कृष्ट और 19 मॉडल स्कूलों में शिक्षक नियुक्ति का मामला उठाया।

उन्होंने कहा कि यहां स्नातक प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है, लेकिन इस नियुक्ति में संताली भाषा के शिक्षक नहीं हैं। इस सवाल का जवाब देते संसदीय कार्यमंत्री आलमगीर आलम ने कहा कि 27 जनवरी को जारी पत्र के आधार पर संताली भाषा के शिक्षकों की नियुक्ति के लिए पद सृजन शुरू किया गया है। उन्होंने आश्वस्त किया कि अगले महीने नियुक्ति हो जाएगी।

3 किलो सोने से सजा मां बम्लेश्वरी का गर्भगृह

दीवारों पर बनाई राजस्थानी शैली से फूल-पत्तियां नवरात्रि पर और निखरेगा माता का भव्य स्वरूप

राजनांदगांव, 14 मार्च (एजेंसियां)। चैत्र नवरात्रि 22 मार्च से शुरू हो रहा है। इसके लिए मंदिरों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। डोंगरगढ़ की पहाड़ी पर स्थित मां बम्लेश्वरी का दरबार इस बार बेहद भव्य नजर आएगा। क्योंकि मंदिर के गर्भगृह की दीवारों पर सोने से राजस्थानी शैली की कलाकृतियों को उकेरा गया है। गर्भगृह को 3 किलो सोने से सजाया गया है। इसके लिए मंदिर ट्रस्ट ने दान में मिले सोने का उपयोग किया है। ट्रस्टी संजीव गोमास्ता के मुताबिक इस काम के लिए राजस्थान और जयपुर से बीस कारीगरों की टीम लगी थी।

26 फरवरी से 13 मार्च तक इस काम को पूरा किया। गर्भगृह में उभारदार आकृति बनाने के लिए इम्पोर्टेड सिरेमिक कोटेट पेंट का इस्तेमाल किया गया है। इस कलाकृति का उपयोग राजस्थान के ऐतिहासिक इमारतों में किया गया है। उसी तर्ज पर मां बम्लेश्वरी मंदिर में इस तरह का प्रयोग पहली बार ट्रस्ट ने किया है। बताया गया कि कारीगरों को मंदिर ट्रस्ट से सात लाख रुपए का भुगतान करेगी।

1600 फीट की ऊंचाई पर स्थापित है मंदिर

यह मंदिर राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ की पहाड़ी पर 1,600 फीट की ऊंचाई पर स्थित है। यहां स्थापित मंदिर में मां बम्लेश्वरी विराजीं हैं। यहां साल में दो बार (चैत व क्वांर) में नवरात्रि पर लगने वाले मेले में करीब 20 लाख भक्त दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं। सामान्य दिनों में भी हजारों श्रद्धालु माई के दरबार में हाजिरी लगाने आते हैं। देश के अलावा विदेशों से भी भक्त मां बम्लेश्वरी मंदिर में अपनी मनोकामना पूरी करने के लिए आते हैं।

मां बम्लेश्वरी मंदिर का इतिहास

मां बम्लेश्वरी शक्तिपीठ का इतिहास 2,200 वर्ष पुराना हैं। प्राचीन समय में डोंगरगढ़ वैभवशाली कामाख्या नगरी के रूप में जाना जाता था। मां बम्लेश्वरी को राजा विक्रमादित्य की कुल देवी भी कहा जाता है जो मध्यप्रदेश में उज्जयन के एक प्रतापी राजा थे। इतिहासकारों और विद्वानों ने इस क्षेत्र को कल्चुरी काल का पाया है।

मंदिर की अधिष्ठात्री देवी मां बगलामुखी हैं, जिन्हें मां दुर्गा का स्वरूप माना जाता है। मां को मंदिर में बम्लेश्वरी के रूप में पूजा जाता है। मां बम्लेश्वरी के दरबार में पहुंचने के लिए 1,100 सीढ़ियां चढ़नी पड़ती है। वैसे यहां रोप-वे की भी सुविधा है।

पहाड़ी के नीचे छोटी बम्लेश्वरी का मंदिर है, जिन्हें बड़ी बम्लेश्वरी की छोटी बहन कहा जाता है। यहां बजरंगबली मंदिर, नाग वासुकी मंदिर, शीतला मंदिर भी है।

नवरात्र के दौरान ही नहीं, सामान्य दिनों में भी देश के अलावा विदेशों के भक्त मां बम्लेश्वरी के दरबार में हाजिरी लगाने के लिए पहुंचते हैं। कोई पैदल तो कोई अपने साधन से मां की चौखट में आस्था के फूल चढ़ाने पहुंचते हैं। मान्यता है कि यहां सच्चे मन से मांगी की हर मुराद पूरी होती है। यहां अष्टमी के दिन माता के दर्शन करने घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। मंदिर का पट सुबह चार बजे से ही खुल जाता है। दोपहर में एक से दो के बीच माता के द्वार का पट बंद किया जाता है।

नगर निगम की मनमानी के विरोध में पहचान पत्र जलाएंगे फुटपाथ दुकानदार

धनबाद, 14 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद शहरी फुटपाथ दुकानदार विक्रेता संघ ने नगर निगम की ओर से जारी पहचान पत्र एवं सर्टिफिकेट ऑफ वेंडिंग जलाने का निर्णय लिया है। संघ ने इस संबंध में उपायुक्त धनबाद, नगर आयुक्त, एसडीओ और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर अवगत कराया है।

संघ के जिला अध्यक्ष भगवानदास शर्मा की ओर से दिए पत्र में कहा गया है कि 15 मार्च को जिले के हजारों फुटपाथ विक्रेता नगर निगम की ओर से जारी का पहचान पत्र एवं सर्टिफिकेट आफ वेंडिंग का सामूहिक रूप से कार्यालय के सामने जलाकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। ऐसा करने के पीछे कारण भी बताया गया है। संघ के अनुसार, भारत सरकार की ओर से स्ट्रीट वेंडर कानून बनाया गया है। यह स्ट्रीट वेंडर को संविधान प्राप्त अधिकार की रक्षा एवं रोजगार सुरक्षित एवं नियंत्रित करने का कानून है। इसके अंतर्गत 3.3 धारा में फुटपाथ दुकानदारों का सर्वेक्षण कर विज्ञापन जारी होने तक स्ट्रीट वेंडर्स को अपने स्थान से बेदखल नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि कानूनी संरक्षण के बावजूद लगातार जिला प्रशासन, रेलवे प्रशासन और नगर निगम फुटपाथ दुकानदारों को हटाते रहते हैं। जब मर्जी तब बुलडोजर चला देते हैं, जुर्माना भी किया जाता है। इसी तरह 25 जनवरी को भी स्टेशन रोड के बड़ी संख्या में फुटपाथ दुकानदारों पर बुलडोजर चलाया गया था।

इस कार्रवाई में लाखों की संपत्ति बर्बाद हो गई। तीन हजार से अधिक परिवार सड़क पर आ गए हैं। इनका भरणपोषण नहीं हो पा रहा है। इनके रोजी-रोटी पर संकट है।

इस मामले में कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इसके विरोध में प्रदर्शन किया जा रहा है। बता दें कि नगर निगम के पांचों अंचल धनबाद, छाताटांड़, सिंदरी, कतरास और झरिया में 6800 से अधिक फुटपाथ विक्रेता हैं। इनमें से अधिकतर को पहचान पत्र एवं सर्टिफिकेट आफ वेंडिंग प्रमाणपत्र जारी किया गया है। इनमें से कईयों ने तो पीएम स्वनिधि योजना के अंतर्गत दस हजार रुपये का ऋण भी ले रखा है।

बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ सरकार के बजट पर उठाया सवाल

विधायक ने कहा- पिस्टल लायसेंस के लिए रिश्वत मांगी

रायपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। विधानसभा में बजट सत्र का प्रश्नकाल आज मंगलवार को हुआ। बृजमोहन अग्रवाल ने छत्तीसगढ़ सरकार के बजट पर सवाल उठाते हुए कहा, तुगलक ने जो काम नहीं किया वो काम यह सरकार कर रही है। फिलहाल शून्य काल चल रहा है। सदन में स्कूल शिक्षा, स्कूल भवनों, गांवों के विकास जैसे कई मुद्दे उठे।

बलौदाबाजार के विधायक प्रमोद शर्मा ने भ्रष्टाचार पर सवाल उठाते हुए कहा कि हालात ये हैं कि मुझसे ही पिस्टल लायसेंस के लिए 5 लाख रुपए रिश्वत मांगी गई। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस कार्रवाई के मुद्दे पर सदन में जमकर हंगामा, नारेबाजी हुई। दैनिक वेतन भोगियों के नियमितिकरण के गड़बड़ी के मामले में आदिम जाति विकास मंत्री ने सहायक आयुक्त को निलंबित कर दिया।

शिक्षा व्यवस्था, जर्जर स्कूल भवनों का मुद्दा उठा

विधानसभा में उठा जर्जर स्कूलों का मसला उठा। विधायक भुवनेश्वर शोभाराम बघेल और विधायक चंदन कश्यप ने डोंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र और नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र को लेकर सवाल उठाए। पीसीसी अध्यक्ष मोहन मरकाम ने भी अपने विधानसभा क्षेत्र के आहाता विहीन स्कूलों को लेकर सवाल उठाए। जवाब में स्कूल शिक्षा मंत्री प्रेम साय सिंह टेकाम ने कहा- प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों के सभी स्कूलों के जर्जर भवनों का मरम्मतीकरण अगले शिक्षा सत्र से पहले हो जाएगा इस पर कटाक्ष करते हुए भाजपा विधायक अजय चंद्राकर ने कहा- पूरा स्कूल शिक्षा विभाग जर्जर हो गया है। स्कूल शिक्षा मंत्री प्रेमसाय सिंह टेकाम ने कहा- 15 सालों में स्कूली शिक्षा का जो बेड़ा गर्क किया है, उसे हम ठीक कर रहे हैं। विधायक अमितेष शुक्ल ने छात्रावास निर्माण में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठाया।

बिलासपुर के कॉलेज का मामला

विधायक शैलेश पांडेय ने एक कॉलेज के मैदान को बेचने पर सवाल किया। उन्होंने कहा कि

बिलासपुर में जेपी वर्मा कॉलेज का मैदान कैसे गायब हो गया। ट्रस्ट मैदान बेच रहा है जबकि यह जमीन दान की है। राजस्व मंत्री ने कहा ट्रस्टियों ने जमीन बेची नहीं। जो जमीन दान की है वो अलग है और जिसे बेचने की बात है उसे दान नहीं किया गया है। राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने बताया कि हाईकोर्ट में यह मामला चल रहा है। नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, विधायक शिवरतन शर्मा, बृजमोहन अग्रवाल ने भारतीय जनता पार्टी के नेताओं, कार्यकर्ताओं पर दर्ज हो रहे अपराधिक मामलों को उठाया। उन्होंने इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बताई। इस पर सदन में जमकर हंगामा हुआ। मंत्री मोहम्मद अकबर ने कहा कि जो दोषी हैं उन पर कार्रवाई होगी। कवर्धा में पुलिस पर हमला करने वालों के खिलाफ कार्रवाई हुई। इसके बाद पक्ष-विपक्ष में जमकर हंगामा हुआ और कुछ देर के लिए सदन की कार्रवाई स्थगित की गई। सदन की कार्यवाही स्थगित होने के बाद भी बीजेपी के विधायक आसंदी के सामने नारेबाजी कर रहे हैं।

मरकाम ने अपनी ही सरकार को घेरा था

सोमवार को पीसीसी चीफ मोहन मरकाम ने अपनी ही सरकार को घेरा था। उन्होंने डीएमएफ फंड में बंदरबांट करने का आरोप लगाया था। इस पर बीजेपी विधायक धरमलाल कौशिक ने कई मुद्दों को लेकर सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि सदन में पीसीसी चीफ के द्वारा प्रश्न उठाए गए। भ्रष्टाचार में डीएमएफ का फंड जा रहा है। अभी तक हम बोल रहे थे अब सत्ता पक्ष के विधायक कह रहे हैं। सरकार को इसे गंभीरता से समझना चाहिए। अधिकारियों पर कार्रवाई होनी चाहिए।

सीवरेज मौत मामले में कौशिक ने कहा कि सीवरेज में एक बच्चा गिर गया और उसकी मौत हो गई। बात आसंदी के सामने रखी गई और मुआवजे की मांग की गई है। इसमें लापरवाही हुई है। जिस पर धरमलाल कौशिक ने अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। वहीं उन्होंने भाजपा के विधानसभा घेराव को लेकर कहा कि हितग्राहियों के साथ विधानसभा का घेराव किया जाएगा।

पत्थर के टुकड़े को रामसेतु का मान पूज रहे हैं ग्रामीण

विधि-विधान से मंदिर बनाकर किया जाएगा स्थापित

धनबाद, 14 मार्च (एजेंसियां)। धनबाद के निरसा में इन दिनों लोग एक तैरते हुए पत्थर की पूजा करने में लगे हुए हैं। इसे रामसेतु का पत्थर माना जा रहा है। यहां कुहंका ऊपर टोला स्थित खुदिया नदी में पत्थर का एक टुकड़ा पानी में तैरता हुआ मिला, जिसे लोगों ने राम सेतु का पत्थर मानकर उसकी पूजा-अर्चना शुरू कर दी है।

मंदिर बनाकर पत्थर को किया जाएगा स्थापित

गांव के अजीत बाउरी के पुत्र सिंटू बाउरी पत्थर के टुकड़े को पूरे विधि विधान के साथ अपने घर लाकर पानी के टब में रखे हुए हैं। लोग प्रतिदिन उनके घर जाकर उक्त पत्थर की पूजा अर्चना कर रहे हैं। अब अजीत बाउरी घर में एक मंदिर बनाकर पत्थर को स्थापित करने का मन बना चुके हैं इसके लिए उन्होंने विधिवत पुजारी से सलाह मशवरा भी कर लिया है।

लगभग 15 दिन पहले गांव के लड़के नदी में स्नान करने गए थे। गहरे पानी में एक स्थान पर पत्थर को तैरते हुए देखकर बच्चों में उत्सुकता जगी। बच्चे पत्थर को

धनबाद के निरसा में पत्थर को रामसेतु का समझकर लोग पूजा कर रहे हैं

उठाकर बार-बार नदी में फेंक रहे थे, परंतु पत्थर बार-बार पानी में उपला जा रहा था। बच्चों ने भागकर इस मामले की जानकारी गांव के बड़े-बुजुर्गों को दी।

गांव के बड़े-बुजुर्ग नदी में जाकर पत्थर को देखा तथा उसे पानी में डूबाने का प्रयास किया, परंतु वह बार-बार पानी में उपला जा रहा था। उसके बाद ग्रामीणों ने इसे रामसेतु में इस्तेमाल होने वाले पत्थर का टुकड़ा समझकर नदी में विधिवत पूजा अर्चना कर उसे घर ले आए। ग्रामीणों का कहना था कि श्री राम की सेना में शामिल नल और नील पत्थर में श्री राम लिखकर समुद्र में डालते थे, तो वह पत्थर डूबता नहीं था तथा इस प्रकार लंका पर आक्रमण करने के लिए समुद्र में पुल का निर्माण हुआ था। शायद यह पत्थर का टुकड़ा किसी तरह पानी में बहते हुए हमारे गांव आ गया है।

जिसे ग्रामीण पत्थर का टुकड़ा बता रहे हैं वह बाहर से देखने में प्राकृतिक पत्थर का टुकड़ा जैसा नहीं दिखता। हालांकि, लोगों का कहना है कि यदि यह सीमेंट से बना टुकड़ा है तो भी पानी में डूबना चाहिए था, परंतु यह पानी में क्यों नहीं डूब रहा। कुछ लोगों का कहना है कि ऊपर से पत्थर जैसे दिखने वाले इस टुकड़े के अंदर कुछ और होगा।

यूएस-यूके-ऑस्ट्रेलिया बनाएंगे 8 परमाणु पनडुब्बियां

चीन को घेरने 20.19 लाख करोड़ की डील, पहली बार तकनीक देने राजी हुआ अमेरिका

कैलिफोर्निया, 14 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने सोमवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मुलाकात की। एयूकेयूएस के बैनर तले हुई इस मीटिंग में 2030 तक ऑस्ट्रेलिया को न्यूक्लियर पावर वाली सबमरीन देने की डील की गई। इस दौरान बाइडेन ने कहा- ये डील इंडो-पैसेफिक क्षेत्र में स्टेबिलिटी लाने की तरफ एक अहम कदम है।

इस डील के तहत अमेरिका ऑस्ट्रेलिया को 3 यूएस वर्जीनिया क्लास न्यूक्लियर पावर्ड सबमरीन देगा। वहीं, जरूरत पड़ने पर उसे 2 और सबमरीन भी सप्लाई की जाएंगी। इस प्रोजेक्ट के तहत ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया मिलकर 8 एसएसएन-एयूकेयूएस सबमरीन बनाएंगे, जिसमें अमेरिकी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल किया जाएगा।

ऑस्ट्रेलियाई क्रू को ट्रेनिंग देंगी यूएस-यूके की सबमरीन

तीनों देशों की पार्टनरशिप के तहत बनी एसएसएन-एयूकेयूएस सबमरीन की डिलिवरी ब्रिटेन को 2030 के दशक के अंत तक मिलेगी। वहीं ऑस्ट्रेलिया को ये सबमरीन 2040 की शुरुआत में मिलेगी। इसे बीएई और रॉल्स-रॉयस मिलकर बनाएंगे। ऑस्ट्रेलियन के एक डिफेंस ऑफिसर के मुताबिक इसमें करीब 245 अरब डॉलर (20.19 लाख करोड़ रुपए) का खर्च आएगा। ऑस्ट्रेलिया के क्रू को ट्रेनिंग देने के लिए 2027 तक 4 अमेरिकी और 1 ब्रिटिश सबमरीन पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया में तैनात की जाएंगी।

ऑस्ट्रेलिया से पहली बार तकनीक साझा करेगा अमेरिका

इस दौरान बाइडेन ने लगातार इस बात पर जोर दिया कि ये सबमरीन न्यूक्लियर पावर का इस्तेमाल करेंगी। इन पर न्यूक्लियर वेपन्स नहीं होंगे। 1950 के बाद ये पहला मौका होगा जब अमेरिका अपनी न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी को किसी और देश के साथ साझा करेगा। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने इसे एक मजबूत साझेदारी बताते हुए कहा- पहली बार ऐसा होगा कि अटलांटिक और पैसेफिक ओशन में सबमरीन के 3 बेड़े एक साथ शांति बनाए रखने के लिए काम करेंगे।

वहीं ऑस्ट्रेलिया के रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स ने कहा- हमने इस डील को लेकर चीन से जानकारी साझा करने की पेशकश की है। हालांकि, हमें उनके जवाब के बारे में जानकारी नहीं है।

'बढ़ती चुनौतियों के बीच मजबूत साझेदारी जरूरी'

सुनक ने कहा- हम जिन चुनौतियों का सामना कर रहे हैं वो लगातार बढ़ती जा रही हैं। रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया तो वहीं चीन की गतिविधियां भी लगातार बढ़ रहीं हैं। दूसरी तरफ ईरान और नॉर्थ कोरिया अशांति फैलाने का काम कर रहे हैं। ऐसे में दुनिया पर अस्थिरता और विभाजन का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। इन सबके बीच ये बेहद जरूरी है कि हम अपने देशों को साथ मिलकर मजबूत करें।

जिनपिंग से जल्द बातचीत करेंगे बाइडेन

इस बीच चीन ने एयूकेयूएस डील को अवैध बताते हुए इसकी निंदा की। इस साझेदारी की वजह से ऑस्ट्रेलिया ने फ्रांस के साथ एक सबमरीन डील भी रद्द कर दी। इसे लेकर फ्रांस उससे नाराज चल रहा है। वहीं चीन के रुख पर बाइडेन ने कहा- ये चिंता का विषय नहीं है। मैं जल्द ही चीनी लीडर शी जिनपिंग से बात करने वाला हूं। हालांकि, बाइडेन और जिनपिंग की बातचीत कब होगी इसे लेकर कोई जानकारी नहीं मिली है।

क्या है एयूकेयूएस?

सितंबर 2021 में बना एयूकेयूएस ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन और अमेरिका के बीच नया रक्षा समूह है, जो इंडो पैसेफिक क्षेत्र पर केंद्रित है। इस गठबंधन (एयूकेयूएस) से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन की आक्रामकता को कंट्रोल किया जा सकेगा। इसके तहत यूएस, ऑस्ट्रेलिया से परमाणु पनडुब्बी की टेक्नोलॉजी साझा करेगा। एयूकेयूएस के बाद ऑस्ट्रेलिया ने फ्रांस के साथ 2.9 लाख करोड़ रु. के पनडुब्बी सौदे को रद्द कर दिया था।

चीन की सेना ने फिर खरीदे गलवान जैसे हथियार

कांटेदार हथौड़ा और भाले जैसी नोक वाला वेपन, सोशल मीडिया पर सामने आई तस्वीर

बीजिंग, 14 मार्च (एजेंसियां)। चीन एक बार फिर गलवान झड़प में इस्तेमाल किए गए धारदार और नुकीले हथियार खरीद रहा है। चीनी सोशल मीडिया एप वीबो पर ऐसे ही एक हथियार की तस्वीर वायरल हुई है। तस्वीर में एक सैनिक कांटेदार हथियार पकड़े दिख रहा है।

इस हथियार को 'कंबाइन्ड मेस' कहते हैं। ये 'कोल्ड वेपन' कैटिगरी का हथियार है। इसी कैटिगरी के हथियारों का इस्तेमाल चीनी सैनिकों ने 14-15 जून 2020 की दरमियानी रात गलवान घाटी में हुई झड़प के दौरान किया था। 'कंबाइन्ड मेस' मेटल से बना हथियार है। ये रौड की तरह दिखता है। इसकी लंबाई 1.8 मीटर होती है। रौड एक सिरा हथौड़े की तरह दिखता है। ये 50 सेंटीमीटर का होता है। इसमें कांटे लगे होते हैं। दूसरा सिरा भी नुकीला होता है। ये किसी भाले की तरह दिखता है।

चीन भले ही भारत-चीन बॉर्डर पर शांति लाने की कोशिश कर रहा हो या फिर जी20 के जरिए भारत के साथ डिपलोमैटिक रिलेशन्स सुधार रहा हो, लेकिन हैंड-कॉम्बैट वेपन्स की खरीद को नकारा नहीं जा सकता।

एक्स्पर्ट्स का मानना है कि चीन इन हथियारों का इस्तेमाल दोबारा भारतीय सैनिकों के खिलाफ कर सकता है। वो गलावन जैसा हमला दोहरा सकता है। गलवान में हुई झड़प में भारत के 20 सैनिक मारे गए थे।

एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि चीन ने करीब 2600 'कंबाइन्ड मेस' खरीदे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, चीन ने जनवरी 2023 में मेस और कंबाइन्ड मेस खरीदने का ऑर्डर दिया था। फरवरी में ये हथियार खरीद लिए गए थे। चीनी आर्मी ने ही इसकी घोषणा की थी।

वहीं, कुछ रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी ने तियानजिन शहर में अपराधियों को पकड़ने के लिए इसी तरह के हथियारों का इस्तेमाल किया था।

15 जून 2020 को लद्दाख के गलवान घाटी में दोनों सेनाओं के बीच झड़प में 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे, जबकि चीन के 38 सैनिक मारे गए थे। हालांकि, चीन की पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी ने 4 सैनिक मारे जाने की बात ही कबूली थी। यह टकराव करीब 3 घंटे तक चला था।

भारतवंशी ब्रिटिश पीएम सुनक की नीतियां भारतीयों पर ही भारी

21 हजार वैध भारतीय प्रवासियों को नौकरी नहीं, रंगभेद के कारण मान रहे अवैध

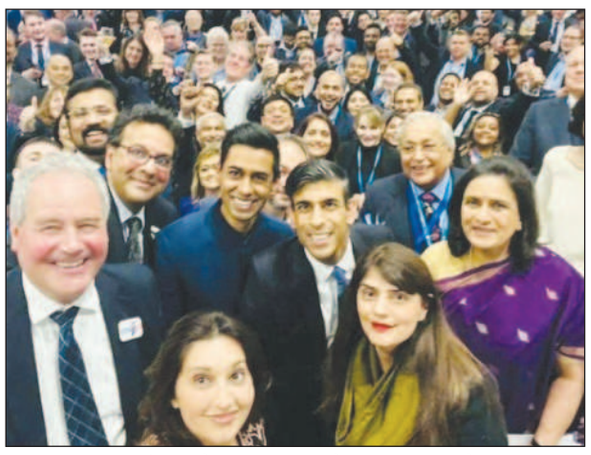

लंदन, 14 मार्च (एजेंसियां)। ऋषि सुनक के नेतृत्व वाली ब्रिटिश सरकार अवैध प्रवासियों पर अंकुश लगाने के लिए कड़ी नीति लागू कर रही है। लेकिन, इसका असर वहां रह रहे वैध भारतीय प्रवासियों पर पड़ रहा है। पिछले चार साल के दौरान ब्रिटेन के गृह मंत्रालय ने लगभग साढ़े चार लाख व्यक्तिगत आवेदनों में से लगभग 63 हजार प्रवासियों को विभिन्न सरकारी विभागों को नौकरियां नहीं देने के आदेश दिए। इनमें 21 हजार भारतीय हैं। अलग-अलग सरकारी विभागों और प्रभावित भारतीयों से विस्तृत पड़ताल में सामने आया कि रंगभेद और नस्लीय पहचान के कारण भारतीयों को अवैध प्रवासी मान लिया जाता है। उनके दस्तावेज खारिज हो जाते हैं।

हेल्थकेयर सुविधाएं लेने में भी मुश्किलें

वैध भारतीयों को बैंक खाते खोलने, हेल्थकेयर सुविधाएं लेने से लेकर यात्रा करने तक में मुश्किलें हो रही हैं। दूसरी ओर, भारतवंशी गृहमंत्री सुएला ब्रेवरमैन ने सुनक की नीतियों का समर्थन करते हुए हाल ही में बयान दिया है कि वे अवैध प्रवासियों को रवांडा (अफ्रीकी देश) भेजना चाहती हैं। सरकार के इस रवैये से उत्साहित श्वेत नस्लवादी संगठन प्रवासियों और शरणार्थियों पर लगातार हमलावर हो रहे हैं।

ब्रिटेन में नीतियों का आंकलन करने वाली सरकार की ही एक रिपोर्ट में स्वीकार किया गया कि दक्षिण एशियाई लोगों विशेषकर भारत से आने वाले प्रवासियों से भेदभाव हो रहा है। एक सरकारी अफसर ने दैनिक भास्कर से बातचीत में माना कि अवैध रूप से ब्रिटेन में रहने वाले लोगों को चिह्नित करने में कड़ी नीतियां ज्यादा असरदार नहीं रही हैं। प्रवासी मामलों से जुड़ी ज्यादातर सरकारी एजेंसियां रंग के आधार पर ही फैसले कर लेती हैं।

मानवाधिकार कार्यकर्ता सूजन हेर का आरोप है कि वैध रूप से शरण मांगने वालों के हक खत्म कर दिए गए हैं। जबकि, यूक्रेन से आने वाले पौने तीन लाख लोगों को शरण दी जा चुकी है।

बैंकों के डूबने पर हो रहे ये सवाल

पत्रकारों को जवाब दिए बिना बीच कॉन्फ्रेंस से चले गए राष्ट्रपति बाइडन

वॉशिंगटन, 14 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन कई बार अपनी अजीबो-गरीब हरकतों और जवाबों को लेकर पूरी दुनिया में चर्चा का विषय बन जाते हैं। कई मौकों पर अमेरिका की विपक्षी रिपब्लिकन पार्टी ने बाइडन को मुद्दे से भटक जाने और किसी चर्चा के बीच में ही सो जाने के आरोप लगाए हैं। इस बीच सोमवार को बाइडन एक बार फिर चर्चा में आ गए। दरअसल, जब उनसे अमेरिकी बैंकों के हालात को लेकर सवाल किए जा रहे थे, ठीक उसी दौरान वे अचानक मंच से हटकर अपने कमरे में चले गए। गौरतलब है कि बाइडन ने यह प्रेस कॉन्फ्रेंस सिलिकॉन वैली बैंक और सिग्नेचर बैंक के डूबने के मुद्दे पर सरकार का पक्ष रखने के लिए बुलाई थी। इस दौरान कुछ पत्रकार ने उनसे पूछा कि क्या आप अमेरिकियों को यह आश्वान दे सकते हैं कि बैंक डूबने की घटनाओं का कोई उल्टा असर नहीं होगा? और क्या अमेरिका में कोई और बैंक भी डूब सकता है? हालांकि, इसी दौरान बाइडन पोडियम से पीछे हटे और पत्रकारों को अनसुना करते हुए बिना कोई जवाब दिए कमरे में चले गए।

पेरिस की सड़कों पर 5600 टन कचरा जमा

सफाई कर्मचारी रिटायरमेंट एज बढ़ाने के खिलाफ हड़ताल पर, एक हफ्ते से कूड़ा नहीं उठाया

पेरिस, 14 मार्च (एजेंसियां)। फ्रांस में सफाईकर्मी हड़ताल पर हैं। इसकी वजह से पेरिस समेत कई शहरों में जगह-जगह कचरे का अंबार दिखाई दे रहा है। 'फ्रांस 24' की रिपोर्ट के मुताबिक, राजधानी पेरिस की सड़कों पर एक हफ्ते में करीब 5,600 टन कचरा जमा हो गया है। दरअसल, फ्रांस में नई पेंशन योजना के तहत रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाई जा रही है। लोग पिछले 2 महीने से इसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रदर्शनों में सफाई कर्मी भी शामिल हैं। रिटायरमेंट की उम्र को 62 से बढ़ा कर 64 करने वाला एक बिल 11 मार्च को सीनेट (फ्रांस की संसद का अपर हाउस) में पास हो गया था। अब 16 मार्च को एक जॉइंट कमेटी इसे रिव्यू करेगी। अगर कमेटी इस बिल को अप्रूव कर देती है तो संसद को दोनों सदनों में फाइनल वोटिंग होगी। इसी के आधार पर तय होगा की नई पेंशन योजना को लागू करना है या नहीं। एक सफाईकर्मी ने कहा- कचरा उठाने वालों की रिटायरमेंट एज 57 साल है। वहीं, सीवर साफ करने वालों की रिटायरमेंट एज 52 साल है। अगर नई पेंशन योजना लागू हो गई, तो इन्हें दो साल और काम करना होगा। इसका असर उनकी लाइफ पर पड़ेगा। क्योंकि वो दिन के चार से पांच घंटे सीवर के अंदर रहते हैं। सफाई के दौरान कई तरह की गैस निकलती हैं। सफाईकर्मी सीधे तौर पर इन गैसों के संपर्क में रहते हैं, जिससे उनके बीमार होने के चांस बढ़ जाते हैं। उन्होंने कहा- कई कर्मचारी 40 की उम्र पार करने के ही कमजोर होने लगते हैं। कुछ की तो मौत भी हो जाती है। कुछ हेल्थ रिसर्च में कहा गया है कि बाकी आबादी की तुलना में सीवेज कर्मचारियों के 65 साल की उम्र से पहले मरने की संभावना दोगुनी होती है। नई पेंशन योजना के तहत पूरी पेंशन के लिए जरूरी न्यूनतम सेवा काल की अवधि भी बढ़ा जाएगी। प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न ने बताया कि नई पेंशन योजना के प्रस्तावों के तहत 2027 से लोगों को पूरी पेंशन लेने के लिए कुल 43 साल काम करना होगा। अभी तक ये न्यूनतम सेवा काल 42 साल था।

सरकार इसे फ्रांस की शेयर-आउट पेंशन सिस्टम की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपाय के रूप में बता रही है। सरकार का कहना है कि काम करने वालों और सेवानिवृत्त लोगों के बीच का अनुपात तेजी से कम हो रहा है।

विद्रोही गुट का दावा- सेना ने बौद्ध मठ में लोगों को लाइन से खड़ा कर गोलियों से भूना, 28 की मौत

म्यांमार, 14 मार्च (एजेंसियां)। म्यांमार आर्मी ने एक बौद्ध मठ पर हमला कर 28 लोगों को मौत के घाट उतार दिया। म्यांमार के शान राज्य के एक गांव में इस हमले को अंजाम दिया गया। एक विद्रोही संगठन कारेन्नी नेशनलिस्ट डिफेंस फोर्स (केएनडीएफ) ने यह दावा किया है। म्यांमार में सैन्य तख्तापलट को दो साल के करीब हो चुके हैं और उसके बाद से भारत के इस पड़ोसी देश में सेना और विद्रोही संगठनों के बीच हिंसा जारी है। हाल के दिनों में सेना और विद्रोही संगठनों के बीच लड़ाई में तेजी आई है।

केएनडीएफ ने बताया कि शनिवार को म्यांमार की सेना ने शान प्रांत के एक गांव पर हमला किया। हमले में म्यांमार की एयरफोर्स और थल सेना दोनों ने संयुक्त रूप से कार्रवाई की। सेना के हमले से बचने के लिए लोग गांव के बौद्ध मठ में छिप गए लेकिन वहां भी सेना ने उनकी जान नहीं बख्शी। केएनडीएफ का कहना है कि सेना के हमले में 28 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है। म्यांमार के मीडिया में छपी खबरों के अनुसार, सेना ने लोगों को मठ की दीवार के सहारे खड़ा करके गोलियों से भून दिया। मरने वालों में मठ के भिक्षु भी शामिल हैं।

आईएमएफ के खिलाफ श्रमिक वर्ग का एकजुट मोर्चा

आज रात से सब कुछ ठप

कोलंबो, 14 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंका में जन विरोध की नई लहर उठती दिख ही है। ट्रेड यूनियनों ने मंगलवार आधी रात से सारे देश को ठप कर देने का एलान कर दिया है। इन यूनियनों के आह्वान पर अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के दबाव में उठाए गए कदमों के विरोध में बिजली एवं ऊर्जा, मेडिकल, बैंकिंग और कई अन्य प्रमुख सेवाओं के कर्मचारी हड़ताल पर जा रहे हैं।

हड़ताल से संबंधित कार्यक्रमों की जानकारी देने के लिए ट्रेड यूनियनों की तरफ से सोमवार को एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई। उसमें समागी ट्रेड यूनियन कलेक्टिव के संयोजक आनंद पालिता ने कहा कि अगर इनकम टैक्स में बढ़ोतरी को वापस नहीं लेती है और बिजली शुल्क समेत अन्य करों में कटौती नहीं करती

है, तो ट्रेड यूनियनें इस सरकार का "भविष्य तय" कर देंगी। ट्रेड यूनियनों ने आरोप लगाया है कि रानिल विक्रमसिंघे सरकार सिलोन इलेक्ट्रिसिटी बोर्ड (सीएफबी) को बेचने की तैयारी कर रही है, जबकि अब यह सार्वजनिक क्षेत्र की यह कंपनी मुनाफे में आ चुकी है। पालिता ने कहा- 'अगर सरकार मांगें पूरी नहीं करती है, तो 14 मार्च की आधी रात से ट्रेनों का चलना बंद हो जाएगा, साथ ही बिजली की सप्लाई कट जाएगी, डॉक्टर काम करना बंद कर देंगे और यूनिवर्सिटी, ऊर्जा एवं बैंकिंग सेक्टरों आदि में काम पूरी तरह ठप हो जाएगा। उसके बाद यह देखने की बात होगी कि यह सरकार टिकती है या चली जाती है।' मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक मेडिकल डॉक्टर पहले से ही कई प्रांतों में आंदोलन पर हैं और इस कारण देश का पूरा हेल्थ सेक्टर लगभग ठप हो गया है। इससे मरीजों को भारी दिक्कत हो रही है। डॉक्टर भी आईएमएफ की शर्तों के मुताबिक बढ़ाए गए टैक्स का विरोध कर रहे हैं। डॉक्टरों के आंदोलन से पश्चिमी, दक्षिणी, मध्य और पूर्वी प्रांतों में स्वास्थ्य सेवाएं बुरी तरह प्रभावित हुई हैं।

गवर्नमेंट मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन की सचिव हरिता अलुथगे ने सोमवार को कहा कि अगर सरकार समाधान पेश करे, तो हड़ताल अभी भी टल सकती है। उन्होंने कहा- 'फिलहाल हमने फैसला किया है कि बुधवार सुबह आठ बजे से देश भर में डॉक्टर हड़ताल पर चले जाएंगे।'

'आईएमएफ के पास बंधक है पाकिस्तान'

मरयम नवाज बोलीं- इमरान की वजह से देश भीख मांगने को मजबूर

इस्लामाबाद, 14 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) की नेता मरयम नवाज ने आरोप लगाया है कि आईएमएफ, पाकिस्तान के साथ उपनिवेश जैसा बर्ताव कर रहा है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान आईएमएफ के पास बंधक है। मरयम नवाज ने इमरान खान पर भी निशाना साधा और कहा कि उन्हीं की गलतियों की वजह से पाकिस्तान भीख मांगने को मजबूर है। लाहौर के मॉडल टाउन इलाके में एक जनसभा को संबोधित करते हुए मरयम नवाज ने ये बातें कही।

पाकिस्तान से उपनिवेश की तरह व्यवहार कर रहा आईएमएफ

बता दें कि पाकिस्तान की अर्थव्यवस्था गंभीर संकट का सामना कर रही है। पाकिस्तान आईएमएफ से 1.1 अरब डॉलर कर्ज को लेकर बातचीत कर रहा है। हालांकि कर्ज की शर्तों पर

अभी तक सहमति नहीं बन पाई है। इसे लेकर मरयम नवाज ने कहा कि 'आईएमएफ हम पर भरोसा करने को तैयार नहीं है। पाकिस्तान, आईएमएफ का बंधक है और आईएमएफ हमारे साथ एक उपनिवेश की तरह व्यवहार कर रहा है। हम उसके चंगुल से निकलने की कोशिश भी करें तो नहीं कर पा रहे हैं।' मरयम नवाज ने आरोप लगाया कि इमरान खान की सरकार ने पिछले आईएमएफ समझौते की धज्जियां उड़ाई, जिसकी वजह से कर्ज मिलने में परेशानी हो रही है। मरयम नवाज ने कहा कि इमरान खान की गलतियों की वजह से देश भीख मांगने को मजबूर है। मरयम नवाज ने कहा कि इमरान खान को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। वह पार्टी कार्यकर्ताओं के पीछे क्यों छिप रहे हैं? वह दोबारा प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं लेकिन उन्होंने ऐसा क्या किया है, जो उन्हें दोबारा प्रधानमंत्री बनाया जाए।

इमरान खान कुछ सैन्य जनरलों और जजों का समर्थन पाने की कोशिश कर रहे हैं। अब वह न्यायपालिका के दम पर सत्ता में वापस आना चाहते हैं।

गिरफ्तारी के गहराते साये के बीच इमरान खान ने अपनाया नाफरमानी का रुख

इस्लामाबाद, 14 मार्च (एजेंसियां)। जिस समय पाकिस्तान की शहबाज शरीफ सरकार इमरान खान को जेल में डाल देने के लिए हाथ-पांव मार रही है, पूर्व प्रधानमंत्री ने नाफरमान रुख अपना लिया है। सोमवार को उन्होंने लाहौर में एक बड़ी रैली कर सरकार के साथ-साथ परोक्ष रूप से न्यायपालिका को भी ललकारा। सोमवार को ही खान को गिरफ्तार करने के लिए इस्लामाबाद पुलिस के एक दल को लाहौर भेजा गया था। लेकिन अब पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के अध्यक्ष ने अगले रविवार को और भी बड़ी रैली आयोजित करने की घोषणा कर दी है। इस कार्यक्रम के मुताबिक 19 मार्च को लाहौर स्थित मीनार-ए-पाकिस्तान के सामने 'एतिहासिक' रैली का आयोजन होगा।

इमरान खान को दो मामलों में गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है। इनमें एक मामला एक जज को कथित रूप से धमकाने का है। दूसरा तोशाखाना मामला है, जिसमें आरोप है कि बतौर प्रधानमंत्री मिले तोहफों को इमरान खान ने बेच दिया। जज को धमकाने के मामले में इस्लामाबाद स्थित डिस्ट्रिक्ट एंड सेशन कोर्ट ने खान के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी किया है।

इमरान खान जज धमकी और तोशाखाना मामलों में निजी तौर पर कोर्ट में पेश होने से बचते रहे हैं। उन्होंने निजी पेशी से छूट देने की याचिका कोर्ट में दी थी। लेकिन इस्लामाबाद के सिविल जज ने इस याचिका को ठुकरा दिया है। साथ ही जज ने पुलिस को आदेश दिया है कि वह 29 मार्च के पहले इमरान खान को कोर्ट के सामने पेश करे। इसी आदेश के बाद इस्लामाबाद पुलिस की टीम लाहौर भेजी गई है। लेकिन इससे बेपरवाह इमरान खान ने सोमवार को एलान किया- 'अगले रविवार को दिन में दो बजे मीनार-ए-पाकिस्तान पर जन सभा होगी। हम सभी इस संघर्ष में एकजुट हैं।' खान ने कहा कि उनकी जान खतरे में है, यह बात सबको मालूम है। उन्होंने कहा- 'इसके बावजूद देश में सच्ची आजादी लाने के लिए चोरों को जवाबदेह ठहराना होगा, जिन्हें इस देश के ऊपर थोप दिया गया है।'पीटीआई के सूत्रों ने मीडियाकर्मियों को बताया है कि अगर इस्लामाबाद पुलिस इमरान खान को गिरफ्तार कर लेती है, तब भी पार्टी रविवार की रैली के कार्यक्रम पर अडिग रहेगी।

'कम्युनिस्ट' चीन के इरादे पर एक बड़ा सवाल है हांगकांग की गहराती आवास समस्या

हांग कांग, 14 मार्च (एजेंसियां)। महंगी गगनचुम्बी इमारतों वाले शहर हांग कांग में आवासीय संकट बढ़ता ही जा रहा है। हांगकांग में सामान्य मकान भी करोड़ों डॉलर में बिकते हैं। यहां तक कि पार्किंग स्थल की कीमत भी दसियों लाख डॉलर होती है। लेकिन इस शहर में ऐसे कम से कम दो लाख लोग हैं, जिन्होंने पांच वर्ष से ज्यादा समय पहले सब्सिडाइज्ड फ्लैट के लिए अर्जी दी थी और उनका इंतजार खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है।

हांगकांग की आम छवि धनी लोगों के शहर की है, लेकिन यहां लगभग 20 फीसदी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जिंदगी गुजारती है। ऐसे लोग एक ही मकान के अंदर घेरा डाल कर दिन-रात गुजारते हैं। अकसर कहा जाता है कि ये लोग पिंजरों में रहते हैं। हांगकांग को ब्रिटेन ने 1997 में कम्युनिस्ट चीन को लौटाया था। लेकिन यहां शासन बदलने के बावजूद गरीब लोगों की हालत पर कोई फर्क नहीं पड़ा है। हांगकांग की आबादी 70 लाख से ज्यादा है। अधिकारियों का कहना है कि गुजरे दशकों में यहां आकर बसने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ी, इसलिए वे मांग के मुताबिक आवास की सप्लाई नहीं कर पाए हैं।

करणी सेना के संस्थापक लोकेंद्र सिंह कालवी का निधन

एसएमएस हॉस्पिटल में चल रहा था इलाज, पैतृक गांव में आज अंतिम संस्कार

जयपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। श्री राजपूत करणी सेना के संस्थापक और समाज सेवी लोकेंद्र सिंह कालवी का सोमवार देर रात एसएमएस हॉस्पिटल में निधन हो गया। डॉक्टरों के अनुसार कालवी का काफी समय बीमार थे। जून 2022 में ब्रेन स्ट्रोक आने के बाद उन्हें यहां भर्ती कराया गया था। इस बीच, कल रात उन्हें कार्डियक अरेस्ट पड़ गया और उन्हें बचाया नहीं जा सका।

लोकेंद्र सिंह कालवी की गिनती जुझारू नेताओं में होती रही है। सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर वे लगातार संघर्ष करते रहे। चुनावी राजनीति में वे खुद नहीं जीते पर लेकिन उन्होंने जो सियासी मुद्दे उठाए उनकी गूंज लंबे समय तक रही।

परिवार से मिली जानकारी के अनुसार लोकेंद्र सिंह कालवी का अंतिम संस्कार मंगलवार को नागौर जिले के उनके पैतृक गांव कालवी में किया गया। कालवी के निधन की जानकारी मिलने से राजपूत समाज में शोक की लहर है। बड़ी संख्या में लोग उनके पैतृक गांव पहुंच रहे हैं। कालवी के निधन पर पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ सतीश पूनिया सहित कई नेताओं ने शोक व्यक्त किया है।

करणी सेना ने राजपूत समाज पर आधारित फिल्मों, सीरियल कई बार जमकर विरोध किया। कालवी के नेतृत्व में 2008 में फिल्म मेकर आशुतोष गोवारिकर की फिल्म 'जोधा अकबर' की रिलीज का पूरे राजस्थान में विरोध किया। इसी तरह एकता कपूर के सीरियल जोधा अकबर का विरोध करते हुए जयपुर में लिटरेचर फेस्टिवल में काफी हंगामा किया गया। 2018 में करणी सेना ने फिल्म पद्मावती की रिलीज का भी विरोध किया। विरोध में कालवी ने खुले मंच से कहा था कि फिल्म में राजपूत वंश की गरिमा के खिलाफ दिखाया गया है। बाद में इस फिल्म का नाम पद्मावत करना पड़ा था।

जाति आधारित आरक्षण का भी विरोध किया

लोकेंद्र सिंह कालवी ने भारत में जाति आधारित आरक्षण का पुरजोर विरोध किया था। इसे लेकर साल 2006 में कालवी ने श्री राजपूत करणी सेना की स्थापना की। कालवी को पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का कड़ा विरोधी माना जाता था। उन्होंने राजे के पहले कार्यकाल के दौरान कालवी ने सरकार की नीतियों और योजनाओं के खिलाफ कई प्रदर्शन किए। उन्होंने भारत में जाति आधारित आरक्षण व्यवस्था का विरोध कर नया विवाद को भी जन्म दिया था।

जुझारू नेता की छवि

लोकेंद्र सिंह कालवी ने 2003 में देवी सिंह भाटी के साथ मिलकर सामाजिक न्याय मंच बनाया। सामाजिक न्याय मंच के जरिए सवर्ण आरक्षण की मांग के साथ राजनीतिक भागीदारी की मुहिम भी तेज की उपेक्षित को आरक्षण और आरक्षित को संरक्षण के नारे से पूरे प्रदेश में मुहिम चलाई। सामाजिक न्याय मंच ने साल 2003 के विधानसभा चुनाव में इसे मुद्दा बनाया था।

कांग्रेस और बसपा में भी रहे, बाद में सियासत से दूरी

लोकेंद्र सिंह कालवी साल 2008 के विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हो गए थे। साल 2014 में लोकसभा चुनाव से पहले बसपा में चले गए थे लेकिन जल्द ही उनका मोहभंग हो गया। पिछले लंबे अरसे से राजनीति से उनका मोहभंग हो गया था, वे पूरी तरह सामाजिक कामों में व्यस्त हो गए थे। लोकेंद्र सिंह कालवी के पिता कल्याण सिंह कालवी राजस्थान में जनता दल के राजनेता थे। वह बाड़मेर निर्वाचन क्षेत्र से 1989 में आम चुनाव में 9वीं लोकसभा के लिए सांसद चुने गए। कल्याण सिंह पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर के करीबी लोगों में शामिल थे।

पुलिस ने नेता के खिलाफ अश्लील लोकगीतों के आरोप में पांच को दबोचा

जयपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस ने राजस्थान के एक प्रमुख राजनेता के खिलाफ सोशल मीडिया पर अश्लील और अपमानजनक शब्दों वाले लोकगीत प्रसारित करने के आरोप में एक यूट्यूबर समेत पांच युवकों को गिरफ्तार किया है।

इनमें से दो आरोपियों को जयपुर कमिश्नरेट पुलिस को सौंप दिया गया है। सवाई माधोपुर पुलिस ने यूट्यूबर को गिरफ्तार कर लिया है। लोकगीत रविवार को यूट्यूब पर प्रसारित किया गया और वायरल हो गया। इस संबंध में जयपुर के सोडाला थाने, दौसा के नंगल राजावतन और सवाई माधोपुर जिले के चौथ का बरवाड़ा थाने में तीन अलग-अलग मामले दर्ज हैं। मामले की जानकारी मिलते ही तीनों जिला एसपी को पुलिस मुख्यालय द्वारा तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

राज्य सरकार का बड़ा फैसला

मदरसा पैराटीचर्स अब बनेंगे शिक्षा अनुदेशक, मानदेय में भी होगी बढ़ोतरी

जयपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में मदरसा पैराटीचर्स को शिक्षा अनुदेशक बनाने का रास्ता साफ हो गया है। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसके लिए मंजूरी दे दी है। मदरसा पैराटीचर्स को शिक्षा अनुदेशक बनाने की मांग लंबे समय से चल रही थी। इसके लिए अल्पसंख्यक मामलात मंत्री शाले मोहम्मद लगातार प्रयास कर रहे थे। म

ंत्री की अनुशंसा पर किए गए निर्णय के बाद अब राज्य में मदरसा पैराटीचर्स को शिक्षा अनुदेशक बनाया जाएगा। साथ ही राजस्थान मदरसा बोर्ड से पंजीकृत मदरसों में कार्यरत मदरसा पैराटीचर्स को अब 16 हजार 900 रुपये प्रतिमाह दिए जाएंगे। मंत्री शाले मोहम्मद ने इस जनहितकारी फैसले के लिए मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को धन्यवाद दिया है।

मंत्री शाले मोहम्मद ने कहा कि राजस्थान सरकार अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। बजट 2023-24 में जो घोषणाएं हुईं हैं, उन्हें जल्द से जल्द लागू किया जाएगा। अल्पसंख्यक समाज की बेहतरी ही सरकार की पहली प्राथमिकता है।

मदरसा में पढ़ रहे बच्चों को मिलेगी बेहतर तालीम

सोमवार 13 मार्च को अल्पसंख्यक मामलात विभाग के शासन सचिव कृष्ण कुणाल की ओर से मदरसा पैराटीचर की शिक्षा अनुदेशक के रूप में वृद्धि किए हुए मानदेय एवं नवीन पदनाम की अधिसूचना जारी की गई है। उन्होंने कहा कि शिक्षा अनुदेशक अब बेहतर कार्य करेंगे, जिससे मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों को अच्छी और आधुनिक तालीम मिल सकेगी।

एनआईए ने पीएफआई के दो सदस्यों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की

हिंसक घटनाओं में शामिल होने का आरोप

जयपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की संदिग्ध गतिविधियों और हिंसक एजेंडे के मामले में एनआईए ने सोमवार को दो आरोपियों के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट पेश कर दी है। एनआईए ने कोटा में रहने वाले मोहम्मद आसिफ उर्फ आसिफ और बारां के निवासी सादिक सर्राफ पर आईपीसी की धारा 120बी, 153ए और यूएपीए की धारा 13, 17, 18, 18ए और 18बी के तहत आरोप लगाए गए हैं। एनआईए ने आरोपी मोहम्मद आसिफ और सादिक सर्राफ पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। जांच एजेंसी ने अपनी चार्कशीट में लिखा है कि दोनों आरोपी पीएनआई के प्रशिक्षित सदस्य हैं।

आरोपी मुस्लिम युवाओं को पीएमआई में भर्ती करने और फिर उनसे हिंसक घटनाओं को अंजाम दिलाने का काम कराते थे। आरोप है कि मोहम्मद आसिफ और सादिक पीएफआई में मुस्लिम युवाओं को भर्ती करने के लिए उनका ब्रेनवॉश किया करते थे। उन्हें विश्वास दिलाते थे कि भारत में इस्लाम खतरे में है। इसकी रक्षा के लिए हमें काम करना होगा, 2047 तक भारत में इस्लामिक शासन स्थापित करना है। इसके लिए पीएफआई के साथ ज्यादा-ज्यादा लोगों का जुड़ना जरूरी है। इसी तरह की कई बातें कर ये आरोपी युवाओं को भर्ती करते थे और फिर उन्हें हथियारों के इस्तेमाल की ट्रेनिंग दी जाती थी, साथ ही अन्य तरीकों से भी प्रशिक्षित किया जाता था।

किरोड़ीलाल एसएमएस छोड़कर दिल्ली रवाना

इलाज में क्रूरता का आरोप, बोले- सीएम और धारीवाल गरीब की लड़ाई को आंतक मानते हैं, यह आंतक छोड़ने वाला नहीं

जयपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा के राज्यसभा सांसद डॉ. किरोड़ीलाल मीणा इलाज के लिए सवाई मान सिंह हॉस्पिटल छोड़कर मंगलवार दोपहर करीब 3 बजे दिल्ली रवाना हो गए। उन्हें एसएमएस हॉस्पिटल प्रशासन ने दिल्ली रेफर नहीं किया है। किरोड़ी खुद की इच्छा से दिल्ली गए हैं। अब किरोड़ी एम्स में इलाज करवा सकते हैं। दिल्ली रवाना होने से पहले किरोड़ी ने सरकार पर उनके इलाज में क्रूरता और लापरवाही बरतने के आरोप लगाए। उन्होंने सीएम अशोक गहलोत और मंत्री शांति धारीवाल को भी निशाने पर लिया है। डॉ. किरोड़ी ने एसएमएस के डॉक्टरों की तारीफ की, लेकिन उन पर सरकारी दबाव में होने की बात कही।मंत्री शांति धारीवाल के बयान पर किरोड़ी लाल मीणा ने कहा- मैं सड़क पर गरीबों की लड़ाई लड़ता हूं। लाठी खाता हूं, धरना देता हूं। प्रदर्शन करता हूं, जेल जाता हूं। मुख्यमंत्री और शांति धारीवाल की परिभाषा आंतकी की है। उनकी नजर में अगर मैं आंतकी हूं। अगर वे इसे आतंक मानते हैं तो मैं यह आतंक छोड़ने वाला नहीं हूं। दीन-हीन, गरीब की लड़ाई इसी मजबूती से लड़ता रहूंगा।वीरांगनाओं के समर्थन में किए जा रहे आंदोलन पर किरोड़ी ने कहा- आंदोलन अंतिम सांस तक जारी रहेगा। अंतिम लक्ष्य की प्राप्ति तक जारी रहेगा।

मैं जीवन बचाने अपनी इच्छा से जा रहा हूं

किरोड़ीलाल मीणा ने कहा- मेरी हालत लगातार बिगड़ रही है। मैं बराबर मेडिकल बोर्ड को कहता रहा- मुझे इलाज के लिए एसएमएस से दिल्ली एम्स या दूसरे हायर सेंटर पर भेजा जाए, लेकिन नहीं भेजा। मेडिकल बोर्ड ने कहा- आप लिखकर दीजिए। कल लिखकर भेजा। मेरे बाएं पैर और हाथ में सुन्न, कमजोरी लगातार बढ़ रही है। चक्कर आना लगातार बढ़ रहा है। मुझे लगातार घबराहट हो रही है।किरोड़ी ने कहा- खुद की मर्जी से एसएमएस छोड़कर हायर सेंटर के लिए जा रहा हूं। मैंने बार-बार आग्रह किया, लेकिन रेफर नहीं किया। सरकार इलाज में क्रूरता और लापरवाही बरत रही है। डॉक्टरों ने खूब केयर की, लेकिन ये सरकार के दबाव में हैं। मेरे सर्वाइकल में सी 4 से सी 7 तक चोट लगी है। इसकी वजह से स्पाइनल कॉर्ड में सूजन आ गई है। हालत बिगड़ रही है। अब अपनी इच्छा से दिल्ली जा रहा हूं। मुख्यमंत्री को धन्यवाद कि जिस तरह का व्यवहार इलाज में मेरे साथ कर रहे हो। वैसा व्यवहार किसी गरीब के साथ नहीं करें।

रंधावा की मोदी पर टिप्पणी, भाजपा का वॉकआउट

विधानसभा में हंगामा, बीजेपी एमएलए ने कहा-पीएम की हत्या का षड्यंत्र रचा जा रहा

जयपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस के राजस्थान प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा के मोदी को खत्म करने वाले बयान पर सियासी घमासान शुरू हो चुका है। मंगलवार को विधानसभा में जमकर हंगामा हुआ। कृषि और पशुपालन की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान रंधावा के बयान पर बीजेपी विधायकों ने वॉकआउट किया। अनुदान मांगों पर बहस के दौरान सतीश पूनिया का भाषण खत्म होते ही बीजेपी ने अचानक रंधावा के बयान का मुद्दा उठाकर हंगामा शुरू कर दिया।

बीजेपी विधायक मदन दिलावर ने सदन में कहा- राजस्थान में आतंकवादी घुस गए हैं। जनता आतंकित है। उस आतंकवादी ने कहा है कि मोदी को खत्म कर दो। आतंकवादियों को सरकार ने अब तक नहीं पकड़ा है। सरकार चुपचाप बैठी हुई है। मोदी जी की हत्या करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। दिलावर के बोलते ही बीजेपी के कई और विधायक भी खड़े होकर जोर-जोर से बोलने लगे। सदन में हंगामे के हालात बन गए। कांग्रेस विधायकों और माकपा विधायक बलवान पूनिया ने कहा- सोमवार को आदिवासियों की बात हो रही थी तो इन्होंने हंगामा किया। आज ये किसानों पर चर्चा नहीं होने देना चाहते।

विधानसभा में लगे रंधावा के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे

बी जे पी विधायकों ने वेल में आकर नारेबाजी शुरू कर दी। बीजेपी विधायकों ने 'सुखजिंदर सिंह रंधावा मुर्दाबाद' के नारे लगाए। कुछ देर हंगामे के बाद उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस प्रभारी सुखजिंदर रंधावा ने जिस तरह देश के प्रधानमंत्री के बारे में बयान दिया है, वह निंदनीय है। इसके बाद राठौड़ ने सदन से वॉकआउट की घोषणा की। इससे पहले बीजेपी विधायकों के हंगामे पर सभापति जेपी चंदेलिया ने सभी को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन नहीं माने। सभापति ने कहा कि किसानों के मुद्दे पर चर्चा हो रही है, इसे होने दीजिए।

मंत्री कल्ला बोले- रंधावा ने मोदी को हराने की बात कही थी, मारने की नहीं

शिक्षा मंत्री बीडी कल्ला ने कहा- उन्होंने (रंधावा) ऐसा कुछ नहीं कहा था। उन्होंने कहा था कि मोदीजी को हराओ, देश बचाओ। उन्होंने मोदीजी को खत्म करने की बात नहीं कही थी। मैं वहीं पर ही मौजूद था। विधानसभा के नियमों में यह प्रावधान है कि अखबार में छपी बात के आधार पर सदन में कोई बात नहीं रख सकते। मैं वहां मौजूद था। इनका हंगामा गलत है।

रंधावा ने कल कहा था-मोदी खत्म हो गया तो देश बच जाएगा

कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने सोमवार को अडाणी मुद्दे पर कांग्रेस के प्रदर्शन के दौरान मोदी और बीजेपी को खत्म करने पर बयान दिया था। रंधावा ने कहा था- सभी नेताओं से कहता हूं कि अपनी लड़ाई खत्म करें और मोदी को खत्म करने की बात करिए। अगर मोदी खत्म हो गया तो देश बच जाएगा। अगर मोदी रहा तो देश बर्बाद हो जाएगा। मोदी देशभक्ति की बात करते हैं। मोदी को तो पता ही नहीं कि देशभक्ति होती क्या है? आजादी की लड़ाई में जेलों में जाने वाले सब कांग्रेसी परिवार हैं। कांग्रेस परिवारों की पांच-पांच पीढ़ियां देश के लिए जेल गई हैं। अंडमान की सेल्युलर जेल में हर कांग्रेसी का खून है। मोदी कहते हैं कि कांग्रेस ने क्या-किया है। कांग्रेस ने देश को आजाद करवाया है। तेरे जैसे बेईमान आदमी को देश दे दिया। पहले मोदी को निकालो, मोदी निकल गया तो अडाणी अपने आप खत्म हो जाएगा। पहले बीजेपी को मार लो। अडाणी अपने आप खत्म हो जाएगा। मोदी-मोदी करो। देश का बेड़ा गर्क कर रहा है। देश बेच रहा है।

पूनिया बोले- किसान आत्महत्या को मजबूर

कृषि और पशुपालन की अनुदान मांगों पर बहस के दौरान मंगलवार को बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया ने कहा- कर्जमाफी के लिए सरकार व्हाइट पेपर लाए। केवल सहकारी बैंकों का कर्जा माफ हुआ है। बाकी बैंकों का माफ नहीं हुआ है। वादा तो संपूर्ण कर्जमाफी का हुआ था। संपूर्ण कर्जमाफी का झुनझुना आपने ही दिया था। किसान का भरोसा आपने पहले ही तोड़ दिया। कृषक मित्र लंबे समय से मानदेय बढ़ाने की मांग कर रहे हैं।

समुदाय का फैसला, सिर्फ क्लीन शेव दूल्हा ही विवाह समारोह में ले सकता है भाग

जयपुर, 14 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में सामूहिक विवाह समारोहों का आयोजन करने वाली एक स्थानीय समिति ने एक अजीबोगरीब फैसला किया है। फैसले के मुताबिक ऐसे आयोजनों में केवल क्लीन शेव दूल्हा ही भाग ले सकता है, लंबी दाढ़ी वाले को वापस किया जाएगा। यह निर्णय श्री क्षत्रिय कुमावत सामूहिक विवाह समिति द्वारा बुलाई गई बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया, जो 30 मार्च को सामूहिक विवाह समारोह का आयोजन करेगी।

समिति के अधिकारियों ने निर्देश दिया है कि शादी में सिर्फ क्लीन शेव दूल्हों को ही शामिल होने की अनुमति दी जाएगी और दाढ़ी रखने वालों को वापस भेज दिया जाएगा। गोविन्दगढ़ में बैठक हुई जिसमें समिति के अध्यक्ष सत्यनारायण मवार व सचिव छोटूराम मावल ने कहा कि भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए दूल्हों को मुंडन कराकर आने का निर्देश दिया जाता है। पश्चिमी प्रभाव के तहत, कई दूल्हे अपनी शादी के लिए लंबी दाढ़ी के साथ आते हैं जो अशोभनीय लगते हैं। कई बार उनकी पहचान छिपी रहती है। समिति के सभी सदस्यों ने इस आदेश पर अपनी सहमति दी और स्वीकार किया कि विवाह समारोह में केवल क्लीन शेव दूल्हे को आने की अनुमति दी जाएगी। सूत्रों ने बताया कि अब तक नौ जोड़ों ने नियमों का पालन करते हुए शादी के लिए पंजीकरण कराया है।

अकाउंटेंट निगल गया 56 ब्लेड, होने लगीं खून की उल्टियां

7 डॉक्टरों की टीम ने 3 घंटे ऑपरेशन कर युवक की बचाई जान

जालोर, 14 मार्च (एजेंसियां)। एक 26 साल के युवक को खून की उल्टियां हुई तो साथियों ने उसको अस्पताल पहुंचाया । अस्पताल में एक्स-रे और सोनोग्राफी करवाई तो युवक के गले में घाव और पेट में काफी ब्लेड फंसी नजर आई। ब्लेड से शरीर के अंदर कट लगने से उसके पूरे शरीर पर सूजन आ गई थी। इसके बाद डॉक्टर ने ऑपरेशन कर युवक के पेट से ब्लेडें निकाली। अब युवक पूरी तरह से स्वस्थ है। मामला जालोर जिले के सांचौर का है।

जानकारी के अनुसार दाता निवासी यशपाल सिंह सांचौर में भाजपा जिलाध्यक्ष श्रवण सिंह राव के यहां एसएम राव डेवलपर्स में अकाउंट का काम देखता है और बालाजी नगर में कमरा लेकर 4 साथियों के साथ रहता है। रविवार की सुबह सभी साथी काम के लिए ऑफिस चले गए थे और युवक अकेला था। करीब 1 घंटे बाद उसने अपने साथियों को फोन कर बताया कि उसकी तबीयत खराब हो गई है और खून की उल्टियां हो रही है। इस पर उसके साथी कमरे पर पहुंचे और उसको पास के निजी अस्पताल पहुंचाया। यहां पर जांच के बाद उसको रेफर कर दिया।

एक्स-रे और सोनोग्राफी में नजर आई ब्लेड

इसके बाद साथियों ने उसको मेडिप्लस अस्पताल में भर्ती कराया। यहां डॉक्टर नरसी राम देवासी ने पहले यशपाल का एक्सरे कराया और फिर सोनोग्राफी कराई, जिसमें उसके पेट में काफी सारी ब्लेड नजर आई। इसके बाद कन्फर्म करने के लिए एंडोस्कोपी की और फिर पेट से ब्लेड निकालने के लिए इमरजेंसी में ऑपरेशन किया।

शरीर में कई जगह लगे कट

डॉक्टर नरसी राम देवासी के अनुसार युवक को अस्पताल लेकर आए तो ऑक्सीजन लेवल 80 पर था। जांच में पेट में ब्लेड मिलने पर ऑपरेशन कर 56 ब्लेड निकाली। ब्लेड के कारण युवक के शरीर के अंदर कई जगह कट लग गए, जिनको भी रिपेयर किया गया। फिलहाल उसकी हालत स्थिर है और कोई दिक्कत नहीं है।

कवर के साथ निगल गया 3 पैकेट ब्लेड

उन्होंने बताया कि हो सकता है कि युवक को एंग्जाइटी या डिप्रेशन हो, जिसके कारण उसने ब्लेड के 3 पूरे पैकेट खा लिए। उसने ब्लेड को कवर के साथ 2 हिस्सों में बांटकर खाया था, जिसके कारण ब्लेड अंदर चली गई। अगर ऐसे ही खाता तो ब्लेड गले में ही अटक जाती, अंदर नहीं जाती। उन्होंने बताया कि जब ब्लेड पेट में पहुंची तो उसका कवर डिजोल्व हो गया और पेट के अंदर कट लगने से खून निकलने लगा और युवक को खून की उल्टियां होने लगी। हमने ऑपरेशन कर ब्लेड निकाल दी और पेट में बने घावों को भी रिपेयर कर दिया है।

परिजनों बोले-ब्लेड खाने का कारण समझ से बाहर

युवक के अस्पताल में भर्ती होने की जानकारी के बाद परिजन भी अस्पताल पहुंच गए। परिजनों से बताया कि युवक से आखिरी बार बात हुई तो वह एक दम नॉर्मल था। परिवार की आर्थिक स्थिति भी बेहतर है, ऐसे में ब्लेड खाने का कदम क्यों उठाया, यह समझ से बाहर है। युवक ने अपने परिजनों को ब्लेड खाने का कारण नहीं बताया है।

बीच सड़क से युवक का किडनैप

बाड़मेर, 14 मार्च (एजेंसियां)। फिल्मी अंदाज में बोलेरो गाड़ी में सवार होकर आए 5-6 बदमाशों ने युवती से प्रेम प्रसंग के चलते युवक को किडनैप कर लिया। करीब डेढ़ घंटे तक युवक के साथ हॉकी व डंडो से मारपीट की गई। युवक बोलता रहा- मैं किसी युवती को नहीं जानता। किडनैप करने वालों ने युवक के पिता के नाम व मोबाइल नंबरों को क्रॉस चैक किया। तब पता चला कि जिसे किडनैप किया वो दूसरा युवक है। फिर बदमाश युवक को छोड़कर भाग गए।

रामगंज बालाजी स्थित वेलकम होटल में पुलिस की रेड

19 युवक-युवतियों को पकड़ा, चल रहा था अवैध धंधा

बूंदी, 14 मार्च (एजेंसियां)। रामगंज बालाजी स्थित नेशनल हाईवे के निकट होटल वेलकम होटल पर अवैध एवं संदिग्ध गतिविधियां संचालित हो रहीं थी। पुलिस को लगतार इसकी सूचनाएं मिल रही थीं। इस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सोमवार को यहां छापा मारा। सदर थाना अधिकारी अरविंद भारद्वाज के नेतृत्व में की गई इस कार्रवाई में दो नाबालिगों को छोड़कर गिरफ्तार 17 युवक-युवतियों के खिलाफ धारा 151 के तहत पाबंद करने की कार्रवाई की है।

पुलिस ने इस कार्रवाई में जितेंद्र, मोनू पांचाल, धर्मेंद्र वर्मा, शंकर मेघवाल, दानिश धोबी, कालू सिंह, लोकेश पांचाल, योगराज, राजेश, नरेश डोली, कन्हैया लाल रेगर व छह युवतियों को गिरफ्तार किया है। दो नाबालिग बालिकाओं के मामले में अलग से कार्रवाई की जा सकती है। बता दें, इससे पहले शुक्रवार को भी पुलिस ने इसी इलाके की तीन होटलों पर छापा मारते हुए आठ युवक और चार युवतियों को शांति भंग में गिरफ्तार किया था। कार्रवाई के दो दिन बाद भी इसी तरह शिकायतें मिलने पर जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव ने मामले को गंभीरता से लेते हुए सदर थाना अधिकारी अरविंद भारद्वाज के नेतृत्व में टीम का गठन कर बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से जिलेभर के होटल और ढाबा संचालकों में हड़कंप मचा हुआ है।

अग्रवाल समाज, तेलंगाना की छठवीं केंद्रीय समिति सभा आयोजित

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की छठवीं केंद्रीय समिति सभा समाज के राघव रत्ना टावर स्थित कार्यालय में संपन्न हुई । महाराजा श्री अग्रसेन जी की तस्वीर पर समाज के पदाधिकारियों और केंद्रीय समिति सदस्यों के द्वारा पूजा अर्चना के पश्चात समाज अध्यक्ष ए. के. अग्रवाल ने अपने स्वागत संबोधन के बाद समाज द्वारा पिछले कुछ माह में किए गए कार्यों और गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए भविष्य की कुछ योजनाओं और कार्यों से लोगों को अवगत कराया। अपने संबोधन के अंतर्गत अध्यक्ष ने हाल हाल में समाज की शालीबंडा शाखा के युवा प्रकोष्ठ के द्वारा आयोजित किए गए फागुन उत्सव और अन्य कई शाखाओं के द्वारा भी आयोजित किए गए होलिका दहन और होली रंग कार्यक्रम के आयोजन पर सभी शाखाओं को बधाई दी। अध्यक्ष द्वारा सिकंदराबाद पैराडाइज क्षेत्र में निर्मित हुए बैंकवेट हाल की जानकारी देते हुए बताया कि उक्त बैंकवेट हाल की विधिवत पूजा कर शीघ्र शुभारंभ किया जाएगा। अध्यक्ष ने प्रथम दो वर्षों के लिए केंद्रीय समिति सदस्य पुरुषोत्तम अग्रवाल का नाम अग्रवाल बैंकवेट हाल के अध्यक्ष हेतु प्रस्तावित किया जिसका सभा ने अनुमोदन किया। अग्र विजन के अंतर्गत समाज द्वारा प्रस्तावित विश्वविद्यालय की स्थापना संबंधित जानकारी से सभा को अवगत कराया और अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट के द्वारा की गई भूमि पूजन के सफल आयोजन पर अध्यक्ष ने प्रसन्नता जताई। अध्यक्ष ने कहा कि समाज के वर्ष 2023-25 के चुनाव शाखाओं और केंद्र में संविधान के नियमों के अंतर्गत ही बिना किसी विलंब के निर्धारित समय के अंदर ही संपन्न किए जाएंगे। मानद मंत्री कपूर चंद गुप्ता ने पिछली केंद्रीय समिति सभा की रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसका सभा ने अनुमोदन किया। मंत्री ने समाज द्वारा संचालित ईडब्ल्यूएस स्कीम तथा स्वास्थ्य बीमा की जानकारी प्रस्तुत की। दमा निवारण हेतु हैदराबाद के गौड़ परिवार के द्वारा पिछले कई वर्षों से प्रदान की जा रही मछली प्रसादम को उक्त परिवार के द्वारा पिछले वर्ष आयोजित नहीं करने के कारण को समाज उपाध्यक्ष डॉ दिलीप पंसारी ने सभा के समक्ष रखते हुए यह आश्वासन दिया की इस वर्ष समाज द्वारा इस विषय में गौड़ परिवार से पूर्व में ही संपर्क कर यह कोशिश की जाएगी कि उक्त परिवार के द्वारा मछली प्रसाद की सेवा का आयोजन इस वर्ष संपन्न हो सके जिससे जरूरतमंद लोग इस सुविधा का लाभ उठा सकें। समाज की दोमलगुडा शाखा के केंद्रीय समिति सदस्य विजय जिंदल और सीमा अग्रवाल ने दोमलगुडा शाखा की स्थापना के 25 वर्ष पूर्ण होने (रजत जयंती) के अवसर पर 26 मार्च, रविवार को रेड हिल्स स्थित एफटीसीसीआई के केएलएन प्रसाद ऑडिटोरियम में संपन्न होने वाले कार्यक्रम की सूचना देते हुए समाज की सभी शाखाओं के पदाधिकारियों और के एस सदस्यों को उक्त कार्यक्रम में उपस्थित रहकर इसे सफल बनाने का अनुरोध किया। महादेव प्रसाद अग्रवाल, मुकुंद लाल अग्रवाल और सीए मनोज अग्रवाल ने समाज द्वारा संशोधित संविधान से संबंधित विषयों की सभा को जानकारी प्रदान की। संजय गुप्ता , अशोक बंसल, महावीर प्रसाद अग्रवाल और अन्य ने भी विभिन्न विषयों पर अपने विचार प्रस्तुत किए। कोषाध्यक्ष राकेश जालान के द्वारा धन्यवाद प्रस्ताव से सभा की समाप्ति हुई।

बीआरएस ने टीपीपीसी प्रमुख की आलोचना की

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस विधायक जी. किशोर ने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के रेवंत रेड्डी द्वारा नवनिर्मित सचिवालय, डॉ. बी आर अंबेडकर की प्रतिमा और शहीद स्मारक के खिलाफ बेबुनियाद टिप्पणी करने पर निशाना साधा है और कहा है कि ब्लैकमेल करने की रणनीति में लिप्त कांग्रेस नेता के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, डी राजेश्वर राव के साथ विधायक गदरी किशोर ने कहा कि कांग्रेस नेता रेवंत रेड्डी ने निजामाबाद जिले के बलकोंडा में चल रही 'हाथ से हाथ जोड़ो' पदयात्रा के दौरान सड़क और भवन मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी के खिलाफ झूठ बोला था। बजट बढ़ाकर तेलंगाना सचिवालय, अंबेडकर की प्रतिमा और शहीद स्मारक के निर्माण में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार करने की बेबुनियाद टिप्पणी कर रहे हैं। किशोर ने कहा, "मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में तेलंगाना में भ्रष्टाचार की कोई गुंजाइश नहीं है। तेलंगाना में जो भी परियोजना शुरू की गई है, वह पारदर्शी तरीके से होगी।" "निर्माण सामग्री पर जीएसटी शुल्क में वृद्धि के कारण इन तीन संरचनाओं की बजट लागत में वृद्धि हुई है।

एनएमडीसी ने बिजनेस महिला एक्सपो 2023 में मिलेट अंतर्राष्ट्रीय वर्ष मनाया

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मिलेट को लोकप्रिय बनाने में सबसे आगे एनएमडीसी ने हैदराबाद में बिजनेस महिला एक्सपो 2023 में सुपरफूड का वितरण किया। मिलेट के अंतर्राष्ट्रीय वर्ष की पृष्ठभूमि में, एनएमडीसी ने महिला उद्यमियों को मिलेट व्यवसाय बनाने और देश की खाद्य सुरक्षा में योगदान करने के लिए प्रेरित किया। कंपनी की ओर से के प्रवीण कुमार, अधिशासी निदेशक (कार्मिक और विधि) तथा के. मोहन, मुख्य महाप्रबंधक(कार्मिक) ने मिलेट वितरित किया और प्रतिभागियों के साथ स्वस्थ भविष्य के लिए इसके लाभों पर बातचीत की। संयुक्त राष्ट्र ने भारत सरकार की सलाह पर 2023 को अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष घोषित किया। मिलेट की खपत बढ़ाने के अपने प्रयास में, एनएमडीसी ने हाल ही में आईआईएमआर से मान्यता प्राप्त हैदराबाद के अहोबिलम फूड्स को स्मार्ट फूड के रूप में मिलेट पर एक सत्र आयोजित करने के लिए आमंत्रित किया। सत्र के बाद मिलेट लंच का आयोजन किया गया। सीपीएसई जागरूकता पैदा करने के लिए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हितधारकों के साथ भी जुड़ रहा है और सार्वजनिक महत्व के प्लेटफॉर्म पर मिलेट वितरण कर रहा है। इस अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एनएमडीसी ने मिलेट अर्थव्यवस्था का सहयोग करने के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित किया। एनएमडीसी देश के दूरस्थ क्षेत्रों में अपना प्रचालन करता है। कंपनी ने हमारे देश के कुछ अति दूरस्थ क्षेत्रों में महिलाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए बुनियादी ढांचा तैयार किया है। एनएमडीसी की प्रमुख सीएसआर पहल-बालिका शिक्षा योजना ने अपनी सेवा का एक दशक पूरा कर लिया है और लगभग 500 आदिवासी लड़कियों को स्वास्थ्य सेवा पेशेवर बनने की इस कार्य में सर्वोच्च योगदान दिया है। प्रोजेक्ट उमंग और महरार-चो-मान के साथ, सीपीएसई वंचित समाजों में मासिक धर्म स्वच्छता के लिए अभियान चला रहा है। एनएमडीसी की ब्रांड एंबेसडर - वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियन निखत ज़रीन भी महिला सशक्तीकरण के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता का प्रतिनिधित्व करती हैं। महिलाओं के नेतृत्व वाले व्यावसायिक उद्यम भारत के लिए स्थायी अर्थव्यवस्था के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भारत की प्रमुख खनन कंपनी में उनके योगदान को प्रोत्साहित करते हुए एनएमडीसी ने अपनी महिला कर्मचारियों के लिए सिद्दीपेट में द हिडन कैसल में भ्रमण का आयोजन किया।

केआईटीस ने वारंगल सांस्कृतिक उत्सव पोस्टर का अनावरण किया

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व सांसद कैप्टन वी लक्ष्मीकांत राव ने मंगलवार को यहां काकतीय इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड साइंस में राष्ट्रीय स्तर के छात्र सांस्कृतिक उत्सव "संस्कृति'23" के पोस्टर का अनावरण किया। यह आयोजन 17 से 18 मार्च तक होगा। दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान डीजे लोन के सहयोग से लोकप्रिय गायिका हरिका नारायण द्वारा पारंपरिक बीट्स की प्रस्तुति दी जाएगी। दूसरे दिन वेस्टर्न बीट और नाइट शो होंगे। प्राचार्य के अशोक रेड्डी ने कहा कि लोकप्रिय गायक हेमाचंद्र और पश्चिमी डीजे दानिका कार्यक्रम में प्रस्तुति देंगे। इस कार्यक्रम में एक फैशन वॉक और स्टैंड-अप कॉमेडी का भी प्रदर्शन किया जाएगा, जबकि एक फूड फेस्टिवल, 'मिस्टर किट्सडब्ल्यू' और लाइव पेंटिंग, रस्साकशी, फेस पेंटिंग, पॉट मेकिंग आदि जैसे 20 से अधिक स्पॉट इवेंट होंगे।

टीपीसीसी ने टीएसपीएससी पेपर लीकेज घोटाले में मौजूदा जज से जांच की मांग की

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीपीसीसी के प्रवक्ता रियाज ने आज मांग की कि राज्य सरकार टीएसपीएससी के सनसनीखेज प्रश्न पत्र लीकेज घोटाले की वर्तमान न्यायाधीश से जांच कराये। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने आठ साल तक इस मुद्दे पर चुप्पी साधे रखने के बाद आगामी विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए बड़े पैमाने पर सरकारी नौकरियों की भर्तियां की हैं। यह कहते हुए कि राज्य सरकार द्वारा गठित सीआर बिस्वाल आयोग ने रिक्त सरकारी नौकरियों की कुल संख्या 1.93 लाख रखी थी, उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 80,000 रिक्तियों को अधिसूचित करने के बाद केवल 40,000 नौकरियों को भरने के लिए अधिसूचना जारी की। यह कहते हुए कि टीएसपीएससी के कार्यालय में 400 कर्मचारी होने चाहिए, उन्होंने कहा कि कार्यालय में वर्तमान में केवल 83 कर्मचारी हैं और कुल कर्मचारियों में से 50 ड्राइवर और दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी हैं। उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि आयोग शेष 30 नियमित कर्मचारियों के साथ हजारों रिक्तियों को कैसे भरेगा। घोटाले पर टिप्पणी करते हुए, उन्होंने घोटाले में बड़ी मछलियों के शामिल होने पर संदेह किया और कहा कि कंप्यूटर के पासवर्ड केवल आयोग के अध्यक्ष या उसके सदस्य-सचिव को ही पता हो सकते हैं, जबकि यह ध्यान में रखते हुए कि यह एक क्लर्क के कर्मचारी के लिए संभव नहीं है। पासवर्ड के बारे में जानने के लिए कैडर। उन्होंने राज्य सरकार को बताया कि 15 लाख से 20 लाख नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों का भविष्य टीएसपीएससी से जुड़ा हुआ है।

व्हाइटफील्ड्स की नई सड़के यात्रियों के लिए खतरनाक

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। व्हाइटफील्ड्स, कोंडापुर में टेक महिंद्रा रोड को बॉटनिकल गार्डन रोड से जोड़ने वाली निर्माणाधीन सीमेंट-कंक्रीट (सीसी) सड़क जमीनी स्तर से लगभग नौ इंच ऊपर है। यह यात्रियों के लिए खतरनाक हो गई है। नई सीसी सड़क पहले से मौजूद परतों को हटाए बिना बिछाई गई थी, जिससे एक ऐसी स्थिति पैदा हो गई, जहां सीसी सड़क की ऊंचाई जमीनी स्तर से काफी ऊपर है, जिससे दैनिक यात्रा यात्रियों के लिए मुश्किल हो जाती है। राहगीरों की स्थिति तब और भी विकट हो गई जब हाल ही में नई बनी सीसी रोड पर जलजमाव शुरू हो गया। अपने रणनीतिक स्थान के कारण, दैनिक आधार पर, सड़क मार्ग पर यात्रियों की भारी भीड़ देखी जाती है। नतीजतन, निवासियों ने चेतावनी दी है कि अगर जीएचएमसी जल्द से जल्द समस्या को ठीक नहीं करता है, तो यह खंड दुर्घटना क्षेत्र में बदल सकता है। ट्रैफिक टावर्स वेलफेयर एसोसिएशन, व्हाइटफील्ड्स, कोंडापुर के अध्यक्ष हर्षवर्धन रेड्डी कहते है कि जीएचएमसी को तुरंत यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सड़क की ऊंचाई जमीनी स्तर से मेल खाती है। अगर इस विसंगति को ठीक नहीं किया गया, तो इस खंड पर दुर्घटनाएं एक आम दृश्य बन जाएंगी। सॉफ्टवेयर पेशेवर, क्षेत्र में यातायात का एक बड़ा हिस्सा हैं। यह सड़क वास्तव में मौत का जाल है और नगर निगम के अधिकारियों को जल्द से जल्द इसका समाधान करना चाहिए। सीसी रोड के दोनों ओर बहुत नुकीले हैं, जो काफी खतरनाक है। इस बारे में जीएचएमसी के अधिकारियों का कहना है कि सड़क की ऊंचाई जमीन से मिलाने के लिए सड़क के दोनों ओर बजरी भरी जाएगी।

हम अभी तक पूरी तरह से सड़क बिछाने का काम पूरा नहीं कर पाए हैं। बजरी सड़क की ऊंचाई और जमीन से मेल खाने के लिए भरी जाएगी।

सड़क हादसे में महिला की मौत

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हयातनगर में मंगलवार को एक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई और उसका पति घायल हो गया। पीड़िता श्यामला सममक्का (50) अपने पति सोमैया के साथ पपीगुड़ा चौराहे से जयपुरी कॉलोनी, हयातनगर की ओर मोपेड पर जा रही थी, तभी एक डीसीएम ने उनके वाहन को टक्कर मार दी। श्यामलाल मोपेड से सड़क पर गिर गई और डीसीएम ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सोमैया को चोटें आईं। जाहिर है, डीसीएम वाहन को लापरवाही से चलाया जा रहा था और मोपेड को टक्कर मार दी, पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी में रखवा दिया, जबकि सोमैया को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। मामला दर्ज कर छानबीन की जा रही है। डीसीएम वाहन को जब्त कर चालक को हिरासत में ले लिया गया है।

दमरे के स्पेशल ट्रेन चलाने से बिहार-यूपी के लोगों को मिली राहत

बिहार सहयोग समिति ने महाप्रबंधक अरूण कुमार जैन की सराहना की

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति तेलंगाना ने सिकंदराबाद-दानापुर के लिए विशेष ट्रेन चलाए जाने पर दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन और अधिकारियों की सराहना की है। समिति के अध्यक्ष विनय कुमार यादव ने प्रेस को जारी एक विज्ञप्ति में कहा है कि उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों को रेल यात्रा के दौरान बहुत ही कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। इस मामले को लेकर बिहार सहयोग समिति काफी दिनों से संघर्ष कर रही है। समिति के पदाधिकारी इस मामले को रेल मंत्री, कई केंद्रीय मंत्री सांसद विधायक को और रेलवे के अधिकारियों के सामने उठा चुकी है। यूपी बिहार के नई ट्रेन तथा विशेष ट्रेन चलाने की मांग बिहार सहयोग समिति करती चली आ रही है। आखिरकार दक्षिण मध्य रेलवे ने बिहार सहयोग समिति के अनुरोध पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। फरवरी और मार्च माह के बीच कई बिशेष ट्रेनों का संचालन यूपी और बिहार के लिए किया जा रहा है। इससे वाराणसी, दानापुर, प्रयागराज आदि जाने वाले लोगों को काफी राहत मिल गई है। श्री यादव ने कहा कि वे नई ट्रेन या विशेष ट्रेनों का संचालन नियमित करने के लिए जल्द ही दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक अरुण कुमार जैन से मिलने वाले हैं। आए दिन भारी संख्या में वेटिंग लिस्ट की टिकट बिहार जाने वाले लोगों को निरस्त करना पड़ रहा है। टिकट कंफर्म ना होने पर धनराशि कटौती कर कर वापस मिल रही है। एक तो आदमी यात्रा नहीं कर पाते और दूसरा पैसे का भी नुकसान उठा रहा है। यह भी मुद्दा दक्षिण मध्य रेलवे के महाप्रबंधक के ध्यान में लाया जाएगा।

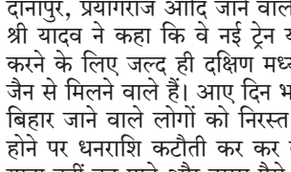

पत्नी की हत्या करने वाला गिरफ्तार

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद की बहादुरपुरा पुलिस ने विवाहेतर संबंध के शक में कथित तौर पर अपनी पत्नी की हत्या करने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। डीसीपी (दक्षिण), पी साई चैतन्य के अनुसार, संदिग्ध तुलजप्पा अपनी पत्नी सोनी उर्फ अनीता के साथ पूरनपुल में एक शराब की दुकान पर काम करता था, जहां एक अन्य व्यक्ति बलराम भी काम करता था। तुलजप्पा को शक था कि उसकी पत्नी बलराम के साथ विवाहेतर संबंध बनाए हुए है और उसे इसे जारी रखने के खिलाफ चेतावनी दी।

हालांकि, महिला ने अपने पति की बातों पर ध्यान नहीं दिया। शुक्रवार की रात, तुलजप्पा और अनीता पूरनपुल दरगाह के पास अपनी अस्थायी झोपड़ी में थे। तुलजप्पा एक बेल्ट की दुकान पर गए जहां उन्होंने शराब पी और अपनी झोपड़ी में लौटने पर बलराम को वहां पाया। बलराम वहां से फरार हो गया, जबकि आरोपी ने अपनी पत्नी को डंडे से पीटा और बाद में उसे शराब में मिलाकर आग के हवाले कर दिया। वह गंभीर रूप से जल गई और मर गई। अगली सुबह हत्या का पता चला। अनीता के एक रिश्तेदार नेनावत गोपाल की शिकायत पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 302 (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया और तुलजप्पा को गिरफ्तार कर लिया। उसे न्यायालय में पेश कर रिमांड पर लिया।

टीपीसीसी का भू रक्षकों के लिए प्रशिक्षण आयोजित

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने आज राज्य भर में धरनी अदालतों और धरनी अभियान को लागू करने के लिए भू रक्षकों का प्रशिक्षण आयोजित किया। भू रक्षकों को मंडल और ग्राम स्तर के कांग्रेस नेताओं द्वारा प्रशिक्षित किया जाता है।

अभियान की शुरुआत कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और एआईसीसी महासचिव जयराम रमेश और टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी ने कुछ दिन पहले पेड्डापल्ली में पहली धरणी अदालत में की थी। उस कार्यक्रम में भट्टी विक्रमार्क और डी श्रीधर बाबू भी मौजूद थे। धरनी अदालत के संचालन का प्रशिक्षण प्रदेश भर में कई चरणों में होगा। पेड्डापल्ली के लिए, जनवरी में प्रशिक्षण आयोजित किया गया था और इसमें कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं कोडंडा रेड्डी और महेश गौड़ ने भाग लिया था। आज का प्रशिक्षण सत्र पांच जिलों के लिए गांधी भवन में आयोजित किया गया। यह एक दिन का सत्र था और इसमें एक तकनीकी सत्र और एक कानूनी सत्र था। वरिष्ठ उपाध्यक्ष मल्लु रवि और एच. वेणुगोपाल और प्रवक्ता अडांकी दयाकर और समा राम मोहन रेड्डी उपस्थित थे। धरणी प्रशिक्षण सत्र का संचालन टीपीसीसी महासचिव डॉ. कोटा नीलिमा ने महिला कांग्रेस नेता वरलक्ष्मी और सी. श्रीनिवास के साथ किया।

तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा तेलंगाना कांग्रेस द्वारा विकसित धरणी एप का प्रदर्शन किया गया जिसमें मंडल स्तर के नेताओं ने भाग लिया। गाँवों में धरनी अदालतें कैसे संचालित की जाती हैं, इसका एक और प्रदर्शन डॉ. नीलिमा द्वारा किया गया। आने वाले हफ्तों में धरनी अदालतों का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। आज के सत्र में करीब 100 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया और कई विशेषज्ञों ने भी अपने विचार साझा किए।

तेलंगाना में आवारा-कुत्तों के काटने से फिर बच्चे की मौत

महीनेभर में दूसरी घटना, बच्चे में रेबीज के लक्षण दिखे

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में आवारा कुत्तों के काटने के बाद एक 5 साल के बच्चे की रेबीज से मौत हो गई। मामला खम्मम जिले का है, यहां कुछ दिनों पहले बनोठ भरत पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया था। रविवार को उसकी तबीयत बिगड़ गई। परिजन उसे डॉक्टर के पास ले गए तो पता चला कि बच्चे में रेबीज के लक्षण हैं। इसके बाद सोमवार को अस्पताल ले जाते समय भरत की मौत हो गई। इससे पहले 19 फरवरी को हैदराबाद में आवारा कुत्तों के हमले में चार साल के बच्चे की मौत हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भरत की मां संध्या ने बताया कि मेरा बेटा घर के पास ही खेल रहा था। यहां आवारा कुत्तों ने उस पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गया था। रविवार को भरत की तबीयत बिगड़ गई। हम उसे खम्मम के एक प्राइवेट अस्पताल में लेकर गए। यहां चेकअप के बाद डॉक्टरों ने बताया कि बच्चे में रेबीज के लक्षण हैं, बेहतर इलाज के लिए उन्होंने भरत को हैदराबाद ले जाने की सलाह दी। मैं सोमवार को अपने पति रविंदर के साथ सरकारी बस में भरत को हैदराबाद लेकर जा रहे थे, लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई।

इस बारे में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों का कहना है कि वे भरत की मेडिकल रिपोर्ट की जांच कर रहे हैं। इससे पहले 19 फरवरी को हैदराबाद में 4 साल के बच्चे पर आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया था, जिससे उसकी मौत हो गई थी। घटना एक कार सर्विसिंग सेंटर में हुई, जहां लड़के के पिता चौकीदार के रूप में काम कर रहे थे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पीएम सुरक्षा चूक ...

सुप्रीम कोर्ट ने रिटायर्ड जस्टिस इंदु मल्होत्रा की अगुवाई वाली कमेटी को पूरे मामले की डिटेल इन्वेस्टिगेशन करके रिपोर्ट सौंपने को कहा था। कमेटी से ऐसे सुझाव देने के लिए भी कहा गया था जिससे भविष्य में इस तरह के मामलों से बचा जा सके।

रिपोर्ट पर सुनवाई के दौरान ही तत्कालीन चीफ जस्टिस एनवी रमण ने कहा था कि इस रिपोर्ट में प्रधानमंत्री की पुख्ता सुरक्षा के लिए कुछ जरूरी उपाय भी सुझाए गए हैं, जिसे सरकार को भेजा जाएगा।

भारत दुनिया का ...

दिल्ली में 8 प्रतिशत की सुधार आया है। लेकिन इन शहरों में प्रदूषण अभी भी बहुत ज्यादा हे, इससे सबसे ज्यादा खतरा बच्चों को है। प्रदूषण से उनके फेफड़े प्रभावित हो रहे हैं। बुजुर्गों को स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें बढ़ रही हैं और अस्थमा, कैंसर और डायबिटीज के मरीज बढ़ रहे हैं।

सबसे प्रदूषित शहरों में 10 शहर उत्तर प्रदेश और 7 शहर हरियाणा के हैं। हालांकि, उत्तरप्रदेश के आगरा में पिछले साल के मुकाबले 55 प्रतिशत तक का सुधार देखने को मिला है। आगरा में 2017-21 के बीच पीएम 85 माइक्रोग्राम था। 2022 में यह सिर्फ 38 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर रहा।

सबसे प्रदूषित 100 शहरों में 72 दक्षिण एशिया के हैं। इनमें ज्यादातर शहर भारत, पाकिस्तान और बांग्लादेश के हैं। रिपोर्ट में दक्षिण एशिया को वायु प्रदूषण का केंद्र बताया गया है। इस रिपोर्ट के बेस पर विश्व बैंक ने प्रदूषण में कटौती करने के लिए आने वाले खर्च का एनालिसिस किया है। इसके लिए 2.6 बिलियन डॉलर खर्च करने होंगे।

मारुति सुजुकी ने ऑल न्यू ग्रैंड विटारा का "एक्सपीरिएंस ड्राइव" का आयोजन किया

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मारुति सुजुकी ने ऑल न्यू ग्रैंड विटारा के लिए "एक्सपीरिएंस ड्राइव" का आयोजन किया। इस ड्राइव में 300 से अधिक ग्राहकों ने गाड़ी चलाई और ग्रैंड विटारा की क्षमताओं को देखा। ग्राहक इवेंट के दौरान मिले अद्भुत अनुभव से रोमांचित थे। हैदराबाद के प्रमुख नेक्सा डीलर्स ने इस कार्यक्रम में भाग लिया। ग्रैंड विटारा के एसयूवी डीएनए को सुजुकी की प्रसिद्ध ऑलग्रिप सेलेक्ट तकनीक द्वारा सबसे आगे लाया गया है, जो साहसी एसयूवी खरीदारों को सीमाओं से परे उद्यम करने की छूट देता है। सुजुकी ऑलग्रिप सेलेक्ट ड्राइवर को चार ड्राइविंग मोड्स (ऑटो, स्पोर्ट, स्नो और लॉक) में से चुनने की अनुमति देकर "ड्राइव करने में मज़ा", "मन की शांति" के निहित मूल्य प्रदान करता है। ग्रैंड विटारा ऑलग्रिप सेलेक्ट मध्यम आकार के एसयूवी सेगमेंट को फिर से परिभाषित कर रहा है और इसने एसयूवी के शौकीनों के लिए नए रास्ते खोल दिए हैं। मारुति सुजुकी ग्रैंड विटारा ऑलग्रिप सेलेक्ट अल्फा की कीमत 16.89 लाख रुपए है। विटारा ऑलग्रिप सेलेक्ट सुजुकी की प्रोग्रेसिव स्मार्ट हाइब्रिड तकनीक के साथ मानक के रूप में आता है और इसका रेटेड ईंधन-दक्षता आंकड़ा 19.38 किमी/लीटर है।

सिकंदराबाद, ताड़बंड में सिकंदराबाद छावनी परिषद के क्वार्टर्स में पूर्व बोर्ड मेंबर पांडु द्वारा स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर में लोगों की जांच की गई और दवाओं का वितरण किया गया। शिविर में मुख्य अतिथि के रूप में राजशेखर रेड्डी और प्रमुख रूप से महेश्वर रेड्डी, भास्कर रेड्डी ने भाग प्रमुख भाग लिया।

अग्रणी महिला मंच ने की शीतला माता की पूजा

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रणी महिला मंच की अध्यक्षा सुमन भुवानिया ने जानकारी देता हुआ कहा मंगलवार को अग्रणी महिला मंच द्वारा बरकतपुरा स्थित नल्ला पोचम्मा मंदिर में शीतला माता की पूजा की गई।

इस अवसर पर बबिता गर्ग, रितु गर्ग, सुनयना नर्सरिया, टीना खंडेलवाल, श्वेता खंडेलवाल, प्रीति गोयल, रितु गोयल,चंचल अग्रवाल एवं पवन भुवानिया आदि उपस्थित थे।

कोहली का वर्ल्ड रिकॉर्ड: ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच बने

तीनों फॉर्मेट में 10+ बार ये अवॉर्ड जीतने वाले अकेले क्रिकेटर

खेल डेस्क, 14 मार्च (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी का चौथा टेस्ट मैच ड्रॉ रहा। 4 टेस्ट की सीरीज का आखिरी मुकाबला अहमदाबाद में खेला गया। भारत सीरीज में 2-1 से आगे था, ऐसे में आखिरी मैच ड्रॉ रहने पर सीरीज टीम इंडिया ने ही जीती। विराट कोहली ने इस टेस्ट में 364 बॉल पर 186 रन की जबरदस्त पारी खेली। उन्हें इस पारी के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड मिला।

इसी के साथ कोहली ने एक वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। कोहली तीनों फॉर्मेट (टेस्ट, वनडे और टी-20) में 10 या उससे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द मैच पुरस्कार जीतने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। कोहली ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में पहली बार ही प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीता।

कोहली के रिकॉर्ड्स के अलावा क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में सबसे ज्यादा बार यह खिताब जीतने वाले खिलाड़ी कौन हैं इस खबर में हम जानेंगे...

पाकिस्तान के खिलाफ 6 बार अवॉर्ड जीता

टेस्ट में विराट 10वीं बार प्लेयर ऑफ द मैच बने। क्रिकेट के बाकी 2 फॉर्मेट में वह पहले ही 10 से ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द मैच रह चुके हैं। वनडे में 38 और टी-20 में 15 बार उन्होंने यह अवॉर्ड जीता। वनडे में वेस्टइंडीज के खिलाफ 13 और श्रीलंका के खिलाफ वह 7 बार प्लेयर ऑफ द मैच रहे हैं।

टी-20 के 15 अवॉर्ड में विराट ने पाकिस्तान के खिलाफ 4 और ऑस्ट्रेलिया के 3 बार यह सम्मान हासिल किया। पाकिस्तान के खिलाफ वनडे में भी 2 बार कोहली प्लेयर ऑफ द मैच रहे हैं। इस तरह पाकिस्तान के खिलाफ उन्होंने कुल 6 बार यह अवॉर्ड जीता है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट में पहली बार

यह पहली बार ही है जब विराट कोहली को टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब मिला। ओवरऑल टेस्ट में 10वीं बार उन्होंने यह खिताब जीता। ऑस्ट्रेलिया के अलावा उन्होंने न्यूजीलैंड और बांग्लादेश के खिलाफ भी 1-1 बार यह अवॉर्ड जीता है। साउथ अफ्रीका-श्रीलंका के खिलाफ 2-2 और इंग्लैंड के खिलाफ 3 बार यह अवॉर्ड अपने नाम कर रखा है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उनके अब 8 टेस्ट शतक भी हो गए। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सबसे ज्यादा टेस्ट शतक जो रूट (12 शतक) के हैं। उनके बाद सचिन तेंदुलकर के नाम 11 शतक हैं। कोहली इस लिस्ट में 8वें नंबर पर हैं।

कैलिस टेस्ट में टॉप पर

टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच पाने वाले खिलाड़ी जैक कैलिस हैं। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज ऑलराउंडर कैलिस ने 166 मैचों में 23 बार यह अवॉर्ड जीता है। टेस्ट में सबसे ज्यादा प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले टॉप-10 खिलाड़ियों की लिस्ट में सचिन तेंदुलकर इकलौते भारतीय हैं। वह नौवें स्थान पर हैं। उन्होंने 200 टेस्ट मैचों में 14 बार मैन ऑफ द मैच का अवॉर्ड जीता था।

वनडे में सचिन तेंदुलकर से ऊपर कोई नहीं

वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने के मामले में महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर टॉप पर हैं। सचिन 463 वनडे मैचों में 62 बार प्लेयर ऑफ द मैच रहे। श्रीलंका के पूर्व कप्तान सनथ जयसूर्या इस मामले में दूसरे नंबर पर हैं। उन्होंने 445 वनडे में 48 बार यह अवॉर्ड जीता। विराट कोहली इस लिस्ट में तीसरे स्थान पर हैं, उन्होंने 271 वनडे में 38 बार यह अवॉर्ड जीता है।

टी-20 क्रिकेट में कोहली ही सबसे आगे

टी-20 क्रिकेट में सर्वाधिक बार प्लेयर ऑफ द मैच का अवॉर्ड अपने नाम करने के मामले में विराट कोहली ही सबसे आगे चल रहे हैं। कोहली ने टी-20 क्रिकेट के 115 मुकाबलों में 15 बार इस अवॉर्ड को अपने नाम किया है। इस मामले में दूसरे स्थान पर अफगानिस्तान के मोहम्मद नबी है। इस लिस्ट में भारत के रोहित शर्मा तीसरे और सूर्यकुमार यादव चौथे नंबर पर हैं।

अय्यर को कमर में दर्द की शिकायत

वनडे सीरीज से हो सकते हैं बाहर, संजू सैमसन को मौका मिलने की उम्मीद

खेल डेस्क, 14 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के टीम इंडिया को तब झटका लगा जब अहमदाबाद टेस्ट के चौथे दिन मिडिल ऑर्डर बैटर श्रेयस अय्यर निचली कमर में दर्द की शिकायत के चलते बैटिंग के लिए नहीं आए। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 17 मार्च से खेले जाने वाली वनडे सीरीज से अय्यर बाहर हो सकते हैं और उनकी जगह वनडे टीम में संजू सैमसन को शामिल किया जा सकता है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला वनडे शुक्रवार को मुंबई में खेला जाएगा।

अय्यर को पीठ के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत

इससे पहले श्रेयस अय्यर न्यूजीलैंड के खिलाफ 3 मैचों की वनडे सीरीज और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला टेस्ट भी नहीं खेल पाए थे। बीसीसीआई ने एक मेडिकल अपडेट में कहा था, श्रेयस अय्यर ने तीसरे दिन के खेल के बाद अपनी पीठ के निचले हिस्से में दर्द की शिकायत की। वह स्कैन के लिए गए हैं और बीसीसीआई मेडिकल टीम उनकी निगरानी कर रही है।

सैमसन ने नवंबर 2022 में खेला था आखिरी वनडे

सैमसन ने टीम इंडिया के लिए आखिरी वनडे इंटरनेशनल मैच नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड दौरे पर खेला था। वहीं आखिरी टी-20 इंटरनेशनल मैच जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ मुंबई में खेला, जहां उन्हें फील्डिंग के दौरान पैर में चोट लग गई थी। सैमसन अभी ठीक होकर मैदान पर वापसी के लिए तैयार हैं। यही वजह है कि उन्हें वनडे टीम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शामिल किया जा सकता है।

टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 17, 19 और 22 मार्च को 3 वनडे मैच खेलने हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहला वनडे मुंबई, दूसरा विशाखापट्टनम और तीसरा चेन्नई में खेला जाएगा।

ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप: 22 साल से कोई भारतीय नहीं जीता खिताब

सिंधु और लक्ष्य सेन फाइनल खेल चुके

बर्मिंघम, 14 मार्च (एजेंसियां)। बैडमिंटन में ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप शुरू हुआ है। इसमें भारत से 15 खिलाड़ी भाग ले रहे है। इंग्लैंड चैंपियनशिप बैडमिंटन के सबसे बड़े टूर्नामेंट्स में से एक है। यह दुनिया का सबसे पुराना टूर्नामेंट भी है। 1899 में यह पहली बार आयोजित हुआ था। भारत की ओर से देखे तो इस टूर्नामेंट में अब तक 2 बार ही भारतीय खिलाडी जीते है। भारत को 22 साल से खिताब की आस है। आखिरी बार इसे फुलेला गोपीचंद ने 2001 में जीता था। भारत से इसे प्रकाश पादुकोण ने साल 1980 में पहली बार जीता था। हालांकि पीवी सिंधु साल 2015 और लक्ष्य सेन साल 2022 में टूर्नामेंट के फाइनल तक पहुंच चुके हैं, लेकिन जीत नहीं सके। इस साल भारत के युवा सितारे लक्ष्य सेन, लीजेंड पीवी सिंधु और सात्विक-चिराग की जोड़ी इस खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे है।

मेंस सिंगल में भारत के 3 खिलाड़ी

मेंस सिंगल में भारत से टॉप खिलाडी प्रणय एचएस, लक्ष्य सेन और किदांबी श्रीकांत हिस्सा ले रहे है। सेन का मुकाबला ताइवान की चो से आज शाम 6 बजे होगा। वहीं, प्रणय ताइवान के वांग से दिन 3:45 बजे भिड़ेंगे। श्रीकांत का मुकाबला कल यानी 15 मार्च को फ्रांस के पोपोव से होगा।

विमेंस सिंगल्स में नेहवाल और पीवी सिंधु खेलेंगे

विमेंस सिंगल्स में साइना नेहवाल और पीवी सिंधु भारत की ओर से खेलेंगे। नेहवाल का मुकाबला चीन की हान के खिलाफ आज शाम 7 बजे होगा। वहीं, सिंधु कल चीन के झांग से भिड़ेंगी। साइना नेहवाल पिछले कुछ समय से अच्छा नहीं खेल पा रही है। इस साल इंडिया ओपन में वें दूसरे ही राउंड में बाहर हो गई। इसके बाद इंडोनेशिया ओपन में भी ऐसा ही हुआ।

मेंस डबल्स में सात्विक-चिराग से उम्मीदें

मेंस डबल्स में सात्विक-चिराग से टीम को उम्मीदें है। पिछले साल दोनों क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे। इस साल दोनों के लिए शुरुआत ठीक नहीं रही। इंडिया ओपन में सात्विक रनिकरेड्डी को हिप में चोट आ गई थी। जिस वजह से पेयर बाहर हो गया।

भारत के खिलाफ वनडे सीरीज से बाहर कप्तान कमिंस

दूसरे टेस्ट के बाद ऑस्ट्रेलिया लौटे थे, स्मिथ करेंगे टीम को लीड

खेल डेस्क, 14 मार्च (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 17 मार्च से 3 वनडे की सीरीज शुरू होने जा रही है। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस इस सीरीज से बाहर हो चुके है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। उनकी जगह टीम के उपकप्तान स्टीव स्मिथ टीम को लीड करेंगे।

कमिंस मां की तबियत खराब होने के कारण दिल्ली टेस्ट के बाद स्वदेश लौट गए थे। 10 मार्च को उनका निधन हो गया है। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर और ऑलराउंडर एश्टन एगर भी बीच दौरे में स्वदेश लौटे थे। वनडे सीरीज के लिए वापस भारत आएंगे।

10 मार्च को हुआ कमिंस की मां का निधन

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस भारत के खिलाफ दिल्ली टेस्ट के बाद मां की तबियत बिगड़ने की वजह से ऑस्ट्रेलिया लौट गए थे। कमिंस की मां मारिया लंबे समय से बीमार थीं। उन्हें ब्रेस्ट कैंसर था। मारिया पिछले कुछ दिनों से पैलेएटिव केयर में थीं। इसके बाद 10 मार्च यानी शुक्रवार को कमिंस की मां का निधन हो गया था। इस वजह से कमिंस अब वनडे सीरीज से बाहर हो गए है।

भारत के खिलाफ 3 वनडे खेलेगा ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया से भारत टेस्ट सीरीज जीत लिया है। अब भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज खेली जाएगी। सीरीज का पहला मुकाबला शुक्रवार को मुंबई में खेला जाएगा।

मैक्सवेल और मार्श की वापसी

वनडे में ऑस्ट्रेलियाई टीम में ग्लेन मैक्सवेल और मिचेल मार्श की लंबे समय बाद वापसी हुई है। मैक्सवेल नवंबर में टी-20 वर्ल्ड कप के बाद चोटिल हो गए थे। वे एक बर्थडे पार्टी में फिसल गए थे, जिस कारण उनके पैर में चोट आई थी। वहीं, मार्श बाएं टखने की चोट के कारण काफी समय तक टीम से बाहर रहे थे।

मैक्सवेल डोमेस्टिक क्रिकेट में वापसी कर चुके है। हालांकि, वापसी के बाद पहले ही मैच में उन्हें उंगली में चोट आई थी। लेकिन अब वह चोट से उभर चुके है और भारत के खिलाफ खेलने के लिए फिट है।

रिचर्डसन की जगह एलिस शामिल

ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज जाय रिचर्डसन स्क्वाड में शामिल थे, लेकिन चोट की वजह से वे भी बाहर हो गए है। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट ने कुछ दिन पहले इसकी जानकारी दी थी। उन्हें हैमस्ट्रिंग में चोट आई है। 26 साल के रिचर्डसन की जगह टीम में मीडियम फास्ट बॉलर नाथन एलिस को शामिल किया गया है। एलिस ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 3 वनडे खेले हैं।

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट में टॉप पर:भारत को कंगारुओं से चौथा मैच ड्रॉ का नुकसान हुआ

तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 बनने से चूका

ICC वनडे टीम रैंकिंग

रैंक	टीम	पॉइंट्स
1	भारत	114
2	ऑस्ट्रेलिया	112
3	न्यूजीलैंड	111
4	इंग्लैंड	111
5	पाकिस्तान	106

ICC T20I टीम रैंकिंग

रैंक	टीम	पॉइंट्स
1	भारत	267
2	इंग्लैंड	266
3	पाकिस्तान	258
4	साउथ अफ्रीका	256
5	न्यूजीलैंड	252

खेल डेस्क, 14 मार्च (एजेंसियां)। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की सीरीज का आखिरी मुकाबला ड्रॉ हो गया है। ऐसे में सीरीज 2-1 से भारत के नाम रही। इस के साथ भारत ने ऑस्ट्रेलिया से लगातार चौथी टेस्ट सीरीज जीत ली है। हालांकि भारत को इस ड्रॉ का खामियाजा भुगतना पड़ा और वह तीनों फॉर्मेट (वनडे, टेस्ट और टी-20) में नंबर-1 टीम बनने से चूक गया।

टीम इंडिया अभी वनडे और टी-20 में नंबर-1 और टेस्ट में दूसरे स्थान पर है। रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम इंडिया कंगारुओं से लगातार चार टेस्ट सीरीज जीतने वाली एशिया की पहली टीम बनी है। इतना ही नहीं, भारत ने लगातार छठी बार घर में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी अपने नाम की है।

टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले स्थान पर

आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलियाई टीम अब 122 अंकों के साथ पहले स्थान पर है। वहीं टीम इंडिया 119 अंकों के साथ दूसरे नंबर पर है। तीसरे नंबर इंग्लैंड, चौथे नंबर पर साउथ अफ्रीका और पांचवें नंबर पर न्यूजीलैंड है।

वनडे में भारत ऑस्ट्रेलिया से 2 अंक आगे

आईसीसी ODI रैंकिंग में भारत 114 रेटिंग पॉइंट्स के साथ पहले नंबर पर बनी हुई है, इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है जिसके 112 रेटिंग पॉइंट्स हैं। आईसीसी वनडे रैंकिंग में तीसरे नंबर न्यूजीलैंड, चौथे नंबर पर इंग्लैंड और पांचवें नंबर पर पाकिस्तान है।

टी-20 में भी भारत पहले नंबर पर

आईसीसी T20 रैंकिंग में भारत 267 रेटिंग के साथ पहले स्थान पर है, इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर इंग्लैंड है जिसके 266 रेटिंग पॉइंट्स हैं। आईसीसी T20 रैंकिंग में तीसरे नंबर पाकिस्तान, चौथे नंबर पर दक्षिण अफ्रीका और पांचवें नंबर पर न्यूजीलैंड है।

साल 2012 में साउथ अफ्रीका ने किया था यह कारनामा

साउथ अफ्रीका तीनों फॉर्मेट में नंबर-1 बनने वाली इकलौती टीम है, उसने यह कारनामा साल 2012 में किया था। साल 2012 में साउथ अफ्रीकी टीम ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरा वनडे जीत कर एक नया इतिहास रच दिया था। आईसीसी रैंकिंग में क्रिकेट के हर फॉर्मेट में नंबर 1 बनने वाली वह पहली टीम बन गई थी, उसके बाद यह कारनामा अब तक कोई टीम नहीं कर सकी।

ऐसा रहा चौथा मैच

अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में 4 टेस्ट के आखिरी मैच में ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 480 रनों का मजबूत स्कोर बनाया। जवाब में भारतीय टीम ने 571 रन बनाते हुए पहली पारी में 91 रनों की बढ़त हासिल की।

ऐसे में मैच के आखिरी दिन सोमवार को कंगारुओं ने 3/0 से अपनी दूसरी पारी को आगे बढ़ाया और अपनी आखिरी पारी 175/2 रनों पर घोषित की। इसके बाद दोनों कप्तानों ने आपसी सहमति से मैच समाप्ति की घोषणा कर ली। जब यह घोषणा हुई तब मार्नस लाबुशेन 63 और स्टीव स्मिथ 10 पर नाबाद लौटे। भारत ने शुरुआती 2 टेस्ट जीते और ऑस्ट्रेलिया ने तीसरा टेस्ट जीता, इस तरह 4 मैचों की सीरीज 2-1 से भारत के नाम रही।

बार्सिलोना ने जीत के साथ बढ़त मजबूत की

एथलेटिक बिलबाओ को विवादास्पद मुकाबले में 1-0 से हराया

खेल डेस्क, 14 मार्च (एजेंसियां)। रियल मैड्रिड ने एस्पेनयोल को 3-1 से हराकर बार्सिलोना की बढ़त को छह अंक की कर दिया था, जो अब फिर नौ अंक की हो गई है। अगले सप्ताह बार्सिलोना और रियल को ला लिगा के इस सत्र का अंतिम क्लासिको (दोनों टीमों के बीच होने वाली भिड़ंत) खेलना है।

बार्सिलोना ने एथलेटिक बिलबाओ को 1-0 से पराजित कर ला लिगा में शीर्ष स्थान पर अपनी बढ़त को नौ अंकों की कर लिया है। हालांकि 87वें मिनट में बिलबाओ के फारवर्ड इनाकी विलियम्स के गोल को वीडियो समीक्षक प्रणाली (वार) ने खारिज कर दिया, जिसका काफी विरोध हुआ।

इससे पहले राफिन्हा ने पहले हॉफ के स्टापेज समय में बार्सिलोना के लिए गोल किया, जिसे ऑफसाइड करार दिया गया, लेकिन वार की समीक्षा में बार्सिलोना के पक्ष में यह गोल दिया गया। बार्सिलोना भाग्यशाली रही जो यह मुकाबला जीत पाई। वरना रेफरी ने विलियम्स के गोल को मान लिया था, लेकिन वार ने वीडियो में देखा कि गेंद विलियम्स के हाथ से लगी है। इसके बाद इसे खारिज किया गया। हालांकि बिलबाओ के कोच वालवर्डे ने कहा कि हम निराश हैं, रेफरी, चौथे ऑफिशियल समेत पूरे मैदान में किसी ने कुछ नहीं देखा। इस गोल पर तीन मिनट की वीडियो समीक्षा चली। विलियम्स ने ट्वीटर पर इस फैसले की हंसी उड़ाई। बार्सिलोना के कोच जावी ने कहा कि मुझे लगा कि वार ऑफसाइड देख रही है, लेकिन जब मैंने वीडियो बोर्ड पर देखा तो मुझे लगा कि यह हैंडबाल है। रियल मैड्रिड ने शनिवार को ही एस्पेनयोल को 3-1 से हराकर बार्सिलोना की बढ़त को छह अंक की कर दिया था।

रोमांचक मुकाबले में आखिरी बॉल पर जीता न्यूजीलैंड

पहले टेस्ट में श्रीलंका को 2 विकेट से हराया, केन विलियमसन ने जड़ा शतक

खेल डेस्क, 14 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंका और न्यूजीलैंड के बीच 2 टेस्ट की सीरीज खेली जा रही है। पांचवें दिन न्यूजीलैंड को जीत के लिए 257 रन की जरूरत थी। केन विलियमसन ने शतकीय पारी खेल कर टीम की जीत सुनिश्चित की। आखिरी दिन के आखिरी ओवर में न्यूजीलैंड को जीत के लिए 8 रन चाहिए थे। वहीं, श्रीलंका को जीतने के लिए 3 विकेट की दरकार थी। क्रीज पर केन विलियमसन थे और बॉल असिथा फर्नांडो के पास थी। 1 बॉल : विलियमसन ने लॉन्ग ऑन पर बॉल को खेला। रन लेने के बाद नॉन स्ट्राइकर एंड पर स्लिप हो गए। 2 बॉल : असिथा की बॉल पर हेनरी ने सामने शॉट खेला और 1 रन लिया। 3 बॉल : विलियमसन ने शॉट खेला। दूसरा रन लेने की कोशिश में हेनरी को असिथा ने रनआउट किया। 4 बॉल : विलियमसन ने गैप निकाला और ऑफ साइड में चौका मारा। 5 बॉल : असिथा की बाउंसर विलियमसन के सर के ऊपर से गई। अंपायर ने वाइड नहीं दी। इस बॉल पर एक भी रन नहीं आया। छठी बॉल : बाउंसर पर विलियमसन ने पुल करने का सोचा लेकिन शॉट नहीं खेल पाए। कीपर के पास बॉल गई। विलियमसन के क्रीज में पहुँचने के बाद थ्रो लगा। और बाय का रन पूरा किया। हारने के बाद श्रीलंका डब्ल्यू की रेस से बाहर हो चुका है।

भाजपा युवा मोर्चा ने टीएसपीएससी कार्यालय पर किया विरोध-प्रदर्शन

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) से कई नियुक्तियों के प्रश्न पत्र लीक होने के बाद से व्यापक आक्रोश है। यह पाया गया कि प्रवीण नाम के एक कर्मचारी ने टीएसपीएससी के कंप्यूटरों से प्रश्न पत्र चुरा लिए और रेणुका नाम की एक महिला की मदद से उन्हें लीक कर दिया। जहां तीन प्रश्न पत्र लीक होने की बात मानी जा रही है, वहीं क्या ग्रुप-1 का भी पेपर लीक हुआ है...? आशंका जताई जा रही है। इस पृष्ठभूमि के खिलाफ, भाजपा युवा मोर्चा ने आज हैदराबाद में टीएसपीएससी कार्यालय का घेराव किया। युवा मोर्चा के कार्यकर्ता टीएसपीएससी कार्यालय के गेट पर चढ़कर अंदर दाखिल हुए। टीएस पीएससी नेम बोर्ड को नष्ट कर दिया गया। उन्होंने टीएसपीएससी अध्यक्ष को निलंबित करने की मांग को लेकर नारेबाजी की। टीजेएस छात्रसंघ ने टीएस पीएसपी कार्यालय का भी घेराव किया। कार्यालय में घुसने की कोशिश करने वालों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। वहां तनाव बना हुआ था। इन परिस्थितियों को देखते हुए टीएसपीएससी कार्यालय में अतिरिक्त बल तैनात किया गया है। इसके अलावा टीएस पीएसपी प्रश्नपत्र लीक होने की घटना को लेकर उस्मानिया विश्वविद्यालय में भी विरोध प्रदर्शन किया गया। ओयू के छात्रों ने टीएसपीएससी अध्यक्ष के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

टीएसपीएससी प्रश्नपत्र लीक मामले में चौंकाने वाला खुलासा

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य लोक सेवा आयोग (टीएसपीएससी) के प्रश्न पत्र लीक मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। पुलिस कर्मचारी प्रवीण कुमार को हिरासत में लेने की तैयारी कर रही है। सूत्रों के अनुसार, प्रवीण कुमार ने कथित तौर पर सत्यापन विभाग में आने वाली महिलाओं के फोन नंबर एकत्र किए, जहां वह काम करता था और उनमें से कुछ के साथ अनुचित व्यवहार करता था। पुलिस को इसके सबूत प्रवीण कुमार के फोन से मिले, जिनमें महिलाओं की न्यूड तस्वीरें और वीडियो भी शामिल हैं। जांचकर्ताओं ने कथित तौर पर एक महिला की मदद से एई परीक्षा के पेपर के लीक होने से प्रवीण कुमार को जोड़ा है। प्रवीण कुमार से लीक हुए प्रश्न पत्र खरीदने के संदेह में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है और उनसे पूछताछ की जा रही है। आगे पेपर लीकेज बढ़ने की चिंताओं के साथ, एक टास्क फोर्स पुलिस को मामले की जांच करने और यह निर्धारित करने के लिए तैनात किया गया है कि क्या टीएसपीएससी के अन्य कर्मचारी शामिल हो सकते हैं। इस माह की 15 तारीख को होने वाली टाउन बिल्डिंग प्लानिंग ऑफिसर परीक्षा व वेटरनरी असिस्टेंट सर्जन की परीक्षा जांच प्रभावित हो सकती है।

कर्मचारियों ने सिस्टम हैक कर लीक किया प्रश्न-पत्र: जनार्दन रेड्डी

चेयरमैन का दावा- मेरे बच्चों में से किसी ने समूह-1 नहीं लिखा

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसपीएससी के चेयरमैन जनार्दन रेड्डी ने पेपर लीक होने के मुद्दे पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने मंगलवार को मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि पुलिस से आधिकारिक रिपोर्ट मिलने के बाद कोई फैसला लिया जाएगा। सलाह दी जाती है कि सोशल मीडिया पर आ रही अफवाहों पर विश्वास न करें। बताया जाता है कि टीएसपीएससी में कार्यरत कर्मचारियों ने पेपर लीक किया है। आउटसोर्सिंग विभाग में काम करने वाले राजशेखर रेड्डी और सहायक अनुभाग अधिकारी प्रवीण ने मिलकर सिस्टम को हैक किया और कागजात लीक कर दिए। उन्होंने कहा कि उन्हें इस मामले में संदेह हुआ और उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज करायी। इस मामले में जांच कराई जाएगी। एई परीक्षा रद्द करने के संबंध में कल स्पष्टीकरण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ऐसी अफवाहें हैं कि मेरे बच्चों की परीक्षा का पेपर लीक हो गया है। मेरे बच्चों और रिश्तेदारों में से किसी ने भी परीक्षा नहीं दी है। जनार्दन रेड्डी ने कहा कि उम्मीदवारों को चिंता करने की जरूरत नहीं है और सामूहिक नकल का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा कि 30 लाख लोगों ने एक बार पंजीकरण कराया है। हमने 26 प्रकार की नौकरियों के लिए अधिसूचना दी है। सामूहिक

नकल की कोई संभावना नहीं है। टाउन प्लानिंग बिल्डिंग ओवरसीज पेपर के संबंध में कुछ जानकारी प्राप्त हुई है। पता चला है कि टीएसपीएससी से संबंधित सिस्टम हैक कर लिया गया है। नेटवर्क विशेषज्ञ राजशेखर रेड्डी सभी आईपी पते जानते हैं। उन्होंने सिस्टम को हैक किया। हमने पाया कि उन्होंने सहायक अनुभाग अधिकारी प्रवीण के साथ मिलकर हैकिंग की। प्रवीण ने पेपर को 10 रुपये में पेपर बेचा है। हम इस पर एक व्यापक रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद कार्रवाई करेंगे। अफवाहें थीं कि पेपर मेरे बच्चों को दिया गया था।

लेकिन मेरे बच्चों ग्रुप 1 ने परीक्षा नहीं दी। मैंने कहा नहीं अगर मेरे रिश्तेदार लिखते हैं तो मैं यह नौकरी छोड़ दूंगा। मैं तेलंगाना में पैदा हुआ था लेकिन एपी कैडर मिला। मेरे दो बच्चे गैर स्थानीय श्रेणी में आते हैं। हम पुलिस रिपोर्ट प्राप्त करने के बाद परीक्षा रद्द करने पर निर्णय लेंगे। सोशल मीडिया परीक्षा पर इस खबर पर विश्वास न करें।" "बड़े पैमाने पर नकल का कोई सवाल ही नहीं है। एई परीक्षा पर निर्णय लेने के लिए हमने एक बैठक की थी। इसलिए हम एई परीक्षा पर कल निर्णय लेंगे। यह सच है कि प्रवीण को 103 अंक मिले थे।" लेकिन यह उच्चतम अंक नहीं है। कई निजी कर्मचारियों ने समूह 1 परीक्षा के लिए इस्तीफा दे दिया है। "कई गरीब छात्र कई वर्षों से इस परीक्षा की प्रतीक्षा कर रहे हैं। हम पुलिस रिपोर्ट के बाद कार्रवाई करेंगे। हम उन लोगों को निकाल देंगे जो इसमें शामिल हैं। सभी पांच लोगों की नौकरियां जाएंगी। गौरतलब है कि पुलिस इस मामले में नौ आरोपियों पुलीडिंडी प्रवीण कुमार, अटला राजा शेखर रेड्डी उर्फ राजू, रेणुका, लवद्यवत धाक्या, केतवथ राजेश्वर, केतवत नीलेश नायक, पत्थलवथ गोपाल नायक, केतवत श्रीनिवास और केतवत राजेंद्र नायक को गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस के अनुसार, प्रवीण कुमार वर्ष 2017 से टीएसपीएससी में काम कर रहे हैं और राजशेखर रेड्डी नवंबर 2017 से तेलंगाना राज्य प्रौद्योगिकी सेवा (टीएसपीएससी) द्वारा प्रदान की गई टीम के हिस्से के रूप में आउटसोर्स आधार पर नेटवर्क विशेषज्ञ के रूप में काम कर रहे हैं।

साड़ी की बाड़ लगाकर जगंली जानवरों से फसलों को बचा रहे है किसान

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नलगोंडा जिले कृषि क्षेत्र में हवा में लहराती रंग-बिरंगी साड़ियां अधिकांश के लिए एक सुंदर दृश्य हो सकती हैं, लेकिन जंगली जानवरों से अपनी फसलों को बचाने के लिए किसानों ने इनकों लगा रखा है। चंदमपेट और नेरेदुगोम्मू मंडल के गांवों के किसान जंगली जानवरों से अपनी फसलों की रक्षा के लिए ठीक यही उम्मीद लगा रहे हैं। केरशाजुपल्ली, कोथापल्ली, नेरेदुगोम्मू, बच्चापुरम, पेद्दामुनागल, थिम्मापुरम, केथेपल्ली, चिथरियाला और दशरापल्ले गांवों के किसानों ने साड़ियों को खंभों से बांधकर अपनी फसलों को भालुओं से बचाने के लिए साड़ी का इस्तेमाल बाड़ के रूप में किया है। जबकि यह फसलों की रक्षा कर रहा है, यह तथ्य कि इस तरह की बाड़ जंगली जानवरों को कोई नुकसान नहीं पहुँचाती है, एक सकारात्मक कारक भी साबित हो रहा है। इससे पहले, आरक्षित वन और पहाड़ी क्षेत्रों के पास स्थित क्षेत्र में कई किसानों ने अपनी फसलों की सुरक्षा के लिए अवैध रूप से बिजली की बाड़ लगाई थी। हालांकि, इससे कई भालुओं और सूअरों की मौत हो गई। साड़ी के विचार को अब पशु प्रेमियों से व्यापक सराहना मिल रही है। सिर्फ किसान ही नहीं, कई चरवाहों ने भी शेड के चारों ओर साड़ी की बाड़ लगा दी है, जहां उनकी भेड़ें रात में रखी जाती हैं। पेद्दामुनागल में पांच एकड़ जमीन वाले एक किसान, रामावत खंडरिया ने कहा कि साड़ियां हवा में लहराती हैं, जिससे जंगली जानवरों को लगता है कि लोग इलाके में घूम रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे उन्हें कृषि क्षेत्रों में जाने से रोका गया है। केरशाजुपल्ली में तीन एकड़ में मूंगफली की खेती करने वाले एक अन्य किसान, केतवत लच्छू ने कहा कि सुस्त भालू और जंगली सूअर आम तौर पर मूंगफली की फसलों को निशाना बनाते हैं और मूंगफली प्राप्त करने के लिए पौधों को तोड़ देते ह्। जहां एक किसान ने साड़ी बाड़ अवधारणा को आजमाया, वहीं दूसरे किसानों ने भी इसका अनुसरण किया। किसान इस उद्देश्य के लिए देवराकोंडा में सड़क के किनारे विक्रेताओं से 10 रुपये से 15 रुपये की कीमत पर पुरानी साड़ियां खरीदते हैं। उन्होंने कहा कि एक कृषि क्षेत्र की बाड़ लगाने के लिए लगभग सौ साड़ियां पर्याप्त होंगी।

आईएमए ने बिना प्रस्क्रिप्शन दवाओं की बिक्री बंद करने की मांग की

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए), तेलंगाना चैप्टर ने राज्य के स्वास्थ्य विभाग से मेडिकल दुकानों में ओवर-द-काउंटर (ओटीसी) दवाओं की बिक्री बंद करने की मांग की। एसोसिएशन ने डॉक्टर वाली प्रिस्क्रिप्शन दवाओं की बिक्री की प्रथा को प्राथमिकता देने का आग्रह किया है। सचिव, स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण, एसएएम रिजवी को एक प्रतिनिधित्व में, आईएमए तेलंगाना चैप्टर ने मंगलवार को कहा कि दवाओं की ओटीसी बिक्री का अभ्यास रोगाणुरोधी प्रतिरोध की समस्या में योगदान देता है, जो एक बढ़ता वैश्विक स्वास्थ्य खतरा है। डॉक्टर के पर्चे के बिना एंटीबायोटिक वितरण का विनियमन रोगाणुरोधी प्रतिरोध की समस्या को दूर करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसे मूक महामारी कहा जाता है। ओटीसी दवा वितरण और दुरुपयोग की समस्या भारत में विशेष रूप से महत्वपूर्ण और खतरनाक है।

नेल्लोर रेलवे स्टेशन के उन्नयन का काम जोरों पर

स्टेशन डिजाइन प्रूफ की आईआईटी-मद्रास द्वारा जांच

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रेलवे ने सुरुचिपूर्ण सुविधाओं के साथ विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए 'रेलवे स्टेशनों के प्रमुख उन्नयन' की प्रतिष्ठित परियोजना शुरू की है। नेल्लोर स्टेशन उन्नयन के लिए चुने गए स्टेशनों में से एक है। स्टेशन ग्रांड ट्रंक मार्ग में स्थित है और आंध्र प्रदेश राज्य के महत्वपूर्ण शहरों में से एक है। स्टेशन पर यात्रियों की लगातार बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए, कार्यों की योजना बनाई गई है ताकि स्टेशन पर भविष्य की यात्री आवश्यकताओं को भी पूरा किया जा सके। नेल्लोर स्टेशन अपग्रेडेशन का काम ईपीसी मोड के तहत मैसर्स को दिया गया है। एससीएल इंफ्राटेक लिमिटेड, हैदराबाद और इसे मई, 2024 तक पूरा करने का लक्ष्य है। तदनुसार, काम जोरों पर किया जा रहा है। प्रारंभ में, सामग्री के ढेर के लिए साइट कार्यालयों, कंक्रीट परीक्षण प्रयोगशाला, भंडारण शेडों की स्थापना पहले ही पूरी हो चुकी है। स्टेशन को एक आधुनिक दृष्टिकोण देने के लिए, नए स्टेशन भवन का एक सौंदर्यपूर्ण डिजाइन भी तैयार किया गया है और आईआईटी-मद्रास द्वारा इसकी प्रूफ-चेकिंग की गई है। इसके अलावा, रेलवे कोर्ट और जीआरपी कार्यालयों के कामकाज के लिए अस्थायी शेड का निर्माण पूरा कर लिया गया है और संबंधित विभागों को सौंप दिया गया है। साथ ही स्थायी न्यायालय भवन के निर्माण के लिए नींव व फुटिंग की कंक्रीटिंग सहित खुदाई का कार्य पूरा कर लिया गया है।

तेलंगाना में बिजली की सबसे ज्यादा मांग दर्ज की गई

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के इतिहास में मंगलवार सुबह 10.30 बजे सबसे ज्यादा 15,062 मेगावाट बिजली की मांग दर्ज की गई। पिछले साल इसी दिन पीक डिमांड 12,727 मेगावाट थी। मंगलवार को तेलंगाना की सदर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की पीक डिमांड 9121 मेगावॉट और तेलंगाना लिमिटेड की नॉर्दर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी की 5738 मेगावॉट रही, जबकि पिछले साल इसी दिन क्रमश: 7849 मेगावॉट और 4711 मेगावॉट थी। टीएस ट्रैस्को और जेनको के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डी प्रभाकर राव के अनुसार, सोमवार को पीक डिमांड 14,138 मेगावॉट पर पहुंच गई और मंगलवार को यह 15,062 मेगावॉट दर्ज की गई, जो एक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा कि राज्य में खेती के क्षेत्र में वृद्धि और औद्योगिक जरूरतों में वृद्धि के साथ, पिछले कुछ वर्षों में बिजली की खपत में वृद्धि हुई है। उन्होंने बताया कि पिछले मार्च में सबसे अधिक बिजली की खपत 14,160 मेगावाट थी, जबकि इस बार बिजली की अधिकतम मांग 15,062 मेगावाट तक पहुंच गई थी और इस गर्मी में 16,000 मेगावाट को पार करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, "हमने पहले ही मान लिया है कि मार्च के महीने में पीक डिमांड 15,000 मेगावाट तक पहुंच जाएगी और मुख्यमंत्री के आदेश के अनुसार बिजली आपूर्ति की व्यवस्था की गई है।" प्रभाकर राव ने आश्वासन दिया कि बिजली उपयोगिताओं गर्मियों के दौरान किसानों सहित अपने सभी उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए उपाय करेंगी। उन्होंने कहा कि कुल बिजली खपत का करीब 37 फीसदी हिस्सा कृषि क्षेत्र का है। दक्षिण भारत में तमिलनाडु के बाद तेलंगाना बिजली का दूसरा सबसे बड़ा उपभोक्ता है।

गर्मी में कोनासीमा में कोहरे का अनुभव

कोनासीमा , 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के एक क्षेत्र कोनासीमा के निवासी मौसम की एक अनोखी घटना का अनुभव कर रहे हैं जो उन्हें देश के बाकी हिस्सों से अलग करती है। जबकि देश भर में लोग चिलचिलाती गर्मी से जूझ रहे हैं और दोपहर के समय घर के अंदर रहने को मजबूर हैं। कोनासीमा के निवासी कुछ अलग अनुभव कर रहे है। इस क्षेत्र के अमलापुरम, पेरुरू, अंबाजीपेटा, कोथापेटा और गन्नवरम आदि सुबह के समय कोहरे की मोटी परत में डूबा रहते है। कोहरा इतना घना है कि दृश्यता सीमित है, और निवासी मुश्किल से उनके सामने कुछ मीटर आगे देख सकते हैं। यह घटना सुबह 4 बजे से 8 बजे के बीच होती है और इस दौरान पूरे क्षेत्र में कोहरे की बूंदें दिखाई देती हैं। हालांकि यह प्राकृतिक घटना चिलचिलाती गर्मी से राहत की तरह लग सकती है, लेकिन यह अपनी चुनौतियों के साथ आती है। सुबह 8 बजे तक लोग घर के अंदर रहने के लिए मजबूर रहते है। बिना कोहरा साफ हुए लोगों का घरों से निकलना मुश्किल होता है। सुबह काम या स्कूल के लिए निकलने की जरूरत होती है। इस दौरान कोहरा दिखाई देता है।

तेलंगाना देश का एकमात्र ओडीएफ प्लस घोषित राज्य : शांति कुमारी

पीआर एंड आरडी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्य सचिव शांति कुमारी ने आज बीआरकेआर भवन में पीआर एंड आरडी विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक की और विभाग की विभिन्न गतिविधियों का जायजा लिया। बैठक के दौरान पल्ले प्रगति, नरेगा, पीएमजीएसवाई आदि के तहत किए गए कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गई। प्रधान सचिव, पीआर एंड आरडी संदीप कुमार सुल्तानिया ने विभाग का संक्षिप्त विवरण दिया और पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान की गई विभिन्न गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पल्ले प्रगति कार्यक्रम के परिणामस्वरूप ग्रामीण क्षेत्रों में जीवन की गुणवत्ता में सुधार हुआ है और ग्राम पंचायतों के शासन में सुधार हुआ है। डेंगू के मामलों में भारी कमी आई है, गाँव की स्वच्छता में सुधार हुआ है, हरियाली में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। सभी ग्राम पंचायतों को ट्रैक्टर और ट्रॉलियों से सुसज्जित किया गया है। गांवों में डंपिंग यार्ड, श्मशान घाट, नर्सरी, पल्ले प्रकृति वनम, बृहत् प्रकृति वनम स्थापित

किए गए हैं। नरेगा कार्यक्रम का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि 1.11 करोड़ लोगों को 52.78 लाख जॉब कार्ड जारी किए गए हैं। एनआरईजीएस के तहत वैकुंठधामम, डंपिंग यार्ड, नर्सरी, पल्ले प्रकृति वनम और बृहत प्रकृति वनम, रैतु वैदिक, सुखाने वाले प्लेटफॉर्म, सीसी सड़कों आदि का निर्माण पूरा कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि वाटर शेड कार्यक्रम (प्रधानमंत्री किसान सिंचाई योजना) के तहत 200 अमृत सरोवर का निर्माण किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) फेज-11 के तहत 42 लाख व्यक्तिगत घरेलू शौचालय, 11,60,920 व्यक्तिगत सोख्ता गड्ढे, 32,650 जादुई सोख्ता गड्ढे बनाए गए हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि तेलंगाना देश का एकमात्र राज्य है जहां सभी ग्राम पंचायतों को ओडीएफ प्लस घोषित किया गया है। यह एक बहुत बड़ा परिवर्तन है जो पल्ले प्रगति जैसे राज्य सरकार के विभिन्न कार्यक्रमों के कारण संभव हुआ है। निदेशक, पीआर एंड आरडी हनुमंत राव, इंजीनियर-इन-चीफ, पीआर संजीव राव, विशेष आयुक्त, आरडीवीएसवीएन प्रसाद और अन्य अधिकारियों ने भाग लिया।

आंध्र प्रदेश सरकार पिछले चार साल से सुशासन दे रही है : अब्दुल नज़ीर

राज्यपाल ने विधानसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित किया

अमरावती, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के राज्यपाल अब्दुल नज़ीर ने विधानसभा के संयुक्त सत्र में अपने पहले संबोधन में कहा कि आंध्र प्रदेश ने आर्थिक विकास में एक कदम आगे बढ़ाया है और कृषि, औद्योगिक और सेवा क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति कर रहा है। सरकार पारदर्शी तरीके से काम कर रही है। यह नवरत्नों और उसकी कल्याणकारी योजनाओं को भी प्राथमिकता देता है। बिना भ्रष्टाचार के सभी पात्र लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है। वे चार साल से सुशासन प्रदान कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी योजनाओं को सभी पात्र लाभार्थियों के घर तक पहुंचाया जा रहा है। राज्यपाल ने कहा, "हम उल्लेखनीय प्रगति कर रहे हैं और 11.43 प्रतिशत की विकास दर हासिल की है और राज्य आर्थिक विकास में अग्रणी है।" आंध्र प्रदेश में शिक्षा क्षेत्र की पहल पर प्रकाश डालते हुए, राज्यपाल अब्दुल ने कहा, "सरकार राज्य में 17 नए मेडिकल कॉलेजों का निर्माण कर रही है, कुरुपम में ट्राइबल इंजीनियरिंग कॉलेज, कडप्पा में डॉ वाईएसआर वास्तुकला और ललित कला विश्वविद्यालय स्थापित किया जा रहा है और बच्चों को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि शिक्षा सुधारों में डिजिटल लर्निंग एक प्रमुख तत्व है और सरकार ने छात्रों को 690 करोड़ रुपये के 5.20 लाख टैब वितरित किए हैं, जिसमें द्विभाषी पाठ्यपुस्तकें भी शामिल हैं। राज्यपाल ने कहा, "3,239 करोड़ रुपये के खर्च के साथ 43.26 लाख छात्र जगन्नाथ गोरुमुद्दा से लाभान्वित हुए और छात्रों को वित्तीय बोझ के बिना मुफ्त उच्च शिक्षा प्रदान करने वाला एपी एकमात्र राज्य है।"

घरों में लूटपाट करते चोर सीसीटीवी में कैद

सत्यसाईं , 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एपी के सत्यसाईं जिले के मदकाशिरा के निवासियों में उस समय दहशत फैल गई, जब क्षेत्र में एक कुख्यात गिरोह चेद्दी की गतिविधियों को देखा गया। रिपोर्टों के अनुसार, चार चोरों ने मारुति नगर में पांच घरों को लूट लिया और उनकी गतिविधियां पड़ोस में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गईं। फुटेज में चोर सड़कों पर घूमते और घरों में घुसते नजर आ रहे ह्। शुरुआत में पुलिस को चेद्दी गिरोह के शामिल होने का संदेह था, लेकिन बाद में उन्हें संदेह हुआ कि चोर स्थानीय इलाके के हो सकते हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और फिलहाल सीसीटीवी फुटेज की मदद से मामले की जांच कर रही है।

दुबई में हादसे का शिकार हुए एनआरआई की टीएस में मौत

पंजागुट्टा पुलिस ने मामला दर्ज किया

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी की पंजागुट्टा पुलिस ने दुबई में जगतियाल जिले के एक एनआरआई की मौत के कारण हुई दुर्घटना के आरोप में अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। जगतियाल जिले के पेगाडापल्ली मंडल के मधुपल्ली गांव निवासी पुसाला रामू (25) वर्ष 2019 से दुबई में डिलीवरी बॉय का काम कर रहा था। 26 फरवरी को, रामू अपनी बाइक पर एक ग्राहक को पार्सल देते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

उन्हें दुबई के एक अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया। बाद में उनके रिश्तेदारों उन्हें इलाज के लिए एयर एंबुलेंस में भारत लाए। शुरुआत में, रामू को 8 मार्च को निम्स में भर्ती कराया गया था और बाद में एक निजी अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया था, जहां शनिवार रात इलाज के दौरान उनका निधन हो गया। दुर्घटना के तुरंत बाद दुबई के अल बरशा पुलिस स्टेशन में एक शिकायत दर्ज की गई थी। हैदराबाद में उसकी मौत के बाद रामू के भाई महेश ने पंजागुट्टा थाने में शिकायत की। शिकायत के आधार पर पुलिस मामला दर्ज कर जांच कर रही है।

कविता ने कोंडागट्टू अंजननास्वामी मंदिर में दर्शन-पूजन किया

हैदराबाद, 14 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधान परिषद् की सदस्य कविता ने मंगलवार को जगतियाल जिले में स्थित कोंडागट्टू अंजना स्वामी मंदिर का दौरा किया। वे विशेष अनुष्ठानों में भाग लेने के लिए सुबह करीब 5 बजे मंदिर पहुंची। उन्होंने मंदिर में पूजा की और बाद में, पुजारियों ने श्री लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी के लिए विशेष पूजा की। सम्मान के एक संकेत के रूप में, पुजारियों ने उन्हें तीर्थ प्रसादम, भगवान का एक पवित्र प्रसाद भेंट किया। ऐतिहासिक रूप से, मंदिर का निर्माण लगभग 300 साल पहले एक चरवाहे द्वारा किया गया था। 160 साल पहले कृष्णा राव देशमुख द्वारा वर्तमान संरचना का जीर्णोद्धार किया गया था। मंदिर मुख्य देवता अंजनेय स्वामी को समर्पित है, और इसमें भगवान वेंकटेश्वर, देवी अलवारुला और देवी लक्ष्मी की मूर्तियां भी हैं।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

BEST WISHES FOR EXAMINATIONS
TO
ALL INTERMEDIATE STUDENTS
SUCCESS IS WAITING FOR YOU
HINDI MAHAVIDYALAYA
INTER, DEGREE & PG COLLEGE
ENGLISH & HINDI MEDIUM
AUTONOMOUS & NAAC RE-ACCREDITED
AFFILIATED TO OSMANIA UNIVERSITY
NALLAKUNTA, HYDERABAD-500044 (T.S.)
Email: info@hindimahavidyalya.org Website : www.hindimahavidyalya.org
Principal Dr. Avinash Jaiswal Cont. 8712608261

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.